डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 29.07.2024 से 04.08.2024 ▶ वर्ष-41 ▶ अंक-31 ▶ मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

'सूचना ही शक्ति है' को सार्थक करेगा अग्रदूत पोर्टल

भोपाल, मध्यप्रदेश सरकार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में पारदर्शिता के साथ नागरिकों तक पहुंच बनाने एवं लाभार्थियों को योजनाओं संबंधी जानकारी भेजने के लिए संचार क्रांति का उपयोग कर रही है। मुख्यमंत्री ने पिछले दिनों जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार किए गए 'अग्रदूत पोर्टल' को लॉन्च किया है। 'सूचना ही शक्ति है' के मंत्र को सार्थक करने वाला अग्रदूत पोर्टल अपने आप में अद्भुत पहल है। किसी भी राज्य के जनसंपर्क विभाग द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं त्वरित सूचनाओं के लिए इस तरह की अभिनव पहल पहली बार की गई है। इस पोर्टल द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के टारगेट ऑडियंस तक सूचनाएं पहुंचाई जा सकेंगी।

प्रदेश में रेल सुविधाओं के लिए 14 हजार करोड़ से अधिक की राशि

भोपाल, मध्यप्रदेश को दी गई रेल सुविधाओं और 14 हजार 738 करोड़ रुपये की राशि के प्रावधान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्र सरकार का आभार माना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने मध्यप्रदेश के हितों का ध्यान रखा है। मध्यप्रदेश में 80 रेलवे स्टेशनों के विकास का कार्य चल रहा है। इसके लिए 81 हजार करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है।

पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक विभाग के संभागीय कार्यालय शुरू होंगे

भोपाल, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के संभाग स्तर पर संभागीय कार्यालय शुरू करने के लिये शासन स्तर पर पहल होगी। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर संभाग स्तरीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र भी शुरू होगा। इससे पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को संभाग स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं का निःशुल्क प्रशिक्षण मिल सकेगा।

प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में खुलेंगे 94 सीएम राइज स्कूल

भोपाल, प्रदेश के जनजातीय वर्ग के बच्चों की शिक्षा-दीक्षा और इनके सर्वांगीण विकास के लिये राज्य सरकार कृत-संकल्पित होकर कार्य कर रही है। सरकार ने जनजातीय बहुल अंचलों तथा जिलों में बच्चों की बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के लिये 94 सीएम राइज स्कूल स्थापित करने का निर्णय लेकर काम भी प्रारंभ कर दिया है।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोयम्बटूर में "इन्वेस्ट एमपी-इंटरेक्टिव सत्र" को किया संबोधित

मध्यप्रदेश में सरकार और जनता के सहयोग से होगा औद्योगिक विकास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कोयम्बटूर में आयोजित "इन्वेस्ट एमपी-इंटरेक्टिव सत्र" में शामिल हुए

कोयम्बटूर, मध्यप्रदेश में निवेश को सुविधाजनक बनाने के लिए कोयम्बटूर, तमिलनाडु में मध्यप्रदेश का एक उद्योग कार्यालय खोला जाएगा। यह कार्यालय मध्यप्रदेश और तमिलनाडु के बीच व्यापार और व्यवसाय बढ़ाने के लिए सेतु का काम करेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोयम्बटूर में इन्वेस्ट एमपी- इंटरेक्टिव सत्र को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इन्वेस्टर समिट का उद्देश्य यह भी है कि व्यापार और व्यवसाय के आधार पर विभिन्न प्रदेश परस्पर नजदीक आएं और हम मिलकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया का नंबर वन देश बनाने की दिशा में संकल्पित होकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि यहां के उद्योगपतियों ने कोयम्बटूर और त्रिपुर को अपने बलबूते पर इंडस्ट्रियल हब के रूप में स्थापित किया है, अब मध्यप्रदेश आपको बुला रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोयम्बटूर टेक्सटाइल एवं गारमेंट, इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे औद्योगिक सेक्टर के लिए जाना जाता है। प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में तमिलनाडु के उद्योगपतियों को आमंत्रित करने के उद्देश्य से कोयम्बटूर में रोड शो और निवेशकों एवं उद्योगपतियों के साथ इंटरेक्टिव सत्र आयोजित किया गया। सत्र में 1200 से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की तथा मध्यप्रदेश में निवेश के लिए 3500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

वर्ष 2025 उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जाएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी टेक्सटाइल एवं गारमेंट इंडस्ट्री, ऑटोमोबाइल एवं इंजीनियरिंग उद्योग तेजी से विकसित हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में इन क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों के लिए मध्यप्रदेश में निवेश कर अपने व्यापार-व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का यह सबसे उपयुक्त समय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश फ्यूचर रेडी प्रदेश है, यहां संभावनाओं के साथ सरकार का सहयोग एवं जनता का साथ है। आजादी के अमृतकाल को मध्यप्रदेश का भाग्योदयकाल बनाने के लिए हम प्रदेश के उद्योग धंधों को वैश्विक सप्लाई चेन का हिस्सा बनाने के विजन पर काम कर रहे हैं। प्रदेश में उद्योगों की स्थापना और विकास के लिए राज्य सरकार सतत प्रयासरत है।

गुरु पूर्णिमा समारोह

अन्याय तथा अधर्म से लड़ना सिखाते हैं गुरु

इंदौर, भारतीय संस्कृति में गुरुजनों का स्थान सर्वोच्च है। गुरु शिक्षा के साथ ही ज्ञान का प्रसार भी करते हैं। वे अपने शिष्यों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुरुजनों का सम्मान भारतीय परंपरा और संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गुरुजनों के सम्मान के लिए अब प्रदेश में प्रति वर्ष सभी स्कूल और कॉलेजों में गुरु पूर्णिमा का महापर्व मनाया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में आयोजित गुरु पूर्णिमा समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने महाभारत के अनेक प्रसंगों का उल्लेख करते हुए गुरु-शिष्य परम्पराओं का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि गुरु शिक्षा के साथ ज्ञान भी देते हैं। वे अन्याय एवं अधर्म से लड़ना सिखातें हैं और जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं।

आचार्य सांदीपनि इसका बेहतर उदाहरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आचार्य सांदीपनि का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुजन राष्ट्रवादी सोच का प्रवाह अपने शिष्यों में करते हैं। आचार्य सांदीपनि इसके बेहतर उदाहरण हैं। आचार्य सांदीपनि ने अपने ज्ञान से राष्ट्र निर्माण और अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव सिखाया है। गुरुओं का महत्व सबके सामने आना चाहिए। इसके लिये हमने प्रदेश में हर वर्ष स्कूल और कॉलेजों में गुरु पूर्णिमा का महापर्व पूर्ण आस्था और श्रद्धा के साथ मनाने का निर्णय लिया है।

बजट में किए गए प्रावधानों को ध्यान में रखकर कार्य करें

भोपाल, केंद्रीय बजट में अधोसंरचना, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित अन्य क्षेत्रों के विकास पर बल दिया गया है। केंद्रीय बजट में किए गए प्रावधानों को ध्यान में रखकर कार्य करें। मध्यप्रदेश के संदर्भ में इसका लाभ उठाने के प्रयास किए जाएं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय बजट के परिप्रेक्ष्य में प्रदेश के बजट की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल और इंदौर में मेट्रोपॉलिटन सिटी के विकास कार्य किए जा रहे हैं। नगरीय निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास भी जारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों के नवाचारों को शामिल करते हुए मध्यप्रदेश में कार्यों को पूरा किया जाए। खर्चों में कटौती एवं आय बढ़ाने के लिए प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य हों। बिजली, पानी, उद्योग, शिक्षा के क्षेत्र में भी कोई कमी नहीं छोड़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। जल संसाधन विभाग के अंतर्गत ज्यादा से ज्यादा राशि केंद्र सरकार से प्राप्त करने की कोशिश की जाए।

'ग्रामीण पथ रोशन योजना' से युवाओं का होगा कौशल विकास

भोपाल, कौशल विकास को रोज़गार से जोड़ने के लिये मध्यप्रदेश राज्य मुक्त ओपन शिक्षा बोर्ड ने 'ग्रामीण पथ रोशन योजना' प्रारंभ की है। इस योजना से 18 से 45 वर्ष आयु समूह के कक्षा 10वीं तक के शिक्षित बेरोज़गार युवाओं को रूफटॉप सोलर प्लांट की स्थापना का प्रशिक्षण निःशुल्क दिलाया गया है। शाजापुर जिले के शुजालपुर क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम में एक-एक युवा को उनके घरों की छत पर 10 किलोवॉट क्षमता का रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिये बैंक से ऋण दिलवाया गया है। उल्लेखनीय है कि इस प्लांट से उत्पादित बिजली को ऑनग्रिड नेट सोलर मीटर के माध्यम से पॉवर ग्रिड में जमा कराया जाता है। "ग्रामीण पथ रोशन योजना" में चयनित युवाओं को बेंगलुरु के उद्यम लर्निंग फाउंडेशन द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है।

टेक्सटाइल का अत्याधुनिक स्किल डेवलपमेंट सेंटर जबलपुर में होगा स्थापित

जबलपुर, मध्यप्रदेश में अनेक क्षेत्रों में उद्योग स्थापना का कार्य प्राथमिकता से किया जायेगा। प्रदेश में टेक्सटाइल, रक्षा संस्थान के लिए टैंक निर्माण, फार्मा क्षेत्र और पर्यटन के क्षेत्र में नए-नए उद्योग प्रारंभ किये जायेंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के सुभाष चंद्र बोस कल्चरल एंड इनफॉरमेशन सेंटर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहीं। कॉन्क्लेव में देश-विदेश के अनेक प्रमुख उद्योगपति शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जबलपुर में टेक्सटाइल के अति आधुनिक स्किल डेवलपमेंट सेंटर की शुरुआत की जायेगी, जिससे विशेष रूप से बहनों को रोज़गार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कॉन्क्लेव में प्रदेश की 29 औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण और 38 औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन किया। प्रदेश के विभिन्न 10 स्थानों से जन-प्रतिनिधि लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम से जुड़े।

इनमें कुल 1500 करोड रुपये के निवेश से 4500 लोगों को रोज़गार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों को आशय-पत्र सौंपे गये, जिससे करीब 12 हजार लोगों को रोज़गार प्राप्त होगा।

अशोक लीलैंड का करारनामा

मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 600 करोड़ रुपये के निवेश के लिए अशोक लीलैंड और आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड के बीच करारनामा हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में रक्षा संस्थान के लिए अब तक तोप निर्माण का कार्य होता रहा है, अब सेना के लिए टैंक भी बनाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 16 औद्योगिक पार्क के माध्यम से कुल 517 लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों द्वारा पौने छः हजार करोड़ का निवेश किया गया, जिससे 20 हजार लोगों को रोज़गार मिला है।

20 जुलाई

अब दुबई में भी यूपीआई से कर सकेंगे भुगतान

● संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भी अब भारतीय नागरिक यूपीआई की मदद से भुगतान कर सकते हैं। यह सेवा यूएई के अल माया सुपर मार्केट में शुरू हो गई है। अल माया के यूएई में कई जगह आउटलेट हैं। यूएई में नेटवर्क के पॉइंट-ऑफ-सेल टर्मिनलों के माध्यम से क्यूआर कोड आधारित यूपीआई भुगतान होगा। खुदरा उपयोग के लिए यूपीआई स्वीकृति को उत्तरोत्तर रूप से शुरू किया जाएगा। इससे भारतीय पर्यटकों और अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए निर्बाध और सुरक्षित लेनदेन सुनिश्चित होगा। यूएई के अलावा यूपीआई की सुविधा अब फ्रांस और मॉरिशस सहित 8 देशों में उपलब्ध है।

● भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि रूस और यूक्रेन के साथ मजबूत संबंध रखने वाला भारत दोनों देशों के बीच संघर्ष को सुलझाने में एक बड़ी भूमिका निभा सकता है। इस मामले पर निर्णय लेना विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र पर निर्भर करता है। गार्सेटी ने अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में भारत की बढ़ती भूमिका का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमने सीमा के मसले पर भारत का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि यह भारत का मुद्दा है जिसे भारत और भारतीयों को सुलझाना है, न कि अमेरिका को।

21 जुलाई

स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए पंजीकरण शुल्क माफ करेगा एफएसएसएआई

● केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने खाद्य नियामक फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) को स्ट्रीट फूड विक्रेताओं का 100 रुपये का पंजीकरण शुल्क माफ करने का निर्देश दिया। साथ ही देशभर में स्ट्रीट फूड केंद्र बनाने की जरूरत पर जोर दिया। दिल्ली के विज्ञान भवन में एफएसएसएआई की ओर से आयोजित एक प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम में श्री नड्डा ने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं से अपने दैनिक जीवन में प्रशिक्षण को व्यावहारिक रूप से लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने स्ट्रीट फूड विक्रेताओं से पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना का लाभ लेने के लिए भी कहा।

22 जुलाई

भारत में एच-125 हेलीकॉप्टर बनाएगी एयर बस

● यूरोपीय कंपनी एयर बस ने भारत में 'मेक इन इंडिया' के तहत एच 125 हेलीकाप्टरों के उत्पादन की अंतिम एसेंबली लाइन स्थापित करने के लिए आठ स्थानों को चुन लिया है। यह सुविधा एकल इंजन एच 125 के लिए चौथी 'फाइनल असेंबली लाइन' (एफएएल) होगी। यह शुरू में सालाना दस हेलीकाप्टरों का उत्पादन करेगी और बाजार की मांग के आधार पर इसकी क्षमता बढ़ाई जाएगी। यह सुविधा 2026 में चालू हो जाएगी। दस हेलीकाप्टरों की डिलीवरी वर्ष 2026 के अंत में शुरू होने की उम्मीद है। एच 125 हेलीकाप्टर के एक बुनियादी मॉडल की कीमत लगभग 3.2 मिलियन यूरो है।

● केदारनाथ धाम पैदल यात्रा मार्ग पर पहाड़ी पर भूस्खलन होने से तीन तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। मृतकों में एक रुद्रप्रयाग और दो महाराष्ट्र के रहने वाले थे। पहाड़ी से गिरे पत्थरों और मलबे की चपेट में आकर महाराष्ट्र एवं गुजरात के पांच तीर्थ यात्री घायल भी हुए। यह हादसा गौरीकुंड से तीन किलोमीटर आगे चीरबासा क्षेत्र में हुआ। उल्लेखनीय है कि गौरीकुंड से केदारनाथ धाम तक 16 किलोमीटर लंबे पैदल यात्रा मार्ग पर कई संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां हल्की वर्षा में ही पहाड़ी से पत्थर और मलबा गिरने लगता है। वर्षाकाल में यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है।

23 जुलाई

इसरो ने किया एयर ब्रीदिंग प्रोपल्शन सिस्टम का सफल परीक्षण

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एयर ब्रीदिंग प्रोपल्शन तकनीक की दूसरी प्रायोगिक उड़ान का सफलता-पूर्वक परीक्षण किया है। यह उड़ान परीक्षण अंतरिक्ष यान पर दो चरणों वाले सबसे भारी आरएच-560 साउंडिंग रॉकेट का उपयोग करके एयर ब्रीदिंग प्रोपल्शन (एबीपी) तकनीक के प्रदर्शन के लिए किया गया है। प्रणोदन प्रणालियों को आरएच-560 साउंडिंग रॉकेट के दोनों ओर समान रूप से लगाया गया था और इसे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया गया था। इसके प्रदर्शन का आकलन करने के लिए उड़ान के दौरान लगभग 110 मापदंडों की निगरानी की गई थी।

● बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर जारी हिंसा बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद थम गई है, लेकिन देश में इंटरनेट और मोबाइल डाटा पर अब भी रोक जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने विवाद और हिंसा का कारण बनी आरक्षण व्यवस्था के प्रावधानों को बदलकर 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियों को मैरिट के आधार पर भरने का आदेश दिया। इस हिंसा में 147 लोगों की जान जा चुकी है। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की सरकार से कई नई मांगों को पूरा करने के लिए कहा है जिसमें हिंसा के लिए प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से सार्वजनिक माफी और इंटरनेट कनेक्शन की बहाली शामिल है।

24 जुलाई

छात्रों की वापसी के लिए बांग्लादेश सीमा पर बनाया गया एकीकृत चेक-पोस्ट

● सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश के हिंसाग्रस्त क्षेत्रों से छात्रों की सुरक्षित वापसी के लिए भारत-बांग्लादेश सीमा पर एकीकृत चेक-पोस्ट (आईसीपी) पर विशेष सहायता डेस्क स्थापित किए हैं। बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया है। बीएसएफ ने बताया कि अब तक 572 भारतीय, 133 नेपाली और चार भूटानी छात्रों की वापसी में सहायता की है। बांग्लादेश में फंसे गुजरात के 14 मेडिकल छात्र सुरक्षित घर लौट आए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार की संस्था एनआरजी फाउंडेशन को फंसे हुए छात्रों का पता लगाने में सहायता करने का निर्देश दिया है।

● केन्द्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा जारी आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि आरबीआई को नीतिगत दर (रेपो रेट) तय करने में खाद्य वस्तुओं की महंगाई पर गौर करना बंद करना चाहिए। साथ ही सरकार को गरीबों पर खाने के सामान की ऊंची कीमतों का असर कम करने के लिए उन्हें कूपन देने या सीधे नकदी हस्तांतरण पर विचार करना चाहिए। नीतिगत दर के आधार पर ही बैंक आवास, व्यक्तिगत और कंपनी ऋण की ब्याज तय करते हैं। उल्लेखनीय है कि रेपो दर 6.50 पर स्थिर है। आरबीआई ने फरवरी 2023 से इसमें कोई बदलाव नहीं किया है।

25 जुलाई

देश में जल्द शुरू होगी नेशनल डिजिटल यूनिवर्सिटी

● नेशनल डिजिटल यूनिवर्सिटी इस वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएगी। केंद्र सरकार

ने इसके गठन के लिए बजट में सौ करोड़ रुपये का विशेष आवंटन किया है। यह बजट विश्वविद्यालय से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर एवं अध्ययन सामग्री आदि जुटाने पर खर्च होगा। इसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित देश के सभी शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़े कोर्स मुहैया कराए जाएंगे। प्रस्तावित डिजिटल यूनिवर्सिटी का दायरा शुरूआत में देश तक ही रहेगा, लेकिन बाद में दुनियाभर में विस्तार देने की तैयारी है। फिलहाल नेशनल डिजिटल यूनिवर्सिटी का जो ढांचा तैयार किया गया है, उनमें छात्रों के लिए सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों तथा शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों के कोर्स मुहैया रहेंगे। इनमें किसी भी कोर्स में सीटों को कोई निर्धारित संख्या नहीं होगी। छात्रों को 'स्वयं' ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए पढ़ाई करायी जाएगी।

● चीन के अंतरिक्ष मिशन चांग ई-5 द्वारा लाए गए चंद्रमा की मिट्टी में जल के अणु पाए गए हैं। यह जानकारी चीन के विज्ञान अकादमी के शोधकर्ताओं ने दी है। शोधकर्ताओं ने 1,000 से अधिक खनिज 'क्लॉस्ट्स' को अलग किया। इनमें एक प्लेट जैसा पारदर्शी क्रिस्टल था। इसे अननोन लूनर मिनरल (यूएलएम-1) कहा गया है, इसमें पानी के अणु पाए गए थे। वर्ष 2020 में चांद पर प्रक्षेपित किए जाने के बाद चांग ई-5 अंतरिक्ष यान धरती पर चंद्रमा की मिट्टी के नमूने लेकर वापस लौटा था। शोध में बताया गया है कि वैज्ञानिकों को मिट्टी के नमूनों में तश्तरी जैसी कुछ पारदर्शी चीजें मिलीं हैं।

26 जुलाई

डीआरडीओ ने इंटरसेप्टर मिसाइल एडी-1 का किया सफल परीक्षण

● रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने ओडिशा के समुद्र तट से इंटरसेप्टर मिसाइल एडी-1 (एयर डिफेंस) का सफल परीक्षण किया। परीक्षण के लिए पहले चांदीपुर में अब्दुल कलाम द्वीप स्थित लॉन्च पैड से पृथ्वी-2 न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल टारगेट के रूप में दागी गई। इसके चार मिनट बाद ही भद्रक जिले के धामरा में स्थित परीक्षण केंद्र से इंटरसेप्टर मिसाइल एडी-1 लॉन्च की गई जिसने टारगेट बनी पृथ्वी-2 मिसाइल को सफलतापूर्वक मार गिराया। एडी-1 समुद्र आधारित एंडो-एटमास्फेरिक बीएमडी इंटरसेप्टर मिसाइल है। यह दुश्मन की पांच हजार किलोमीटर रेंज वाली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों (आइसीबीएम) को मार गिराने में सक्षम है।

● विश्वभर के देशों के पासपोर्ट की मजबूती मापने वाले हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत की रैंकिंग 84 से बढ़कर 82वीं हो गई है। वर्ष 2023 में भारतीय पासपोर्ट मजबूती के मामले में 103 देशों में 84वें स्थान पर था। रिपोर्ट के अनुसार सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट के मामले में सिंगापुर पहले स्थान पर है। सिंगापुर के नागरिक 195 देशों में बिना वीसा जा सकते हैं। इसके बाद फ्रांस, इटली, जर्मनी, स्पेन और जापान दूसरे स्थान पर हैं, जहां प्रत्येक को 192 गंतव्यों तक बिना वीसा के प्रवेश की सुविधा मिलती है। भारतीय नागरिकों के पास 58 गंतव्यों तक वीसा-मुक्त पहुंच है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

भारतीय मानक ब्यूरो

सत्यमेव जयते

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
(उपभोक्ता मामले विभाग), भारत सरकार
601-A, कनेक्टस टॉवर–1, छठा तल, डीएमआरसी बिल्डिंग,
भवभूति मार्ग, नई दिल्ली–110002 ई–मेलः cro@bis.gov.in

मानकः पथप्रदर्शकः

विज्ञापन सं. 01 एसपीसी/2024/सीआरओ

1. भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक सांविधिक और भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है। यह देश में मानकीकरण, उत्पाद एवं पद्धति प्रमाणन, स्वर्ण चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग एवं प्रयोगशाला परीक्षण इत्यादि गतिविधियां संचालित करता है।
2. बीआईएस ऐसे भारतीय नागरिकों को अल्पावधि अनुबंध के आधार पर मानक पदोन्नति के लिए सलाहकार के रूप में बीआईएस के साथ काम करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है, जो प्रमाणित शैक्षणिक योग्यता, व्यावसायिक उपलब्धि, तकनीकी आधारित कौशल की अच्छी कार्यकारी जानकारी तथा प्रबल संवाद एवं अंतः वैयक्तिक कौशल और नेतृत्व की योग्यता रखते हों। विज्ञापन का विवरण निम्नलिखित प्रकार से है :

क्र.सं.	पद का नाम	सलाहकार (मानक पदोन्नति)
1.	पदों की संख्या	14 (दिल्ली–4, गाजियाबाद–2, नोएडा–2, लखनऊ–2, भोपाल–2, जयपुर–2)
2.	भर्ती का तरीका	साक्षात्कार के माध्यम से संविदा आधारित नियुक्ति
3.	शैक्षणिक अहर्ताऐं	अनिवार्य : एम.बी.ए. (विपणन) या मास कम्यूनिकेशन (जनसंचार) में समकक्ष डिग्री या सामाजिक कार्य में परास्नातक (एम.एस.डब्ल्यू.) कृपया हमारी वेबसाईट **https://www.bis.gov.in** पर विस्तृत विज्ञापन देखें वांछनीयः आईटी टूल्स में प्रवीणता (जैसे एमएस ऑफिस) लिखित और मौखिक अंग्रेजी और हिंदी में प्रवाह जरूरी अनुभवः विपणन और जनसंचार में 2 वर्षों का अनुभव, अधिमानतः केंद्र सरकार/राज्य सरकार/पी.एस.यू./स्वायत्त संगठनों में
4.	कार्य का विवरण	कृपया हमारी वेबसाइट **https://www.bis.gov.in** पर विस्तृत विज्ञापन देखें
5.	आवेदन फार्म लिंक	https://forms.gle/Lkj7xZPnnf69FMFp6 (लिंक हमारी वेबसाईट https://www.bis.gov.in से भी कॉपी किया जा सकता है। एक आवेदक एक से ज्यादा स्थानों के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए इसी गूगल फार्म को भरकर प्रत्येक स्थान के लिए अलग–अलग आवेदन करना होगा।
6.	पारिश्रमिक	रु. 50,000/– (पचास हजार रुपए मात्र) का समेकित मासिक पारिश्रमिक
7.	आवेदन की अंतिम तिथि	12 अगस्त 2024 शाम 5:00 बजे तक

3. विस्तृत विज्ञापन और पद के लिए आवेदन करने के लिए, कृपया बीआईएस वेबसाइट अर्थात् https://www.bis.gov.in देखें।

उपमहानिदेशक (मध्य)
ई–मेल– **cro@bis.gov.in**

SHARAD

R-49873/2024

वर्ष 41, अंक 31 29.07.2024 से 04.08.2024

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - संदीप यादव
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की सफलता से विकास के नए आयाम

विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को पूरा करने के लिये प्रदेश निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में पहली बार क्षेत्रीय स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव शुरू की गई। एक के बाद एक अलग-अलग संभागीय मुख्यालयों में हो रहे कॉन्क्लेव ने प्रदेश में एक नई औद्योगिक क्रांति की नींव रखी है। खास बात यह है कि महाकाल की नगरी उज्जैन से शुरू हुई कॉन्क्लेव का अगला चरण पिछले दिनों जबलपुर में आयोजित हुआ। इस कॉन्क्लेव में 30 उद्योगपतियों ने प्रदेश में 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव रखे। विशेषता यह है कि इन प्रस्तावों के मूलरूप में आने से प्रदेश के 13 हजार से अधिक युवाओं के लिये रोज़गार के अवसर मिलेंगे। इस तरह मुख्यमंत्री ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी (एमएसएमई) के उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की महत्वपूर्ण और सामयिक पहल की है। प्रदेश में वृहद इकाइयों की स्थापना के लिए 17 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव और एमएसएमई इकाइयों की ओर से 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस तरह जबलपुर के रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में छोटे-बड़े उद्योगों की ओर से कुल 22 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग की भूमिका से इस माह इनमें निरंतर वृद्धि भी होगी। इसके लिए प्रमुख उद्योगपतियों से संवाद का सिलसिला निरंतर जारी है। जबलपुर आरआई में सबसे बड़ा निवेश प्रस्ताव रक्षा उपकरण निर्माण से संबंधित 600 करोड़ रुपये का है। इसके अंतर्गत अशोक लीलैंड एवं आर्म्ड व्हीकल निगम लिमिटेड के बीच करारनामा भी हो गया है। यह प्रस्ताव मध्यप्रदेश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय स्तर पर उद्योगों के विकास की ठोस पहल की है। गत मार्च माह में उज्जैन में सम्पन्न रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के बाद महाकौशल अंचल के प्रमुख नगर और औद्योगिक केन्द्र जबलपुर में हुई कॉन्क्लेव अनेक अर्थ में महत्वपूर्ण रही। कॉन्क्लेव से जहां प्रदेश में 67 नई औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण और भूमिपूजन सम्पन्न हुए, वहीं 265 औद्योगिक इकाइयों को 340 एकड़ भूमि आवंटित की गई। नई इकाइयों से प्रदेश में 16 हजार 500 से अधिक लोगों को रोज़गार मिलेगा। कुल 332 इकाइयों द्वारा 3330 करोड़ रुपये का नया निवेश आ रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी अंचलों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजन के निर्देश दिए थे। आगामी महिनों में प्रदेश के अन्य बड़े नगरों में भी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित करने की योजना है। इनमें सागर, रीवा और ग्वालियर शामिल हैं। इससे बुंदेलखंड, विंध्य और चम्बल क्षेत्र में स्थानीय उद्यमियों को निवेश के लिए प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। विभिन्न क्षेत्रों में छोटी और मध्यम श्रेणियों की इकाइयों का संचालन करने वाले उद्यमी शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ लेने के लिए अग्रसर होंगे। विशेष रूप से कृषि, फूड प्रोसेसिंग, खनिज, रक्षा उत्पादन, पर्यटन और वस्त्र उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए प्रारंभ किए गए प्रयास सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे।

प्रदेश में हो रहीं रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव बहुआयामी गतिविधियों के कारण उद्योगों के विकास का आधार बन रही हैं। ये कॉन्क्लेव जहां बायर-सेलर मीट के माध्यम से महत्वपूर्ण मंच सिद्ध होती हैं, वहीं वृहद औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रमुख उद्योगपतियों के बीच वन-टू-वन बैठकें मील का पत्थर का साबित होंगी। उद्योगों के लिए आवश्यक सुविधाओं को प्रदान करने में यदि कोई बाधा या कठिनाई सामने आती है, तो वन-टू-वन बैठकें ऐसी कठिनाइयों को दूर कर त्वरित समाधान में सहायक बनती हैं। अत: प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में एमएसएमई सेक्टर की भूमिका निरंतर महत्वपूर्ण बन रही है।

जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और कचरे में वृद्धि चिंता का विषय

वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और कचरे में लगातार वृद्धि हो रही है। यह तीनों ही विषय ऐसे हैं जिन पर कई बार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की बैठकें भी हुई हैं। लेकिन इन बैठकों में कोई ठोस निष्कर्ष निकलता दिखाई नहीं दिया। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद (आईएससी) द्वारा जारी एक रिपोर्ट में सामने आई जानकारी ने चिंताएं कई गुना अधिक बढ़ा दी हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण एजेंसी की कार्यकारी निदेशक इंगेर एंडरसन का मानना है कि भू-राजनैतिक उथल-पुथल की पृष्ठभूमि में जिस तरह से बदलाव की तेज रफ़्तार, अनिश्चितता और टेक्नोलॉजी का विकास दिखाई दे रहा है इससे स्पष्ट है कि यह सब किसी भी देश के लिये उचित नहीं है। मानव गतिविधियों की वजह से प्रकृति का नुकसान हो रहा है। कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) जैसी टेक्नोलॉजी को इस्तेमाल में लाया जा रहा है जिससे प्राकृतिक संसाधनों के लिए स्पर्धाएं और विषमताएं बढ़ती जा रही हैं और संस्थाओं में भरोसा खत्म होता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार ये सभी चुनौतियां आने वाले समय के लिए एक ऐसे संकट को तैयार कर रही हैं जिसका मानवता और पृथ्वी पर खतरनाक प्रभाव पड़ सकता है। रिपोर्ट में बदलाव के 18 संकेतकों की पहचान की गई है जिन्हें विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद चिह्नित किया है। रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण कम से कम दो वर्ष तक जमी रहने वाली भूमि की सतह पिघल रही है, जिसका बड़े पैमाने पर पर्यावरण, पशुओं और मनुष्यों पर असर हुआ है। इन बदलाव के संकेतकों की निगरानी और भविष्य के खतरों को जानना-समझना जरूरी है। ताकि पर्यावरण को प्रदूषित करने तथा जलवायु परिवर्तन के लिए पूर्व में होने वाली गलतियों को रोका जा सके।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

केंद्रीय बजट 2024-25

पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की संकल्प पूर्ति का बजट

भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2024-25 के बजट में कुल नौ प्राथमिकताएं हैं। बजट में किसान, कृषि, युवा और सुरक्षा पर सबसे अधिक फोकस किया गया है। यह बजट पांच ट्रिलियन डालर की मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2024-25 के लिये बजट प्रस्तुत किया। श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कार्य कर रही वर्तमान सरकार के तीसरे कार्यकाल का यह पहला बजट है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने यदि दो कार्यकाल पूरे करके लगातार तीसरे कार्यकाल के लिये दायित्व संभालकर पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के कीर्तिमान की बराबरी करके इतिहास में अपना नाम जोड़ लिया है तो वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने भी लगातार सातवीं बार बजट प्रस्तुत किया है। यह भी कीर्तिमान है। लगातार सात केंद्रीय बजट पेश करने वाली वे देश की पहली वित्तमंत्री बन गई हैं। इससे पहले 6 बजट प्रस्तुत करने का कीर्तिमान तत्कालीन वित्तमंत्री श्री मोरारजी देसाई के नाम था। अब श्रीमती निर्मला सीतारमण उनसे एक कदम आगे आ गई है। केन्द्र सरकार का यह बजट पिछले अधिकांश बजट की प्राथमिकताओं से अलग है। यह बजट समृद्ध और सशक्त भारत बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस बजट में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और प्राथमिकता की स्पष्ट झलक है। श्री नरेंद्र मोदी ने अपना पद संभालते ही भारत को आत्मनिर्भर और विश्व में सबसे विकसित और समृद्ध देश बनाने का संकल्प व्यक्त किया था। इसके लिये उन्होंने "ज्ञान का सम्मान" सूत्र दिया है। श्री मोदी के "ज्ञान" शब्द में गांव, गरीब, किसान, युवा और महिला आते हैं। उनका मानना है कि इन वर्गों को सशक्त बनाने से ही समाज और देश सशक्त बनेगा। इस बजट में इन वर्ग समूहों को मजबूत करने की प्राथमिकता साफ झलक रही है। इसके लिये इस बजट में कुल नौ प्राथमिकताएँ निर्धारित की गई हैं। इनमें कृषि क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाना, युवाओं के लिए रोज़गार एवं उनका कौशल विकास, गरीब नागरिकों को विकास में सहभागी बनाना, सामाजिक न्याय, विनिर्माण इकाईयों को बढ़ावा देना, नगरीय विकास, ऊर्जा और वैकल्पिक ऊर्जा विकास, आधारभूत ढांचा विकास और शोध अनुसंधान करना प्रमुख हैं। इनमें भी गांव, गरीब, कृषि, किसान, युवा रोज़गार, नारी सशक्तीकरण पर अधिक जोर दिया गया है। भारत की अर्थव्यवस्था का आधार गांव, किसान और कृषि है। यदि कृषि और किसान समृद्ध होंगे तो देश का प्रत्येक क्षेत्र समृद्ध होगा। उद्योगों की समृद्धि में भी परोक्ष रूप से गांव और किसान आधार होते हैं। परिवार की नींव महिला हैं तो रोज़गार, परिश्रम, पुरुषार्थ और कौशल विकास युवकों का होना चाहिये। समृद्धि का आधार यही वर्ग समूह होते हैं। समृद्धि के साथ सुरक्षा के प्रबंध भी आवश्यक हैं। वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2024-25 के इस बजट में इन्हीं विषयों पर सबसे अधिक प्रवधान किये हैं।

बजट : एक दृष्टि

वर्ष 2024-25 के बजट में कुल व्यय 48,20,512 करोड़ रुपये अनुमानित है। इसमें से पूंजीगत व्यय के लिए 11,11,111 करोड़ का प्रावधान है। वर्ष 2023-24 की तुलना में पूंजीगत व्यय 16.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शा रहा है। जबकि वर्ष 2022-23 के बजट में 7.5 लाख करोड़ रुपये का और वित्तीय वर्ष 2023-24 में 10 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान था। अब इसे बढ़ाकर 11.11 लाख करोड़ रुपये किया गया है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 3.4 प्रतिशत है। अनुमान है कि मार्च 2025 में ख़त्म हो रहे वित्त वर्ष में देश की विकास दर 6.5 प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल आय 32.07 लाख करोड़ रुपये का अनुमान है। इसमें ऋण की राशि शामिल नहीं है। करों से प्राप्त होने वाली राशि 25.83 लाख करोड़ रुपये है। कुल खर्च का अनुमान 48.21 लाख करोड़ रुपये का है। बजट में उर्वरक, पेट्रोलियम आदि विभिन्न सब्सिडी के लिए कुल 3,81,175 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसमें सर्वाधिक सब्सिडी 2,05,250 करोड़ रुपये खाद्य पर और उर्वरक पर 1,64,000 करोड़ रुपये होगी। इनके अतिरिक्त केंद्र सरकार अपने बजट का एक बड़ा हिस्सा टैक्स प्रशासन, जीएसटी क्षतिपूर्ति और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को हस्तांतरण पर भी खर्च करती है। बजट में वित्तीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.9 प्रतिशत अनुमानित है। इसमें उधार को छोड़कर सरकार को कुल 32.07 लाख करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। भारत सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के 4.5 प्रतिशत से नीचे लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। राजकोषीय घाटा सरकार की आय और व्यय के बीच का अंतर होता है। जो यह संकेत करता है कि सरकार को संबंधित वित्त वर्ष में कितना ऋण लेने की आवश्यकता होगी।

युवा रोज़गार पर प्रावधान

बजट में युवाओं को रोज़गार और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। वित्तमंत्री की घोषणानुसार आगामी पाँच वर्षों के दौरान एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत काम दिया जाएगा। ताकि जरूरतमंद युवा रोज़गार प्राप्त करने के लिये सक्षम बन सकें। इनको 5,000 रुपये प्रतिमाह इंटर्नशिप भत्ता दिया जाएगा। इस योजना के लिए 500 कम्पनियों को चिन्हित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सरकार ने विनिर्माण के क्षेत्र में रोज़गार सृजित करने की योजना पर काम करने की घोषणा की है। युवाओं को रोज़गार के नये अवसर सृजित करने के प्रावधानों के अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्र में भी रोज़गार सृजित करने के प्रावधान इस बजट में किये गये हैं। ताकि रोज़गार की तलाश में गांव से नगरों की ओर होने वाली दौड़ कुछ थम सके और गांव के जरूरतमंदों को गांव में ही रोज़गार मिल सके। इसके लिये ग्रामीण विकास की मद पर 2.66 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को बढ़ावा देने के लिये मुद्रा लोन योजना में ऋण राशि की सीमा को 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये की गई है। यह सुविधा उन व्यवसाइयों को प्राप्त होगी जिन्होंने पूर्व में लिए गए 10 लाख रुपये के ऋण को समय पर अदा किया है। इस बजट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए भी ऋण की सीमा को बढ़ाया गया है। इससे एक ओर लघु एवं मध्यम उद्योगों का विस्तार होगा जिसमें रोज़गार के नये अवसर सृजित होंगे और दूसरा कर्मशील युवा अपनी यूनिट डालने के लिये भी प्रेरित होंगे।

तीन लाख तक वेतन पर आयकर नहीं : प्रक्रिया भी सरल

वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने आयकर अधिनियम 1961 की समीक्षा और सरलीकरण करने की घोषणा की। उन्होंने नई कर व्यवस्था के अंतर्गत मानक कटौती को पचास हजार रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये करने और तीन लाख वेतन पर कोई टैक्स नहीं लगने, ई-कॉमर्स ऑपरेटरों पर टीडीएस की दर 1 प्रतिशत से घटाकर 0.1 प्रतिशत करने की घोषणा की। 7 से 10 लाख की आय पर 10 प्रतिशत, 10 से 12 लाख की आय पर 15 प्रतिशत और 15 लाख से अधिक की आय पर 30 प्रतिशत टैक्स का प्रस्ताव किया। इससे इन कर्मचारियों को प्रतिवर्ष 17,500 रुपये का लाभ होगा।

बजट में कुछ अन्य जन हितैषी घोषणाएं

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में मोबाइल फोन, मोबाइल चार्जर, सोना, चांदी और अन्य पर मूल सीमा शुल्क में कटौती करने की घोषणा की। इससे घरेलू मोबाइल फोन उद्योग में प्रतिस्पर्धा बढ़ने और निवेश बढ़ने की संभावना है। इससे निर्माताओं की उत्पादन क्षमता और लाभ मार्जिन में सुधार होगा। वित्तमंत्री ने इस बजट में सोने और चांदी पर सीमा शुल्क घटाकर 6 प्रतिशत और प्लैटिनम पर 6.4 प्रतिशत करने की घोषणा की। इससे सोने और चांदी के आभूषण सस्ते होंगे। यह घोषणा महिलाओं के हित में मानी जा रही है। चूँकि आभूषण के प्रति आकर्षण महिलाओं में अधिक होता है। वित्तमंत्री ने कैंसर के इलाज की तीन दवाओं को मूल सीमा शुल्क से छूट देने, फेरोनिकेल, ब्लिस्टर कॉपर पर मूल सीमा शुल्क हटाने की भी घोषणा की। जबकि विशिष्ट दूरसंचार उपकरणों पर शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किया है। वित्त मंत्री ने लीथियम सहित 25 महत्वपूर्ण खनिजों के लिए आयात शुल्क छूट की भी घोषणा की। लीथियम इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी बनाने में उपयोग होता है। इस पर आयात शुल्क घटने से विद्युतीय वाहन निर्माण की गति तेज होगी। बजट में अमोनियम नाइट्रेट पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 10 प्रतिशत और गैर-बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक पर 25 प्रतिशत करने की घोषणा की गई। बजट में धार्मिक पर्यटन को देश में बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री विष्णुपाद मंदिर कॉरिडोर, गया, बिहार एवं श्री महाबोधि मंदिर कॉरिडोर बोधगया, बिहार को विकसित किए जाने की घोषणा की। इसे काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार देश में अन्य मंदिरों को भी विकसित किया जा रहा है।

रमेश शर्मा

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER R.V.S. KRISHI VISHWA VIDYALAYA, GWALIOR

No./ IPRO/E.E./Tender/2024/Gwalior/1309 Dated:- 16/07/2024

E-Tender Notice

Online E-tenders are invited by R.V.S.K.V.V., Gwalior form 'A' from the **Registered Contractor in M.P.P.W.D. / C.P.W.D. /M.E.S.** Deptt. For the following works through the E-Tendering online ***https://www.mptenders.gov.in*** only.

S. No.	Particular of Item	Estimate Cost in (Lakh)	E.M.D. Amounts Rs.	Cost of Tender Form+ Portal Charge	Class of Contractor \C & Above	S.O.R. Applicable with all amended upto date of NIT/Non SOR	Time Allowed (Including Rainy Season)	Remark
1.	Const. of Threshing Floor and Implement shed at KVK Patan (Mandsaur)	6.00	12000.00	2000/-	.....do.....	SOR Applicable with all amended upto date of NIT	06 Months	IInd Call
2.	Const. of Seed Godown at KVK Neemuch	7.00	14000.00	2000/-	.....do.....	.....do.....	06 Months	IInd Call

1. **Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in up to 09/08/2024 up to 17:30.**
2. **The Bid Documents can be purchased only online from 18.07.2024 to 09.08.2024 up to 17:30 & Bid Submission online end date 09.08.2024 Up to 17:30.**
3. **Mandatory Documents open date 12.08.2024 at Time 12:30 PM, Financial Bid open date 14.08.2024 at Time 12:30 PM or next working Days.**
4. **Amendments of NIT, if any, would be published on website only, & not in News paper.**

The R.V.S.K.V.V., reserves the right to reject any or all tenders without assigning any reasons thereof, University will not responsible for any delay.

Note:- "The person(s)/firms would not be entitled to participate in the tender process if in past there is any dispute/litigation/involvement (civil/criminal) is pending/initiated with the administration or within the premises of the university/college.

Special Note:-

1) **Items left (if any) in the NIT and is essential to complete the work must incorporated by the contractor with MP PWD (Electrical/Civil) SOR w.e.f. form 01 January 2024 rates/)as percentage Below or Above.**
2) **Rate are applicable as per Amendments by MP PWD Building, Road, Electrical With Reference to GST.**

ATUL

Executive Engineer
RVSKVV, GWALIOR

R-49851/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 1192 (PM-JANMAN) (Batch-I, Year-2024-25)

No. 8931/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 22.07.2024

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below;

- **Name of Work :** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable :** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs.)
1	Anuppur	6	10	30.50	189342800.00
2	Ashoknagar	1	1	2.92	23087164.00
3	Dindori	5	11	28.98	206075279.00
4	Gwalior	1	1	2.00	13049877.00
5	Narsinghpur	2	2	41.6	448167100.00
6	Shivpuri	2	3	9.08	52116000.00
7	Shahdol	5	11	29.36	183633125.00
8	Sidhi	1	1	35.85	199430000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of Submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **25.07.2024 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **16.08.2024 (17:00 hrs)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/115480/2024 R-49852/2024 **(TENDER)**

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

कार्यालय नगरपालिक निगम, देवास (म.प्र.)

वि.क्रमांक 4382/स्था./न.पा.नि./2024 देवास, दिनांक : 22.07.2024

दिव्यांगजनों के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु विज्ञापन

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की रिट याचिका क्रमांक 7275/2019 में पारित आदेश दिनांक 30.01.2024 म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-19/2019/आ.प्र./1 दिनांक 14.02.2024, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पत्र क्रमांक/676/16017123/2023/18-1 दिनांक 16.02.2023 संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र. भापाल के पत्र क्रमांक/स्था. एक/201/प्र.शि./2024/3780 भोपाल दिनांक 26.02.2024 तथा मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, के पत्र क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं अन्य पत्रों में दिये गये निर्देशानुसार विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए पद का नाम **सहायक ग्रेड-3/सहायक राजस्व निरीक्षक/उप स्वच्छता पर्यवेक्षक जमादार/भृत्य/सफाई संरक्षक** के आरक्षित पद/पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। इस हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखने वाले अभ्यार्थी नीचे दर्शाये गये निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भरकर दिनांक 05.08.2024 कार्यालयीन समय 5:30 सायंकाल तक आवेदन-पत्र प्रेषित करें। निर्धारित समयावधि में आवेदन पत्र प्राप्त न होने की स्थिति में उन पर विचार नहीं किया जायेगा। डाक के माध्यम से विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र के लिए निकाय/कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। दिव्याजनों हेतु आरक्षित रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान निर्धारित योग्यता एव वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए निर्धारित तिथि की जानकारी निम्नानुसार है :-

स. क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित योग्यता	वॉक-इन-इंटरव्यू हेतु निर्धारित तिथि
				दृष्टिबाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्विक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता		
1.	सहायक ग्रेड-3	तृतीय	19500-62000 लेवल-4	1	1	-	-	12वीं कक्षा उत्तीर्ण हायर सेकेण्डरी (10+2) तथा टंकण कार्य एवं कम्प्यूटर प्रचालन में सामान्य प्रशासन द्वारा निर्धारित योग्यता म.प्र. समान्य प्रशासन विभाग द्वारा सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण प्रमाण-पत्र	08.08.2024
2	सहायक राजस्व निरीक्षक	तृतीय	19500-62000 लेवल-4	-	1	1	-	हायर सेकेण्डरी (10+2) तथा कम्प्यूटर प्रचालन की दक्षता	08.08.2024
3	उप स्वचछता पर्यवेक्षक जमादार	तृतीय	19500-62000 लेवल-4	-	1	-	-	12वीं उत्तीर्ण	08.08.2024
4	भृत्य	चतुर्थ	15500-49000 लेवल-1	-	-	1	-	10वीं उत्तीर्ण	08.08.2024
5	सफाई संरक्षक	चतुर्थ	15500-49000 लेवल-1	3	3	3	2	5वीं उत्तीर्ण	08.08.2024

मुख्य शर्तें :- 1. आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है। 2. समस्त प्रमाण-पत्रों को सक्षम अधिकारी अथवा स्वयं सत्यापित करने के उपरांत प्रमाण पत्रों की प्रति संलग्न प्रेषित की जावे। 3. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार अध्यार्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग-अनु.जा., अनु. जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, शासकीय/निगम/मण्डल/स्वाशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/नि:शक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए 18 से 45 (अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट) होगी। 4. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक सी-3-8/2016/3-एक भोपाल दिनांक 12 मई 2017 एवं परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 के अनुसार आवेदक का मध्यप्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है। 5. आवेदक को वॉक-इन-इंटरव्यू/साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य है। 6. दिव्यांगता के डिजिटल प्रमाण की अनिवार्यता दिनांक 01.06.2021 से लागू की गई है। अत: उक्त तिथि के पूर्व जारी मैन्यूअल दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी मान्य होगा। 7. डिजिटल जाति मूल निवासी प्रमाण-पत्र/जाति प्रमाण-पत्र एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया ही मान्य होगा। 8. वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा। 9. अधूरे, अस्पष्ट एवं अपठनीय आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। 10. भर्ती से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन समय में निगम/निकाय से प्राप्त की जा सकती हैं। 11. यह कि जिस आवेदक का विवाह निर्धारित न्यूनतम आयु (पुरुष वर्ग के लिए 21 वर्ष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष) के पूर्व हो गया हो उसे उक्त पदों के लिए अयोग्य माना जायेगा। 12. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी कि वह आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तो को आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि को पूर्ण करता है। 13. आवेदन-पत्र में कोई जानकारी अपूर्ण, असत्य या त्रुटिपूर्ण पायी जाती है अथवा वांछित प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किया जाता है, तो उसका आवेदन पत्र किसी भी स्तर पर निरस्त किया जा सकता है। 14. सीधी/बैकलॉग के पदों पर आवेदक राष्ट्रीय पेंशन योजना, 2005 अंतर्गत नियुक्ति होंगे। 15. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र दिनांक 30.06.2014 के अनुसार वर्गवार आरक्षण न करते हुए दिव्यांगजनों की श्रेणी के आधार पर आरक्षण किये जाने से विशेष पिछडी जनजातियों (सहरिता/सहरिया, भारिया एवं बैगा) महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के आवेदकों को पृथक से आरक्षण का लाभ प्राप्त नहीं होगा। 16. ऐसे समस्त आवेदन पत्र जो अपूर्ण है एवं विहित प्रारूप में नहीं है वे निरस्त कर दिये जायेंगे। अभिलेखों को कूटरचित किया हो या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किये गये हो जो रूपान्तरित किये गये हो वे भी निरस्त कर दिए जाएंगे। साथ ही ऐसे विवरण दिये गए हो, जिसमें ऐसी तात्विक जानकारी छिपाई गई हो, जो चयन के लिए आवश्यक हो, तो ऐसे आवेदन पत्र भी निरस्त कर दिए जाएंगे। 17. दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का उनके लिये जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड से मेडिकल परीक्षण कराकर यह सुनिश्चित होने के पश्चात ही कि वे वास्तव में विकलांग हैं यह जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित किये जाने के उपरांत ही नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे। 18. यह कि दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के नि:शक्तता का प्रतिशत 40 प्रतिशत या अधिक पाए जाने पर ही कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा। 19. शासन के आदेश के अनुसार, कोई भी अभ्यार्थी जिसके 02 से अधिक जीवत सन्तानें है, जिसमे से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात् हुआ है तो ऐसा अभ्यार्थी नियुक्त हेतु पात्र नहीं होगा, लेकिन यदि एक बच्चा जीवित है और बाद के प्रसव में दो या अधिक सन्ताने जन्म लेती है तो उसे अयोग्य नही माना जावेगा। 20. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी, 3-13/2019/3/एक भोपाल, दिनांक 12 दिसंबर 2019 के अनुसार सीधी भर्ती के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर चयन होने पर अभ्यार्थी 03 वर्ष की परीवीक्षा अवधि पर नियुक्त होगा। परीवीक्षा अवधि में अभ्यार्थी को प्रथम वर्ष 70 प्रतिशत, द्वितीय वर्ष 80 प्रतिशत एवं तृतीय वर्ष 90 प्रतिशत राशि स्टायपेण्ड के रूप में दी जायेगी। 21. दिव्यजनों हेतु चिन्हांकित संविदा के पदों पर भर्ती संबंधी कार्यवाही मध्यप्रदेश नगर पालिका संविदा (अनुबंध तथा सेवा की शर्तें) सेवा, नियम 2021 में विहित प्रावधानुसार की जावेंगी। 22. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार नियुक्ति प्राधिकारी के पास सुरक्षित होंगे।

आयुक्त, नगरपालिक निगम देवास

आवेदन का प्रारूप

प्रति, कार्यालय का नाम/पूरा पता/टेलीफोन नं.

स्व-प्रमाणित पासपोर्ट साईज का फोटो चस्पा करें

1. आवेदक/आवेदिका का पूरा नाम .....
2. आवेदक/आवेदिका के पिता/पति का नाम .....
3. आवेदक/आवेदिका की माता का नाम .....
4. आवेदक/आवेदिका की जन्म तिथि (जन्म प्रमाण पत्र/ हाई स्कूल की अंकसूची अनुसार) वर्ष ..... माह ..... दिन .....
5. दिनांक ..... को आयु वर्ष ..... माह ..... दिन .....
6. आवेदक/आवेदिका का लिंग (पुरुष/महिला/अन्य) .....
7. नि:शक्तता का डिजिटल प्रमाण पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी (हां/नहीं) .....
8. दिव्यांगता की श्रेणी एवं दिव्यांगता का प्रतिशत .....
9. आवेदक/आवेदिका की जाति .....
10. आवेदक/आवेदिका का यदि विवाहित हो तो विवाह के प्रमाण-पत्र अनुसार विवाह की दिनांक .....
11. जीवित संतानों का विवरण .....
12. वर्तमान पता/पिन कोड .....
13. स्थाई पता/पिन कोड .....
14. पत्राचार का पता/पिन कोड .....
15. रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन क्रमांक एवं रोजगार कार्यालय का नाम .....
16. संविदा पद हेतु अनुभव का विवरण .....
17. शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यताएं (प्रमाण-पत्रों की स्व-प्रमाणित छायाप्रतियां संलग्न करें)

क्र.	परीक्षा का नाम	संस्था बोर्ड/ विश्वविद्यालय का नाम	विषय	कुल अंक	प्राप्त अंक	प्रतिशत	श्रेणी

18. अनुभव यदि हो तो उसका विवरण .....
19. अतिरिक्त विशेष योग्यता यदि हो तो उसका विवरण .....
20. ई-मेल आई.डी. .....
21. मोबाइल नम्बर 1. ..... 2. .....

आवेदक के हस्ताक्षर एवं पूरा पता

घोषणा पत्र

''मैं घोषणा करता हूं/करती हूं कि उपरोक्त सभी जानकारी जो मेरे द्वारा दी गई है। यह मेरे विवेक एवं ज्ञान से पूर्णतः सत्य है। कोई भी जानकारी असत्य पाई जाने पर मेरा आवेदन निरस्त किया जावे।''

म.प्र. माध्यम/115513/2024 R-49857/2024 **आवेदक के हस्ताक्षर**

मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण

कार्यालय परियोजना महाप्रबंधक, परियोजना क्रियान्वयन इकाई-1
सिवनी, जिला सिवनी (म.प्र.)
दूरभाष : 07692-225293, E-mail : gmrrdaseoni@rediffmail.com
पत्र क्र. 683/स्था./मप्रग्रासविप्रा/2024 सिवनी, दिनांक : 22.07.2024

संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञप्ति

कार्यालय महाप्रबंधक, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई क्रमांक-1, सिवनी एवं इकाई क्र.-2, सिवनी के कार्यालयों में निम्न पद हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

स.क्र.	पद नाम	पद संख्या	नियुक्ति हेतु आवश्यक पात्रता
1.	सहायक ग्रेड-2	02 (परिवर्तन-शील)	राज्य शासन या राज्य शासन के निगम, मण्डल, बोर्ड के अधीन किसी निर्माण कार्य विभाग से सहायक वर्ग दो से अथवा संवर्ग के उच्च पद से सेवानिवृत्त कर्मचारी जिनकी आयु 30.06.2024 को 63 वर्ष से अधिक न हो एवं उम्मीदवार शारीरिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना चाहिये।

शर्तें :-

1. सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों की सेवानिवृति के समय प्राप्त वेतन (ग्रेड-पे सहित) एवं देय महंगाई भत्ते में से पेंशन एवं उस पर देय राहत राशि कम कर निश्चित एकजाई वेतन प्रतिमाह देय होगा।
2. संविदा नियुक्ति की अवधि 01 वर्ष होगी एवं आवश्यकतानुसार संविदा नियुक्ति बढ़ाई जा सकेगी।
3. निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
4. वांछित योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जावेगा।
5. परियोजना क्रियान्वयन इकाई-1, सिवनी कार्यालय को कोई भी/सभी आवेदन पत्रों को अमान्य करने का अधिकार होगा।

इच्छुक आवेदक/उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र जिसमें उम्मीदवार का नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि, योग्यता, जाति, अनुभव प्रमाण पत्र, पत्र व्यवहार का पता, मोबाइल नम्बर इत्यादि की जानकारी सहित आवश्यक प्रमाण पत्र (शासकीय विभाग में कार्यरत कर्मचारी अपने विभाग की सहमति अनुशंसा) के साथ **अंतिम तिथि 02.08.2024 तक** कार्यालयीन समय में **कार्यालय महाप्रबंधक, म.प्र. ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, परियोजना क्रियान्वयन इकाई-1, शास्त्री वार्ड, बबरिया रोड, गेहलोद भवन के सामने, बारापत्थर सिवनी (म.प्र.) पर** प्रेषित किये जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115491/2024 R-49853/2024 **महाप्रबंधक**

कार्यालय नगरपालिक निगम, भोपाल सामान्य प्रशासन विभाग

विज्ञापन

क्रमांक 308/सा.प्र.वि./2024 **भोपाल, दिनांक : 24.07.2024**

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की याचिका W.P. No. क्रमांक 7275/2019 में पारित आदेश दिनांक 30.01.2024 म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-19/2019/आ.प्र./1 दिनांक 14.02.2024, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पत्र क्रमांक/676/16017123/2023/18-1 दिनांक 16.02.2023 संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र. भापाल के पत्र क्रमांक/स्था. एक/201/प्र.शि./2024/3780 भोपाल दिनांक 26.02.2024 तथा मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, के पत्र क्रमांक एफ 8-2/2013/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, भोपाल के पत्र क्रमांक/2461/1607123/2023/18-1 भोपाल दिनांक 15 जुलाई, 2024 तथा अन्य पत्रों में दिये गये निर्देशानुसार विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिए निम्नानुसार नियमित एवं संविदा के आरक्षित पद/पदों की पूर्ति वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से की जाना है। इस हेतु निर्धारित योग्यता एवं अर्हता रखने वाले अभ्यार्थी नीचे दर्शाये गये निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भरकर दिनांक 13.08.2024 तक कार्यालयीन समय प्रात: 10.00 से 6:00 सायंकाल तक आवेदन-पत्र प्रेषित करें। निर्धारित समयावधि में आवेदन पत्र प्राप्त न होने की स्थिति में उन पर विचार नहीं किया जायेगा। डाक के माध्यम से विलंब से प्राप्त आवेदन पत्र के लिए निकाय/कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। दिव्याजनों हेतु आरक्षित रिक्त पदों का विवरण, वेतनमान निर्धारित योग्यता की जानकारी निम्नानुसार है :-

क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित योग्यता
				दृष्टिबाधित और कम दृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमोटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है, सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित, मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता	
1.	शीघ्रलेखक वर्ग-03	तृतीय श्रेणी	28700-91300 (लेवल-7)	00	00	01	00	12वीं कक्षा उत्तीर्ण मान्यता प्राप्त संस्थान से आशुलिपि परीक्षा उत्तीर्ण व कम्प्यूटर प्रचालन में सा.प्र.वि. म.प्र. शासन द्वारा निर्धारित योग्यता।
2	लीडिंग फायरमेन	तृतीय श्रेणी	28700-91300 (लेवल-7)	00	01	00	00	12वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा अग्निशमन में पत्रोपाधि।
3	फायरमेन	तृतीय श्रेणी	22100-70000 (लेवल-5)	00	00	01	01	12वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा मान्यता प्राप्त संस्थान से अग्निशमन डिप्लोमा कोर्स या समतुल्य।
4	उपयंत्री (सिविल)	तृतीय श्रेणी	32800-103600 (लेवल-8)	00	01	01	01	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में 03 वर्षीय डिप्लोमा।
5	समयपाल	तृतीय श्रेणी	19500-62000 (लेवल-4)	00	00	01	01	12वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा सिविल इंजीनियरिंग ट्रेड में आई.टी.आई.।
6	सहायक राजस्व निरीक्षा	तृतीय श्रेणी	19500-62000 (लेवल-4)	01	02	02	01	12वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा कम्प्यूटर प्रचालन की दक्षता
7	उपस्वच्छता पर्यवेक्षक	तृतीय श्रेणी	19500-62000 (लेवल-4)	01	01	02	02	12वीं कक्षा उत्तीर्ण।
8	सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी	तृतीय श्रेणी	32800-103600 (लेवल-8)	00	01	00	00	मान्यता प्राप्त संस्थान से नगर नियोजन में उपाधि।
9	माली (प्रशिक्षित)	तृतीय श्रेणी	19500-62000 (लेवल-4)	00	01	00	01	8वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण अथवा 05 वर्ष का अनुभव।
10	इलेक्ट्रिशियन	तृतीय श्रेणी	19500-62000 (लेवल-4)	00	01	00	00	संबंधित व्यवसाय में आईटीआई उत्तीर्ण अथवा म.प्र. अनुज्ञापन मंडल (विद्युत) से उपयुक्त परीक्षा उत्तीर्ण।
11	लीडिंग फायरमेन (संविदा)	संविदा	वेतन कलेक्टर दर अनुसार	00	00	01	01	12वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा अग्निशमन में पत्रोपाधि।
12	फायरमेन (संविदा)	संविदा	वेतन कलेक्टर दर अनुसार	01	01	01	01	12वीं कक्षा उत्तीर्ण तथा मान्यता प्राप्त संस्थान से अग्निशमन डिप्लोमा कोर्स या समतुल्य।
13	सफाई संरक्षक (संविदा)	संविदा	वेतन कलेक्टर दर अनुसार	35	36	36	36	5वीं कक्षा उत्तीर्ण।
कुल योग (174)				**38**	**45**	**46**	**45**	

मुख्य शर्तें :-

1. आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना अनिवार्य है।
2. समस्त प्रमाण-पत्रों को सक्षम अधिकारी अथवा स्वयं सत्यापित करने के उपरांत प्रमाण पत्रों की प्रति संलग्न प्रेषित की जावे।
3. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 अनुसार अभ्यार्थी की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष, आरक्षित वर्ग-अनु.जा., अनु. जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, शासकीय/निगम/मण्डल/स्वाशासी संस्था के कर्मचारियों/नगर सैनिक/दिव्यांगजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) आदि के लिए 18 से 45 (अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट) होगी।
4. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश क्रमांक सी-3-8/2016/3-एक भोपाल दिनांक 12 मई 2017 एवं परिपत्र क्रमांक सी 3-38/16/1/3 भोपाल, दिनांक 04 जुलाई 2019 के अनुसार आवेदक का मध्यप्रदेश राज्य के रोज़गार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है।
5. आवेदक को वॉक-इन-इंटरव्यू/साक्षात्कार के समय सभी प्रमाण पत्रों की मूल प्रति साथ लाना अनिवार्य है।
6. दिव्यांगता के डिजिटल प्रमाण पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी किया गया ही मान्य होगा।
7. डिजिटल जाति मूल निवासी प्रमाण-पत्र/जाति प्रमाण-पत्र एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किया ही मान्य होगा।
8. वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आने वाले आवेदकों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
9. अधूरे, अस्पष्ट एवं अपठनीय आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
10. भर्ती से संबंधित जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन समय में निगम/निकाय से प्राप्त की जा सकती हैं।
11. यह कि जिस आवेदक का विवाह निर्धारित न्यूनतम आयु (पुरुष वर्ग के लिए 21 वर्ष एवं महिला वर्ग के लिए 18 वर्ष) के पूर्व हो गया हो उसे उक्त पदों के लिए अयोग्य माना जायेगा।
12. यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं आवेदक की होगी कि वह आवेदित पद के लिये निर्धारित समस्त अर्हताओं और शर्तों को आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि को पूर्ण करता है।
13. आवेदन-पत्र में कोई जानकारी अपूर्ण, असत्य या त्रुटिपूर्ण पायी जाती है अथवा वांछित प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किया जाता है, तो उसके आधार पर आवेदक को पूर्व सूचना दिये बिना उसका आवेदन पत्र किसी भी स्तर पर निरस्त किया जा सकता है।
14. सीधी/बैकलॉग के पदों पर आवेदक राष्ट्रीय पेंशन योजना, 2005 अंतर्गत नियुक्ति होंगे।
15. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र दिनांक 30.06.2014 के अनुसार वर्गवार आरक्षण न करते हुए दिव्यांगजानों की श्रेणी के आधार पर आरक्षण किये जाने से विशेष पिछड़ी जनजातियों (सहारिया/सहरिया, भारिया एवं बैगा) महिलाओं एवं भूतपूर्व सैनिक श्रेणी के आवेदकों को पृथक से आरक्षण का लाभ प्राप्त नहीं होगा।
16. ऐसे समस्त आवेदन पत्र जो अपूर्ण हैं एवं विहित प्रारूप में नहीं है वे निरस्त कर दिये जायेंगे। अभिलेखों को कूटरचित किया हो या ऐसे अभिलेख प्रस्तुत किये गये हो जो रूपान्तरित किये गये हो वे भी निरस्त कर दिए जाएंगे। साथ ही ऐसे विवरण दिये गए हों, जिसमें ऐसी तात्विक जानकारी छिपाई गई हो, जो चयन के लिए आवश्यक हो, तो ऐसे आवेदन पत्र भी निरस्त कर दिए जाएंगे।
17. दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों का उनके लिये जिला स्तर पर गठित मेडिकल बोर्ड से मेडिकल परीक्षण कराकर यह सूनिश्चित होने के पश्चात ही कि वे वास्तव में विकलांग हैं यह जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रमाणित किये जाने के उपरांत ही नियुक्ति आदेश जारी किये जायेंगे।
18. यह कि दिव्यांगजनों के लिए आरक्षित पदों के विरुद्ध चयनित होने वाले अभ्यर्थियों के दिव्यांगता का प्रतिशत 40 प्रतिशत या अधिक पाए जाने पर ही कार्यभार ग्रहण कराया जाएगा।
19. शासन के आदेश के अनुसार, कोई भी अभ्यार्थी जिसके 02 से अधिक जीवत सन्तानें हैं, जिसमें से एक का जन्म 26 जनवरी 2001 को या उसके पश्चात् हुआ है तो ऐसा अभ्यार्थी नियुक्त हेतु पात्र नहीं होगा, लेकिन यदि एक बच्चा जीवित है और बाद के प्रसव में दो या अधिक सन्तानें जन्म लेती हैं तो उसे अयोग्य नहीं माना जावेगा।
20. मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी, 3-13/2019/3/एक भोपाल, दिनांक 12 दिसंबर 2019 के अनुसार सीधी भर्ती के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर चयन होने पर अभ्यार्थी 03 वर्ष की परीवीक्षा अवधि पर नियुक्त होगा। परीवीक्षा अवधि में अभ्यार्थी को प्रथम वर्ष 70 प्रतिशत, द्वितीय वर्ष 80 प्रतिशत एवं तृतीय वर्ष 90 प्रतिशत राशि स्टायपेंड के रूप में दी जायेगी।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

MADHYA PRADESH STATE ELECTRONICS DEVELOPMENT CORPORATION (MPSeDC)

(Under Department of Science & Technology, Government of Madhya Pradesh)
47-A, Arera Hills, Bhopal-462011 (M.P.)

Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation (MPSeDC) is an organization under the Department of Science & Technology, established to propel the growth of Information Technology in the state of Madhya Pradesh. In this pursuit, MPSeDC is hiring the following IT professionals for its projects in Bhopal.

OPPORTUNITY FOR IT PROFESSIONALS IN M.P.

S. No.	Position Name	No. of Vacancies	Upper CTC Limit (in INR Per Annum)
1.	Technical Project Manager	01	Upto 36 lakhs
2.	Manager Remote Sensing	01	Upto 15 lakhs
3.	GIS DBA	01	Upto 17 lakhs
4.	Project Manager COE	01	Upto 30 lakhs
5.	Senior Consultant IT Events	01	Upto 30 lakhs

S. No.	Position Name	No. of Vacancies	Monthly CTC
1.	Evaluation Coordinator	01	Rs. 48000 per Month

General Terms :-

1. Interested candidates can apply for the positions by visiting MPSEDC's website. **Website : https://mpsedc.mp.gov.in -> About Us -> Vacancy.**
2. Please read the instructions carefully on MPSeDC's website before applying for the positions.
3. The persons will be engaged for a contractual period of upto 2 years which is extendable based upon performance.
4. Applications will be entertained only through online application system. No hard copy of CVs will be accepted.
5. Last date to apply is 07.08.2024.

M.P. Madhyam/115514/2024 R-49858/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No. 9155/22/D-12/SQC/MPRRDA/2024 **Bhopal, Dated : 23.07.2024**

NOTICE INVITING TENDER FOR SQC CONSULTANCY (E-Procurement Notice)

Online bids are invited from the consultants fulfilling the required qualification criteria for Supervision and Quality Control Consultancy of Rural Roads being constructed under PMGSY & Other Works for the following districts.

- **No. of Packages - 18**
  Name of Districts/PIU-Jabalpur-1 & 2, Ashoknagar-1 & 2, Burhanpur, Chhatarpur, Guna-2, Gwalior, Harda, Indore, Khandwa, katni, Panna-1, Raisen-1&2, Shajapur, Ujjain-1&2, Umaria, Vidisha & Waidhan.
- **Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/ Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.**

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from 17:30 hrs. on **25.07.2024.**
2. Last date of Submission of bid is date **20.08.2024 upto 15.00 hrs.**
   Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, Tender document for SQC of Roads and Bridge works August, 2020 (Updated upto 28.06.2021) on our Website **http://mptenders.gov.in.**

M.P. Madhyam/115507/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-49856/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mobile No. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्रपुआअविनि/470/पयं/भोपाल-02/तशा/24 भोपाल, दिनांक 23.07.24

प्रेस विज्ञप्ति

मोतीलाल नेहरू स्टेडियम का उन्नयन एवं शहीद स्मारक का निर्माण कार्य लाल परेड ग्राउंड भोपाल के निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक-04/2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक - MPPHCL/TENDER No. 2024_MPPHC_359240_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 05.08.2024 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115517/2024 R-49859/2024 **परियोजना यंत्री**

(पिछले पृष्ठ का शेष)

21. दिव्यांगजनों हेतु चिन्हांकित संविदा के पदों पर भर्ती संबंधी कार्यवाही मध्यप्रदेश नगर पालिका संविदा (अनुबंध तथा सेवा की शर्तें) सेवा, नियम 2021 में विहित प्रावधानानुसार की जावेंगी।
22. नियुक्ति के लिए तैयार मेरिट सूची अनुसार आवेदक को वॉक-इन-इन्टरव्यू हेतु पृथक से सूचना दी जावेगी।
23. विज्ञप्ति एवं आवेदन का प्रारूप साप्ताहिक रोज़गार और निर्माण, भोपाल के आगामी संस्करण में प्रकाशित किया गया है मुख्य समाचार-पत्रों एवं नगर पालिक निगम, भोपाल की वेबसाइड **www.bmconline.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।
24. नियुक्ति से संबंधित सभी अधिकार नियुक्ति प्राधिकारी (आयुक्त, नगर पालिक निगम, भोपाल) के पास सुरक्षित होंगे।

अपर आयुक्त, नगर पालिक निगम, भोपाल

विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत दिव्यांगजन आवेदकों के लिए आवेदन-पत्र का प्रारूप

स्व-प्रमाणित पासपोर्ट साईज का फोटो चस्पा करें

प्रति,

आयुक्त, नगरपालिक निगम, भोपाल

..... पद के लिये आवेदन पत्र (आवेदित पद का नाम)

1	आवेदक/आवेदिका का नाम (हिन्दी में)	
2	लिंग-पुरुष/महिला	
3	पिता/पति का नाम	
4	(अ) वर्तमान निवास का पता (हिन्दी में पिन कोड/मोबाइल नंबर/ई-मेल सहित)	
	(ब) स्थाई निवास का पूर्ण पता	
5	(अ) जन्मतिथि (अंकों में)	
	(आठवीं/हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी प्रमाण-पत्र के आधार पर स्व-प्रमाणित प्रति संलग्न करें)	
	जन्म तिथि (शब्दों में)	
	(ब) दिनांक 01.01.2024 की स्थिति में आयु	
6	क्या आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी है? हां या नहीं (यदि हां तो प्रमाण-पत्र की छायाप्रति संलग्न करें)	
7	जन्म स्थान (ग्राम/शहर का नाम लिखें) (जिले का नाम लिखें) (राज्य का नाम लिखें)	
8	क्या आवेदक मध्यप्रदेश शासन द्वारा मध्यप्रदेश के लिये घोषित एवं मान्य अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग का सदस्य है, यदि हां तो जाति/उपजाति का उल्लेख करें। (सक्षम प्राधिकारी द्वारा वैध स्थायी जाति प्रमाण-पत्र की स्व-प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करें। अस्थाई जाति प्रमाण-पत्र मान्य नहीं होगा।	
9	दिव्यांगता का डिजिटल प्रमाण पत्र संबंधित जिले के शासकीय जिला चिकित्सालय के मेडिकल बोर्ड द्वारा (हां या नहीं)	
10	भृत्य (चतुर्थ श्रेणी) के पद के लिये दिव्यांगता की श्रेणी एवं प्रतिशत (दिव्यांगजनों की श्रेणी-दृष्टि बाधित और कम दृष्टि, बहरे और कम सुनने वाले, ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुदिव्यांगता)	
11	रोज़गार कार्यालय का नाम, पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक	
12	वैवाहिक स्थिति - (अ) क्या आप विवाहित हैं - हां/नहीं यदि हां तो विवाह प्रमाण-पत्र (ब) यदि हां तो विवाह की तिथि (स) विवाह के समय आयु (द) जीवित बच्चों की संख्या (ई) अंतिम बच्चे का जन्म दिनांक (फ) 26 जनवरी, 2001 के बाद जन्में बच्चों की संख्या	
13	शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्थाओं/कार्यालयों में कार्यरत आवेदनकर्ता अवधि का पूर्ण विवरण प्रमाण-पत्र सहित देवें।	
14	शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यताएं (प्रमाण-पत्रों की स्व-प्रमाणित छाया प्रतियां संलग्न करें)	

क्र.	उत्तीर्ण परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण होने का वर्ष	बोर्ड/विश्वविद्यालय का नाम	विषय	पूर्णांक/प्राप्तांक	प्राप्तांक का प्रतिशत
1.						
2.						
3.						
4.						
5.						

14. संलग्न स्व-प्रमाणित प्रमाण-पत्रों की कुल संख्या -
1. 2. 3. 4. 5.

स्थान ..... आवेदक/आवेदिका के हस्ताक्षर
दिनांक ..... एवं पूरा नाम

स्व घोषणा

मैं ..... पुत्र/पुत्री श्री ..... उम्र ..... वर्ष .....
मध्यप्रदेश एतद् द्वारा घोषणा करता/करती हूं कि मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त जानकारी मेरे ज्ञान व विश्वास के अनुसार सत्य है। मैंने उसमें कुछ भी छुपाया नहीं है। मुझे यह संज्ञान है कि मेरे द्वारा असत्य या भ्रामक जानकारी देने पर मेरे विरुद्ध आपराधिक/दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकती है। साथ ही मुझे प्राप्त समस्त लाभों को वापस किया जावेगा।

हस्ताक्षर

स्थान ..... **नाम .....**
दिनांक ..... **पता .....**

R-49849/2024

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mobile No. : 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्रपुआअविनि/471/पयं/भोपाल-02/तशा/24 भोपाल, दिनांक 23.07.24

प्रेस विज्ञप्ति

स्ट्रीट लाइट पोल एवं लाइट फिक्सिंग कार्य (72+240) आवास गृह पुलिस रेडियो कॉलोनी भोपाल हेतु निविदा क्रमांक-05/2024-25 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक - MPPHCL/TENDER No. 2024_MPPHC_359263_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 05.08.2024 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/115518/2024 R-49860/2024 **परियोजना यंत्री**

CRISP ISO 9001 : 2015
AICTE Recognised & RGPV Affiliated
Post Graduate Certificate Course in Artificial Intelligence and Data Science
Duration : One Year
Eligibility : BE/B.Tech-CS/IT/EC/EX & M.Sc (IT/EX)
Admission through CRISP Counseling Desk
Contact : 0755-2661401, 8319547089, 9669698990, 9820241349, 9981181567
For further details visit : www.crispindia.com
Business Promotion
R-49869/2024

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबेक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No. 9158/22/D-12/SQC-Brg./24 Bhopal, Dated : 23.07.2024

SQC CONSULTANCY OF BRIDGES (E-Procurement Notice)

Online Bids are invited through e-procurement portal **http://mptenders.gov.in** from the consultants fulfilling the required qualification criteria for Supervision and Quality Control Consultancy of Bridge works being constructed on Rural Roads for the following packages :

- **No. of Packages - 02**
- **No. of Bridges - 21**

Total Estimated Construction Cost – Rs. 37,45,94,000/-

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in from 17:30 hrs. on 25.07.2024.**
2. Last date of Submission of bid is date **20.08.2024 upto 17.30 hrs.**

Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, Tender document for SQC of Bridge works June, 2021 on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/115506/2024 R-49855/2024 **(TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./9342/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 25.07.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1194 (State Mandi Fund & District Mining Fund-BW)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :-

- **Table-1 : Name of Work : State Mandi (BW)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Agar	1	55569867.00

- **Table-2; Name of Work : DMF (BW)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Singrauli	1	24639000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from 29.07.2024 from 17:30 hrs.
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/115561/2024 **(TENDER)**

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें। R-49862/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./9347/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 25.07.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1193 (Deposit Work)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :-
Name of Work : Deposit Work (DW) (MPRRDA SSR : 01.01.2024)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Singrauli	1	141652000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **29.07.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/115560/2024 **(TENDER)**

"मेरी सड़क" एप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें। R-49861/2024

कार्यालय प्रमुख राजस्व आयुक्त, मध्यप्रदेश भोपाल
220 राजस्व भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011

दूरभाष : 0755-2559537, फैक्स : 0755-2550972, ई-मेल : Prirevcom@mp.gov.in

क्रमांक एफ-1- /स्था.1/प्र.रा.आ./2024/4209/4346 भोपाल, दिनांक : 10.06.2024

साइबर तहसील के संचालन हेतु तहसीलदारों/नायब तहसीलदारों की आवश्यकता बाबत।

राजस्व विभाग द्वारा साइबर तहसील प्रदेश के समस्त जिलों में लागू की गई है। साइबर तहसील के संचालन हेतु तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों की आवश्यकता है। साइबर तहसील भोपाल में कार्य के इच्छुक तहसीलदार/नायब तहसीलदार निम्न मापदण्ड अनुसार आवेदन कार्यालय प्रमुख राजस्व आयुक्त भोपाल एवं प्रमुख सचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं -

(1) आवेदन प्रस्तुत करने की दिनांक को आयु 50 वर्ष से कम हो।
(2) फील्ड में अनुभव 03 वर्ष का होना चाहिए।
(3) शैक्षणिक योग्यता बी.ई./बी.टेक/एम.सी.ए. होना चाहिए।

उप राजस्व
जी-13793/49844/2024 मध्यप्रदेश भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, (म.प्र.)
राज्य शिक्षा केन्द्र

पुस्तक भवन, बी-विंग, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
दूरभाष : (0755) 2768390, 91, 92, 94, 95, फैक्स : 2552363, 2760561

क्रमांक/रा.शि.के./NMMSS/2024/1539 भोपाल, दिनांक : 18.07.2024

विज्ञापन

राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति हेतु चयन परीक्षा 2024 (NMMSS)
(मध्यप्रदेश राज्य में स्थित केवल शासकीय/शासकीय अनुदान प्राप्त/स्थानीय निकायों द्वारा संचालित विद्यालयों में वर्ष 2024-25 में कक्षा 8वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए)

भारत सरकार स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, नई दिल्ली द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2008 में प्रारंभ की गई है। म.प्र. राज्य के लिए निर्धारित छात्रवृत्तियों हेतु चयन परीक्षा **दिनांक 1 दिसम्बर 2024** को आयोजित की जा रही है। चयनित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि 1000/- प्रतिमाह की दर से प्रतिवर्ष प्रति विद्यार्थी रुपये 12000/- के मान से कक्षा 9वीं से 12वीं तक छात्रवृत्ति दी जाती है। कक्षा 10वीं में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक छात्रवृत्ति निरंतर जारी रहने हेतु प्राप्त करना अनिवार्य है। कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं में पहले प्रयास यानि पहली बार में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। पूरक से पास विद्यार्थी **NMMSS** परीक्षा के लिए अपात्र रहेगा। यह छात्रवृत्ति केवल शासकीय, शासकीय अनुदान प्राप्त एवं स्थानीय निकायों के विद्यालयों में अध्ययनरत नियमित विद्यार्थियों के लिए है।

1. **पात्रता -** म.प्र. राज्य में स्थित केवल शासकीय/शासकीय अनुदान प्राप्त/स्थानीय निकायों द्वारा संचालित विद्यालयों में वर्ष 2024-25 में कक्षा 8वीं में नियमित रूप से अध्ययनरत ऐसे विद्यार्थी ही इस परीक्षा हेतु पात्र होंगे, जिन्होंने कक्षा 7 में कम से कम 55 प्रतिशत अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त करना है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 5 प्रतिशत छूट होगी। जिनके अभिभावकों की सकल वार्षिक आय 3.50 लाख (रु. तीन लाख पचास हजार मात्र) से अधिक नहीं है।
2. **पाठ्यक्रम -** इस परीक्षा हेतु कोई निर्धारित पाठ्यक्रम नहीं है। प्रश्नों का स्तर कक्षा 7वीं एवं 8वीं की परीक्षा के समान होगा।
3. **परीक्षा शुल्क -** परीक्षा के लिए कोई शुल्क देय नहीं है।
4. **परीक्षा का माध्यम -** परीक्षा का माध्यम हिन्दी अथवा अंग्रेजी होगा।
5. **आरक्षण -** म.प्र. राज्य द्वारा निर्धारित कोटा अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं निःशक्त विद्यार्थियों हेतु जिलेवार आरक्षण का प्रावधान होगा।
6. **परीक्षा एवं आवेदन हेतु महत्वपूर्ण तिथियां**

ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की प्रारंभ तिथि	25 जुलाई 2024
ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	10 अगस्त 2024
परीक्षा दिनांक व दिन	01 दिसम्बर 2024 (रविवार)
परीक्षा शुल्क	निःशुल्क

परीक्षा का समय :– प्रातः 10.45 से 12.30 तक (MAT हेतु)
दोपहर 12.30 से 2.15 तक (SAT हेतु)

परीक्षा	अवधि	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	अर्हता अंक	
				सामान्य वर्ग	अ.जा./अ.ज.जा./ निःशक्त वर्ग
मानसिक योग्यता परीक्षण (MAT)	90 मिनट	90	90	40% अर्थात 72 अंक	32% अर्थात 58 अंक
शैक्षिक योग्यता परीक्षण (SAT)	90 मिनट	90	90		

नोट - दोनों प्रश्नपत्रों के बीच विद्यार्थी को परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।

- मानसिक योग्यता के अंतर्गत कुल 90 प्रश्नों में से प्रश्न सादृश्य, संख्यात्मक, पैटर्न पर व्याख्यात्माक, वर्गीकरण, श्रृंखला, आकृति, अवबोधन, छुपी हुई आकृतियों, कोडन-विकोडन, खंड समुच्चय समस्या सुलझाने आदि पर आधारित होंगे।
- शैक्षणिक योग्यता परीक्षा के अंतर्गत कुल 90 प्रश्नों में से बहुविकल्पीय प्रश्न VII और VIII के शामिल होंगे जिसमें 35 प्रश्न विज्ञान के, 35 प्रश्न सामाजिक विज्ञान के तथा गणित विषय के 20 प्रश्न होंगे।
- छात्रों को दोनों परीक्षाओं (MAT/SAT) में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इस दोनों परीक्षाओं के लिए कुल मिलाकर न्यूनतम 40 प्रतिशत अंकों के साथ MAT और SAT में उत्तीर्ण एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए 32 प्रतिशत अंक होंगे।

7. **इस परीक्षा हेतु आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किये जायेंगे। किसी भी प्रकार मेन्युअल अथवा डाक द्वारा भेजे गये आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।**
   7.1 जाति प्रमाण पत्र एवं निःशक्तता प्रमाण पत्र की सत्यापित प्रति ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य है। अन्यथा आवेदक को सामान्य श्रेणी का माना जायेगा।
   7.2 आय प्रमाण पत्र हेतु सकल वार्षिक आय का शपथ पत्र निर्धारित प्रारूप में संलग्न करना अनिवार्य है जिसका प्रारूप नियम पुस्तिका के साथ संलग्न है।
   7.3 आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने की प्रक्रिया एवं प्रवेश पत्र की प्राप्ति की लिंक **www.rskmp.in** राज्य शिक्षा केन्द्र की वेबसाइट पर उपलब्ध है। (आवेदन पत्र आधार कार्ड के अनुसार भरा जायेगा)।
8. **पुनःपरीक्षण/पुनर्मूल्यांकन -** इस परीक्षा हेतु पुनःपरीक्षण/पुनर्मूल्यांकन का प्रावधान नहीं है।
9. **यात्रा भत्ता -** परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र तक आने-जाने के लिए किसी भी प्रकार का यात्रा भत्ता आदि नहीं दिया जाएगा।
10. **महत्वपूर्ण निर्देश -**
    10.1 परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र पहुंचे।
    10.2 परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार की किताब या कॉपी, सेल्युलर, मोबाइल फोन, केल्कुलेटर, लॉग टेबल्स, नकल पर्चा किसी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक यंत्र आदि का उपयोग पूर्णतः वर्जित है।
    10.3 सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे।
    10.4 इस परीक्षा हेतु कोई ऋणात्मक अंक नहीं है।
    10.5 उत्तरशीट परीक्षा उपरांत पर्यवेक्षक के पास अनिवार्य रूप से जमा करने होंगे।
    10.6 परीक्षा हॉल में ले जाने हेतु आवश्यक सामग्री - प्रवेश-पत्र, केवल काला नीला बॉलप्वाइंट पेन (जेल पेन का उपयोग मान्य नहीं होगा।)

संचालक
जी-13711/49840/2024 राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग ग्वालियर म.प्र.
(विकास परिसर थाटीपुर ग्वालियर)

[Phone - 0751-2232466, Email ID - eeresgwalior-mp@nic.in]

क्रमांक 1382/वाहन निविदा/ग्रा.यां.से./2024 ग्वालियर, दिनांक : 16.07.2024

वाहन किराये हेतु संक्षिप्त निविदा आमंत्रण

जिला ग्वालियर में जनपद पंचायत मुरार व घाटीगांव (बरई) तथा जनपद पंचायत डबरा व भितरवार के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के निर्माण कार्यों के निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण हेतु मनरेगा में कार्यरत सहायक यंत्रियों के लिये शासन द्वारा प्रत्येक वाहन मय चालक के निर्धारित अधिकतम रुपये 20000/- (बीस हजार रुपये) मासिक किराया अनुसार कुल दो वाहन संलग्न किये जाने की आवश्यकता है। इच्छुक वाहन मालिक प्रत्येक निविदा प्रपत्र के लिए राशि रु. 1000/- (रुपये एक हजार मात्र) जमा कर **दिनांक 24.07.2024 से 31.07.2024 तक** कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र क्रय कर सकते हैं।

उक्त प्रस्ताव के साथ अमानत राशि के रूप में रु. 5000/- (रुपये पांच हजार मात्र) की FDR कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग ग्वालियर के पक्ष में एक वर्ष की अवधि की देय हो, दिनांक 01.08.2024 समय 3.00 बजे तक जमा कर सकते है तथा निविदा उसी दिनांक 01.08.2024 को शाम 3.30 बजे निविदाकारों एवं अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जावेगी। निविदा की शेष शर्तें कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

निविदा की शर्तें यथावत रहेंगी।

क्र.	उपयोगकर्ता अधिकारी का पदनाम	वाहन का प्रकार	रिमार्क
1.	सहायक यंत्री मनरेगा जनपद पंचायत मुरार एवं घाटीगांव (बरई)	बोलेरो	15-15 दिवस
2.	सहायक यंत्री मनरेगा जनपद पंचायत डबरा एवं भितरवार	बोलेरो	15-15 दिवस

कार्यपालन यंत्री
जी-13750/49841/2024 ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग ग्वालियर

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1490
कार्यालय प्रमुख अभियंता
जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल - mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in
फोन - 0755-2553402, फैक्स - 0755-2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक - 577/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 19.07.2024**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 05.08.2024** को 17.30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1.	2024_WRD_348517	कार्यालय मुख्य अभियंता, चम्बल बेतवा कछार एवं मंडल कार्यालय, जल संसाधन विभाग, भोपाल पर कुशल व अकुशल श्रमिक उपलब्ध कराने का कार्य।	भोपाल	2.84
2.	2024_WRD_355265	आसन बैराज हेतु 06 नग चौकीदार का प्रदाय।	मुरैना	10.39
3.	2024_WRD_355479	पॉज जलाशय के आर.डी. 600 मीटर के एक्वाडक्ट का सुधार एवं पेटिंग कार्य।	धार	12.00
4.	2024_WRD_355535	मोहनपुरा बांध के डूब क्षेत्र से प्रभावित ग्रामों को मुख्य मार्ग से जोड़ने हेतु पुलियों का निर्माण कार्य।	राजगढ़	16.93
5.	2024_WRD_355539	मोहनपुर बांध से प्रभावित ग्राम संजयग्राम को मुख्य मार्ग से जोड़ने हेतु बिटूमन रोड़ का निर्माण कार्य।	राजगढ़	16.65
6.	2024_WRD_355805	कार्यालय मुख्य अभियंता कछार, जल संसाधन विभाग, ग्वालियर हेतु लेखन सामग्री प्रदाय।	श्योपुर	7.96
7.	2024_WRD_356023	वि./यॉ. एफ.ओ.एम. उपसंभाग, उज्जैन हेतु 1 नग उपयोगिता वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.03
8.	2024_WRD_356612	निश्चिंतपुर जलाशय (नहर रहित) का सर्वेक्षण कार्य।	नर्मदापुरम	0.91
9.	2024_WRD_356979	लाइट मशीनरी एवं वि./यां. उपसंभाग शाजापुर हेतु निरीक्षण वाहन किराये पर लेना।	उज्जैन	3.72
10.	2024_WRD_357255	क्लोजिंग गेट 8 नं. स्टॉप डेम दिमनी, बुधारा, मोदना, परा, स्टॉप डेम और रूपहटी, कोंथर खुर्द गोपी, सिकारा स्टॉप डेम कम कॉजवे के रखरखाव कार्य।	मुरैना	4.85
11.	2024_WRD_357257	अम्बाह शाखा नहर की आर.डी. कि.मी. 81.74 से कि.मी. 114.50 तक वितरिका 30 एल. 31 एल. 32 आर. का रखरखाव कार्य।	मुरैना	4.70
12.	2024_WRD_357261	अम्बाह शाखा नहर वितरिका 33 आर. 03 एल/33 आर एवं 07 एल/33 आर के रखरखाव कार्य।	मुरैना	4.32
			कुल योग	**88.29**

जी-13765/49842/2024 मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
कार्यालय कार्यपालन यंत्री, सागर संभाग-सागर
माधवराव सप्रे मार्ग, (मुख्य मार्ग क्रमांक-03) भोपाल (म.प्र.) 462003

नि.आ.सू. क्र.-02/2024-25/387 **भोपाल, दिनांक : 16.07.2024**

आमंत्रण निविदा सूचना

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत संभाग-सागर की ओर से जिला छतरपुर एवं टीकमगढ़ में उपस्वास्थ्य केन्द्र भवनों का सी.एच.ओ. आवास सहित निर्माण कार्य एवं अन्य कार्यों हेतु निविदा पोर्टल ऑनलाइन (निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम) 02 एवं 03 लिफाफा पद्धति से प्रपत्र ''अ'' फार्म में परसेंटेज बेसिस पर उपयुक्त श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों हेतु प्रोजेक्ट डायरेक्टर पीआईयू लोक निर्माण विभाग भोपाल द्वारा जारी भवन एवं विद्युत कार्य हेतु एसओआर दिनांक 15.09.2022 एवं 01.01.2024 एवं रोड एस.ओ.आर. (निविदा सूचना जारी होने तक किये गये समस्त संशोधनों सहित) दरों पर आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है :–

ई-निविदा अल्प आमंत्रण सूचना क्रमांक - 02/2024-25 (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आमंत्रण)

सरल क्रमांक	निविदा क्रमांक	जिला का नाम	विकासखण्ड का नाम	संस्था की संख्या	अनु. लागत राशि रु. लाख में
1.	2024_DHS_358162	छतरपुर	बडामलहरा एवं बक्स्वाहा	14	771.12
2.	2024_DHS_358163	छतरपुर	गौरिहार एवं बारिगढ़	15	826.20
3.	2024_DHS_358164	पन्ना	अजयगढ़, गुनौर एवं पन्ना	18	991.44
4.	2024_DHS_358165	छतरपुर	राजनगर	01	60.31
5.	2024_DHS_358166	छतरपुर	गौरिहार	01	60.31
6.	2024_DHS_358167	टीकमगढ़	जतारा	01	60.31
7.	2024_DHS_358168	दमोह	दमोह	01	24.61
8.	2024_DHS_358169	छतरपुर	बड़ामलहरा	01	13.32

1. कार्य से संबंधित एन.आई.टी. वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर देखी जा सकती है।
2. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 22.07.2024 प्रातः 10.30 से **दिनांक 05.08.2024 सायं 17.30 तक** क्रय किये जा सकते हैं।
3. धरोहर राशि स्टेट हेल्थ सोसायटी एन.एम.एच. भोपाल के पक्ष में देय होगी।
4. एन.आई.टी. में कोई भी संशोधन होने की स्थिति में वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर प्रकाशित किया जावेगा, समाचार पत्रों में नहीं।
5. उपरोक्त निविदा को किसी भी स्तर पर निरस्त करने के अधिकार विभाग के पास सुरक्षित है।

कार्यपालन यंत्री
जी-13789/49843/2024 **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संभाग-सागर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा

Tele. : 07577-222519, E-mail : eeresharmp@nic.in

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक - (2024-25)

क्रमांक/483/निविदा/वलेलि/2024 **दिनांक : 16.07.2024**

म.प्र. के राज्यपाल की ओर से निम्नांकित कार्य हेतु मोहरबंद निविदायें फार्म ''ए'' (Appendix 2.10) पर म.प्र. के कार्य विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्य एवं सेनेटरी कार्य हेतु ग्रामीण यांत्रिकी सेवा में दिनांक 11.04.2022 से प्रभावशील दर अनुसूची तथा निविदा विज्ञप्ति जारी होने की दिनांक तक संशोधित दर अनुसूची के आधार पर इस कार्यालय में दिनांक 02.08.2024 को अपराह्न 5.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है एवं कोरे निविदा प्रपत्र दिनांक 22.07.2024 से 01.08.2024 को समय 5.30 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय से प्राप्त की जा सकती हैं एवं निविदा खोलने का दिनांक 02.08.2024 समय 10.30 बजे रहेगा।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. जिला पंचायत हरदा ई-दक्ष केन्द्र में वाटर प्रूफिंग कार्य।

कार्यस्थल	विकास खंड	अनु. लागत (लाख में)	धरोहर राशि रु.	निविदा प्रपत्र	समय अवधि	निविदा आमंत्रण का क्रम	ठेकेदार की श्रेणी
ई-दक्ष केन्द्र जिला पंचायत हरदा	हरदा	168968	3380	1000	02 माह	प्रथम	सी-श्रेणी या ऊपर की श्रेणी केन्द्रीयकृत पंजीयन

निविदा की शर्तें :–

1. ड्राईंग आदि अभिलेख कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यालय में कार्य दिवस में कार्यालयीन समय में देखे जा सकते हैं तथा कोरे निविदा प्रपत्र **दिनांक 22.07.2024 से 01.08.2024 तक** अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से अपराह्न 5.30 बजे तक निर्धारित मूल्य अदा कर प्राप्त किये जा सकते हैं।
2. सशर्त एवं ओवर राईटिंग लिखाई निविदा में मान्य नहीं होंगे।
3. डाक द्वारा निविदा प्रपत्र मंगवाने पर रुपये 50/- अतिरिक्त डाक का वास्तविक व्यय देना होगा तथा पोस्ट/स्पीड पोस्ट के द्वारा डाक विलंब से प्राप्त होने पर कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
4. निविदा की अमानत राशि तालिका के कॉलम 6 के अनुसार राष्ट्रीयकृत बैंक का एफ.डी.आर. जो संबंधित कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग-हरदा के पक्ष में देय हो को जमा की जावें।
5. पंजीयन प्रमाण-पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
6. ई.पी.एफ.ओ. रजिस्ट्रेशन/मजदूर का जीवित लेबर लायसेंस स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
7. निविदा क्रय करते समय पंजीयन की प्रतिलिपि एवं आयकर एवं जी.एस.टी. विभाग का पंजीयन प्रस्तुत करना आवश्यक होगा एवं उक्त दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर निविदा प्रपत्र विक्रय नहीं किये जावेंगे।
8. निविदा स्वीकृत करने या अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार सक्षम प्राधिकारी के पास सुरक्षित होगा।
9. कार्य में किसी भी प्रकार का विलंब होने पर तथा किन्ही भी परिस्थितियों में मूल्य वृद्धि देय नहीं होगी।
10. कार्य में विलंब होने पर अनुबंधानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।
11. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का वाद-विवाद होने पर सक्षम प्राधिकारी का निर्णय अंतिम होगा।
12. कार्य करने के दौरान किसी भी श्रमिक की दुर्घटना एवं मृत्यु होने पर उनका समस्त उत्तरदायित्व संबंधित निविदाकार का होगा।
13. निविदा अनुबंध के दस्तावेजों पर न्यूनतम रुपये 500/- तथा अधिकतम रुपये 25000/- के अध्याधीन रहते हुये ऐसे दस्तावेज द्वारा प्रतिभूति रकम अथवा मूल्य का 0.25 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क प्रभावित होगा यदि शासन द्वारा इस शुल्क में कोई परिवर्तन किया जाता है तो ऐसी परिस्थिति में अनुबंध के समय प्रचलित दरों पर स्टाम्प शुल्क प्रभावित होगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-13885/49848/2024 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग हरदा**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग भ/प संभाग राजगढ़

निविदा सूचना क्रमांक 05/निविदा/2024-25 **राजगढ़, दिनांक : 22.07.2024**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है :–

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. वार्षिक मरम्मत कार्य शासकीय गैर आवासीय भवन उपसंभाग सारंगपुर।

टेण्डर नं.	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने हेतु समयावधि
2024_PWDRB_358233_1	राजगढ़	वार्षिक मरम्मत	द्वितीय	3.00	6000/-	6 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. बी.टी. रिनीवल कार्य तलेन धुंआखेड़ी मार्ग लंबाई 4.00 कि.मी.।						
2024_PWDRB_358244_1	राजगढ़	बी.टी. रिनीवल कार्य	प्रथम	69.89	69890/-	3 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. बी.टी. रिनीवल कार्य सेमलापार से सिंघोड़ा मार्ग लंबाई 4.74 कि.मी.।						
2024_PWDRB_358248_1	राजगढ़	बी.टी. रिनीवल कार्य	प्रथम	57.71	57710/-	2 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. बी.टी. रिनीवल कार्य लखनवास तुमड़ियाखेड़ी मार्ग लंबाई 3.2 कि.मी.।						
2024_PWDRB_358250_1	राजगढ़	बी.टी. रिनीवल कार्य	प्रथम	39.66	50000/-	2 माह वर्षाकाल सहित
			योग -	**170.26**		

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 09.08.2024** सायं 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।
अमानत राशि एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाइन स्वीकार किये जावेंगे।

कार्यपालन यंत्री
जी-13858/49845/2024 **लोक निर्माण विभाग भ/प संभाग राजगढ़**

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

दूरभाष नं. - 0734-2524462, ईमेल - cepwdujjain@mp.nic.in

निविदा सूचना क्र. 02/सामान्य/मु.अ./2024-25 **उज्जैन, दिनांक : 22.07.2024**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रतिशत दर के आधार पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि
1.	उज्जैन	2024_PWDRB_358292_pack1	सदावल उज्जैन में 4 नग हेलीपेड एवं विश्राम भवन मय रोड एवं बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण कार्य सहित।	1137.20	12 माह वर्षाकाल सहित
2.	उज्जैन	2024_PWDRB_358294_pack1	खामखेड़ा-बेदारनगर-इचीवाड़ा-केवडाखेड़ी मार्ग लंबाई 9.75 कि.मी. का निर्माण कार्य मय युटिलिफ्टिं सहित।	949.71	12 माह वर्षाकाल सहित

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 06.08.2024 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-13863/49846/2024 **लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन**

सरदार वल्लभ भाई पॉलीटेक्निक महाविद्यालय
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

(शासन द्वारा स्वशासी घोषित एवं राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल से सम्बद्ध)
फोन नं. : 0755-2660556, फैक्स नं. : 0755-2660558

रोज़गारोन्मुखी डिप्लोमा (MOM) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति, आयुक्त, तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश द्वारा जारी निर्धारित प्रवेश प्रक्रियानुसार डिप्लोमा नॉन पीपीटी (MOM) त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए केन्द्रीय काउंसलिंग प्रारंभ हो चुकी है तथा इसके पश्चात् संस्था स्तर पर काउंसलिंग (CLC Round) के माध्यम से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होगी।

ब्रांच/पाठ्यक्रम	अवधि	प्रवेश हेतु पात्रता के लिए निर्धारित शैक्षणिक अर्हता
मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट (नॉन पीपीटी डिप्लोमा पाठ्यक्रम बी ग्रुप)	3 वर्ष	समस्त उम्मीदवारों को माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश अथवा किसी अन्य मान्यता प्राप्त बोर्ड से (10+2) शिक्षा प्रणाली की 12वीं कक्षा की परीक्षा किसी भी विषय समूह के साथ न्यूनतम 35 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।

एमओएम पाठ्यक्रम (MOM) में प्रवेश के उम्मीदवार महाविद्यालय के **मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट विभाग (MOM)** के कक्ष क्रमांक F.F.-1 में प्रवेश हेतु संपर्क कर सकते हैं।

सम्पर्क सूत्र : (एमओएम) 8770841525, 9300893903, 7697248477, 9826015045

नोट : प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी मार्गदर्शिका/काउंसलिंग प्रक्रिया 2024-25, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **www.dtempcounselling.org** तथा **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।

जी-13895/49863/2024 **प्राचार्य**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग ओल्ड पलासिया इंदौर (म.प्र.)

ई-मेल : apdpiuindore@gmail.com, फैक्स : 0731-4989768

क्र.एफ-3/सामान्य/नि.प्र. अनुमोदन/मु.अ. (भवन)/2024/एनआईटी-05/1822 इंदौर, दिनांक : 22.07.2024

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 05/2024

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग, परिक्षेत्र इंदौर के अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्यों हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविलश्रेणी में पंजीयन ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग, म.प्र. द्वारा दिनांक 01.01.2024 से प्रभावशील एस.ओ.आर. एवं निविदा सूचना प्रकाशन तिथि संशोधित, निर्धारित तिथि (Key-Date) अनुसार के आधार पर ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा शासन के पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है -

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. उप जेल तराना जिला उज्जैन में मौजूदा 20 बिस्तरों वाले बैरक की पहली मंजिल पर 20 बिस्तरों वाले बैरक का निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनु. राशि(पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2024_PWPIU_358735_1	उज्जैन	48.65	50,000	5,000	6
2. उप जेल तराना जिला उज्जैन में दो मंजिला बैरक (40 पुरुष कैदियों का भवन) का निर्माण कार्य।					
2024_PWPIU_358733_1	उज्जैन	119.61	1,19,610	12,500	12
3. उप जेल बडनगर जिला उज्जैन में दो मंजिला बैरक (40 पुरुष कैदियों का भवन) का निर्माण कार्य।					
2024_PWPIU_358732_1	उज्जैन	119.61	1,19,610	12,500	12
4. केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ उज्जैन में महिला कैदियों हेतु 40 कैदियों की क्षमता का बैरक (जी+1) बहुउद्देशीय हॉल एवं वर्क शॉप का निर्माण कार्य सुरक्षा वॉल सहित विद्युतीकरण कार्य।					
2024_PWPIU_358730_1	उज्जैन	335.69	3,35,690	15,000	18
5. जिला जेल खण्डवा के प्रथम तल पर 01 नग बैरेक का निर्माण कार्य।					
2024_PWPIU_358660_1	खण्डवा	50.94	50,940	10,000	6

निविदा संबंधित तिथियां (key-Date) :-

1. प्रपत्र क्रय करने की प्रारंभिक तिथि - 22.07.2024
2. बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि - 23.07.2024
3. बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 06.08.2024
4. बिड खोलने की तिथि - 07.08.2024

मुख्य अभियंता (भवन)
जी-13881/49847/2024 लो.नि.वि. परिक्षेत्र इंदौर

सूचना
बी.आर्क. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता

क्रमांक : 4/शैक्ष./बी/2024/काउं./899 भोपाल, दिनांक : 26.07.2024

काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (COA) द्वारा जारी पत्र क्रमांक CA/5/2024/Academic/Revised Eligibility दिनांक 08 जुलाई 2024 अनुसार सत्र 2024-25 में बी.आर्क. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए न्यूनतम अर्हता में परिवर्तन किया है। विस्तृत जानकारी संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश की वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है।

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
टैगोर छात्रावास, क्रमांक टी-2, श्यामला हिल्स, भोपाल-462002
Ph. : (+91) 755-2660441, E-mail : dtemp.bpl@mp.gov.in
dte4.academic@mp.gov.in

म.प्र. माध्यम/115584/2024 आयुक्त तकनीकी शिक्षा

R-49868/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
No./9414/22/D-12/MPRRDA/2024 Bhopal, Dated : 26.07.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 1195 (PMGSY-Bridge-BW)

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** detailed below :-

- **Name of Work –** Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1	Katni	1	3820000.00
2	Khandwa	1	1057000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **31.07.2024 (17:30 hrs)** and last date for online bid submission is **14.08.2024 (17:00 hrs.).**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/115572/2024 R-49865/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
No./9411/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 26.07.2024

NOTICE INVITING TENDER No. 304/MTN/2024 (BW)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Name of Work : Post 10 Year (BW)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Sidhi	1	3990000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **31.07.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentionedportal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/115571/2024 R-49864/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
No./9398/22/D-12/NIT-Maint./2024 Bhopal, Dated : 26.07.2024
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 305/MTN/2024

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P Rural Road Development Authority effective from 05.11.2019 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Table No. 1 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	1	13826350.00
2	Anuppur	1	3931562.00
3	Betul	1	5394132.00
4	Burhanpur	1	11011459.00
5	Dhar	1	2150968.00
6	Narsinghpur	4	31584470.00
7	Raisen	2	2511136.00

2. **Table No. 2 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Harda	1	3587668.00
2	Jabalpur	1	641016.00
3	Khandwa	1	1744257.00
4	Narsinghpur	2	13285511.00

3. **Table No. 3 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Raisen	2	3314667.00
2	Seoni	1	9164010.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **01.08.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/115576/2024 R-49866/2024 **(TENDER)**

''मेरी सड़क'' एप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

पचमढ़ी मानसून मैराथन :
हल्की फुहारों के बीच रनर्स ने लगाई दौड़

नर्मदापुरम, नर्मदापुरम जिले के हिल स्टेशन पचमढ़ी में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) के सहयोग से 'एडवेंचर एंड यू' (के.ए. कनेक्ट) पचमढ़ी मानसून मैराथन का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। जिला प्रशासन नर्मदापुरम के सहयोग से आयोजित हुई मैराथन में देशभर से 1165 धावकों ने हिस्सा लिया और पचमढ़ी के प्राकृतिक सौंदर्य के बीच 42 किलोमीटर, 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर एवं 5 किलोमीटर श्रेणियों में दौड़ लगाई गई। मैराथन दौड़ की शुरुआत एमपीटी ग्लेनव्यू होटल से हुई। 42 किलोमीटर दौड़ सुबह 3 बजे शुरू हुई। शेष तीनों दौड़ सुबह 6 बजे शुरू की गई। जिसे टूरिज्म बोर्ड के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, डिप्टी डायरेक्टर श्री वीरेंद्र खंडेलवाल ने फ्लैगऑफ की। दौड़ में छः वर्ष के बच्चे से लेकर 82 वर्ष के बुजुर्ग ने हिस्सा लिया। नर्मदापुर की पूर्व कलेक्टर श्रीमती दास भी 21 किमी दौड़ में शामिल हुईं।

विजेताओं को ट्रॉफी एवं मेडल

समापन के बाद एक समारोह में अतिथियों द्वारा विजेताओं को ट्रॉफी व मेडल दिए। मानसून मैराथन में देशभर से लोग शामिल हुए और सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी में प्राकर्तिक सौंदर्य का आनंद लिया।

कार्यालय प्राचार्य
रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

(शासन द्वारा स्वशासी घोषित)
दूरभाष : 07662-242478, वेबसाइट : http://www.recrewa.ac.in
ई-मेल : principalrecrewa@rediffmail.com

क्रमांक/स्था-2/2024/1910-A रीवा, दिनांक : 19.07.2024

नि:शक्तजनों के लिये आरक्षित पदों की पूर्ति हेतु विशेष भर्ती अभियान

प्राचार्य रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय रीवा द्वारा पदनाम मानचित्रकार तृतीय श्रेणी के 01 पद (आटिज्म बौद्धिक दिव्यांगता, स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी एवं बहुविकलांगता) के लिये आरक्षित पदों की पूर्ति हेतु रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय रीवा में संस्था की सोसायटी के स्वशासी के अंतर्गत निर्धारित योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों से **वाक-इन-इंटरव्यू हेतु दिनांक 21.08.2024 को 12.30 अपरान्ह तक** आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। साथ ही **दिनांक 21.08.2024 को अपरान्ह 3:00 बजे से** समिति द्वारा वाक-इन-इंटरव्यू लेना प्रारंभ किया जायेगा। आवेदन पत्र का प्रारूप शैक्षणिक योग्यता एवं अन्य सेवा शर्तें संस्था की वेबसाइट **http://www.recrewa.ac.in** पर उपलब्ध है।

प्राचार्य
जी-13943/49870/2024 रीवा इंजीनियरिंग महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

कार्यालय संचालक, राज्य स्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण)
पुलिस रेडियो मुख्यालय के सामने, भदभदा रोड, भोपाल

प्रदेश के पिछड़े वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों को राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2024 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग हेतु विज्ञापन

अंतिम तिथि 5 अगस्त 2024

म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर द्वारा आयोजित आगामी राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2024 में सम्मिलित होने वाले प्रदेश के पिछड़े वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र एवं इच्छुक उम्मीदवारों से राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2024 का परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप विभाग की वेबसाइट **www.bcwelfare.mp.nic.in** पर उपलब्ध हैं।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2024 का निःशुल्क प्रशिक्षण 05 अगस्त 2024 से प्रारंभ होकर आगामी 02 माह 15 दिवस की अवधि अथवा परीक्षा प्रारंभ होने की तिथि जो भी प्रथम पूर्ण हो तक रहेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को प्रथम आओ प्रथम पाओ के आधार पर स्थान रिक्त रहने तक प्रवेश दिया जावेगा।

भोपाल से बाहर के पंजीकृत प्रशिक्षणार्थियों को पंजीयन उपरांत प्रशिक्षण अवधि के लिए छात्रावास में स्थान रिक्त रहने तक निःशुल्क छात्रावास सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में चयनित प्रशिक्षणार्थी का प्रशिक्षण कार्यक्रम में सत्त उपस्थित होना अनिवार्य है।

प्रशिक्षण हेतु प्रवेश की शर्तें -

1. आवेदक म.प्र. का मूल निवासी हो व म.प्र. शासन द्वारा घोषित पिछड़े वर्ग/अल्पसंख्यक वर्ग का सदस्य हो।
2. आवेदक के अभिभावक/पालक एवं स्वयं की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय क्रीमीलेयर की सीमा (रुपये 8.00 लाख) से अधिक न हो।
3. आवेदक म.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2024 में सफल हो।
4. आवेदकों को आगामी राज्य सेवा मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।
5. पिछड़ा वर्ग हेतु जाति प्रमाण पत्र केवल अधिकृत राजस्व अधिकारी के ही मान्य किये जावेंगे।
6. अल्पसंख्यक वर्ग हेतु अल्पसंख्यक वर्ग में सम्मिलित होने संबंधी स्वयं का घोषणा पत्र मान्य होगा।
7. महिला आवेदकों नियमानुसार महिला आरक्षण की पात्रता होगी।
8. आवेदक को निर्धारित प्रारूप में राजस्व अधिकारी द्वारा जारी मान्य आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
9. पंजीयन के समय कॉशनमनी रुपये 500/- जमा करना अनिवार्य होगा जो प्रशिक्षण समाप्ति पर रसीद जमा करने पर वापिस कर दी जावेगी।
10. आवेदक को आवेदन पत्र के साथ अपने बैंक खाते की पासबुक के प्रथम पृष्ठ की फोटोकॉपी संलग्न करना अनिवार्य होगा।
11. अपूर्ण एवं अन्तिम तिथि के पश्चात् आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।
12. आवेदकों को प्रशिक्षण केन्द्र तक आने-जाने का किराया एवं अन्य व्यय स्वयं वहन करने होंगे।

आवेदन पत्र कार्यालय संचालक, पिछड़ा वर्ग, राज्य स्तरीय रोजगार एवं प्रशिक्षण केन्द्र, पुलिस रेडियो मुख्यालय के सामने, भदभदा रोड, भोपाल-462003 के पते पर अथवा कार्यालय की ई-मेल आई.डी.:- dir.setc@mp.gov.in पर भी प्रेषित किए जा सकते हैं। पात्र आवेदकों का अभिलेखों के सत्यापन उपरांत प्रशिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत पंजीकरण किया जावेगा, पंजीकरण उपरांत बाहरी अभ्यार्थियों को नियमानुसार निःशुल्क छात्रावास सुविधा उपलब्ध करा दी जावेगी।

संचालक
राज्य स्तरीय रोज एवं प्रशि. केंद्र
(पिछड़ा वर्ग एवं अ.सं.क.) भोपाल
दूरभाष - (0755) 2763284

कार्यालय संचालक, राज्य स्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केंद्र
(पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण) भोपाल
प्रशिक्षण सत्र 2024-25
आवेदन पत्र का प्रारूप
प्रशिक्षण का नाम :- राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2024

आवेदक का फोटो जो स्व-हस्ताक्षरित हो।

1. आवेदक का नाम.....
2. पिता/पति का नाम .....
3. निवास का वर्तमान पता.....
4. स्थाई पता (पिनकोड सहित).....
5. दूरभाष/मोबाइल क्र- .....
6. जन्म तिथि .....
7. मूल निवास स्थान .....
8. पिछड़ा वर्ग जाति/उपजाति .....
   अथवा अल्पसंख्यक वर्ग जाति/उपजाति .....
9. पारिवारिक वार्षिक आय (समस्त स्त्रोतों से).....
10. आवेदक के बैंक खाते का विवरण .....
11. प्रारंभिक परीक्षा का अनुक्रमांक
12. शैक्षणिक योग्याएं -

क्र.	शैक्षणिक स्तर	उत्तीर्ण वर्ष	बोर्ड/वि.वि.	श्रेणी	प्रतिशत	विशेष
1.	हाई स्कूल/हायर सेकेण्डरी (जन्मतिथि हेतु)					
2.	स्नातक					

नोट - क्रमांक 06 से 12 के समर्थन में अभिलेखों की स्वप्रमाणित सत्यप्रतियां संलग्न करें।

स्थान :-
दिनांक :-

आवेदक के हस्ताक्षर

पूरा नाम.....

घोषणा-पत्र

मैं निष्ठापूर्वक घोषणा करता/करती हूँ कि :-

1. मेरे द्वारा आवेदन पत्र में दी गई जानकारी तथ्यों पर आधारित एवं सत्य है।
2. मेरे पर न्यायालय में किसी प्रकार का आपराधिक प्रकरण नहीं चल रहा है।
3. प्रशिक्षण अवधि में किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता करने पर मेरा प्रवेश तत्काल निरस्त किया जा सकेगा।

स्थान :-
दिनांक :-

आवेदक के हस्ताक्षर

पूरा नाम .....

जी-13948/49871/2024

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER No. 303/MTN/2024

No. 8991/22/D-12/NIT-Maint./2024 **Bhopal, Dated 23.07.2024**

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.01.2024 and amendments upto issue date of NIT.

1. **Table No. 1 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 5 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)	S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	1	32164375.00	17	Narsinghpur	6	101200526.00
2	Ashoknagar	5	88179489.00	18	Panna	3	39161809.00
3	Betul	2	13671421.00	19	Raisen	1	2437205.00
4	Chhatarpur	2	34778800.00	20	Rajgarh	1	16626331.00
5	Chhindwara	2	48609946.00	21	Rewa	3	73280100.00
6	Damoh	5	53101425.00	22	Sagar	5	100057721.00
7	Dewas	1	17803154.00	23	Satna	2	3723292.00
8	Dhar	2	39810987.00	24	Sehore	1	349054.00
9	Dindori	1	9006636.00	25	Shahdol	1	12960915.00
10	Guna	1	7355129.00	26	Shajapur	2	21754050.00
11	Gwalior	2	28376823.00	27	Shivpuri	4	29082883.00
12	Jabalpur	4	38126070.00	28	Sidhi	2	12019098.00
13	Jhabua	2	69622679.00	29	Singrauli	7	64456028.00
14	Khargone	1	20912278.00	30	Umaria	5	81545081.00
15	Mandla	1	40138567.00	31	Vidisha	1	6499202.00
16	Mandsaur	3	25058564.00				

2. **Table No. 2 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 10 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)	S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Ashoknagar	1	23859835.00	6	Panna	1	14023230.00
2	Balaghat	2	13323577.00	7	Ratlam	1	14741646.00
3	Jabalpur	2	26242434.00	8	Rewa	1	9932589.00
4	Khandwa	1	4180079.00	9	Seoni	4	68478794.00
5	Mandla	1	35121721.00	10	Shivpuri	8	99236949.00

3. **Table No. 3 :- Name of Work –** Repair/Maintenance of the Rural Roads for Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna. (Post 15 Year)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)	S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Bhopal	1	9519194.00	5	Rewa	2	15072846.00
2	Burhanpur	2	18087666.00	6	Sagar	1	13442025.00
3	Guna	1	18533248.00	7	Sidhi	1	5474412.00
4	Katni	1	11214846.00	8	Singrauli	3	18947583.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **30.07.2024 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/115501/2024 R-49854/2024 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

कार्यालय नगर पालिक निगम, इन्दौर

क्रमांक: 1995 **शुद्धि पत्र** दिनांक: 22.07.2024

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर की W.P. No. याचिका क्रमांक 7275/2019 में पारित आदेश दिनांक 30.01.2024, म.प्र.शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-19/2019/आ.प्र./1 दिनांक 14.02.2024, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग के पत्र क्रमांक/676/16017123/2023/18-1 दिनांक 16.02.2023, संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास, म.प्र., भोपाल के पत्र क्रमांक/ स्था/ एक/ 201/ प्र.शि./2024/3780 भोपाल दिनांक 26.02.2024 तथा मध्यप्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय वल्लभ भवन, के पत्र क्रमांक एफ 8-2/ 2013/ आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 04.01.2024 एवं प्रमुख सचिव, म.प्र. शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, भोपाल के पत्र क्रमांक/2461/1607123/2023/18-1 भोपाल दिनांक 15 जुलाई, 2024 से प्राप्त निर्देश के क्रम में विज्ञापन क्रमांक 1954, दिनांक 19 जुलाई 2024 जारी किया गया।

उक्त विज्ञापन में संशोधन करते हुए लीडिंग फॉयरमैन, फॉयरमैन (तृतीय श्रेणी नियमित/संविदा) तथा ड्रायवर (हल्के वाहन ''ख'' श्रेणी) के पदों को विलोपित किया जाता है। उक्त पदों के लिए अभ्यर्थीगण आवेदन नहीं करें।

विज्ञापन अनुसार शेष पद के लिए निर्धारित दिनांक 05 अगस्त, 2024 तक आवेदन डाक के माध्यम से स्वीकार किये जायेंगे।

(आयुक्त महोदय के आदेशानुसार)

अपर आयुक्त
नगर पालिक निगम, इन्दौर

R-49850/2024

शिष्य निर्माण और राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल हैं आचार्य सांदीपनि

गुरु पूर्णिमा के पुण्य दिवस पर सभी परम गुरुओं को हार्दिक नमन... अपने ज्ञान के प्रकाश से समृद्ध करने के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिये हमें प्रेरित करने वाले गुरुजन का हृदय से आभार। गुरु हमें ज्ञान, गौरव और गंतव्य का भान कराने के साथ हमारी जीवन यात्रा का मार्गदर्शन करते हैं। गुरु-शिष्य परंपरा में गुरु ज्ञान से स्वयं का साक्षात्कार संभव है। इस ज्ञान की अनुभूति की साक्षी है गुरु पूर्णिमा। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा महर्षि वेद व्यास का प्रकटीकरण दिवस है। महर्षि व्यास ने वैदिक ऋचाओं को संकलित कर वेदों का वर्गीकरण, महाभारत तथा अन्य रचनाओं से भारतीय वांग्मय को समृद्ध किया। भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा अति पुरातन है। इस परंपरा से ही व्यक्ति निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण तक की प्रेरणा में गुरुजन का मार्गदर्शन है।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुझे व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र के लिये समर्पित गुरु सांदीपनि जी का स्मरण आता है। लगभग 5 हजार साल पूर्व शिष्यों और समाज के लिये संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले गुरु सांदीपनि जी का जीवन चरित्र हम सभी के लिये आदर्श है। उनके जीवन में कष्ट और दु:ख की कोई सीमा नहीं थी। उनका राष्ट्र के प्रति समर्पण और अपने शिष्यों के प्रति प्रेम अद्भुत, अनूठा और अलौकिक रहा है जिसकी मिसाल दुनिया में दूसरी नहीं है। सांदीपनि जी का आश्रम मूलत: पहले गंगा किनारे बनारस में स्थापित था जहां उन्होंने अपने शिष्यों को 64 कलाएं, 14 विद्याएं, 18 पुराण और 4 वेदों की शिक्षा-दीक्षा देकर प्रशिक्षित करने के लिये गुरुकुल का संचालन किया।

उस समय मथुरा में महाराज उग्रसेन को हटाकर जैसे ही कंस ने सत्ता के सूत्र हाथ में लिये, आचार्य सांदीपनि सहित विश्व के आचार्यों को अपने गुरुकुल बंद करने पड़े। उन्होंने अपना आश्रम छोड़कर तीर्थाटन की राह पकड़ी। अराजकता और अशांति के वातावरण में कोई गुरुकुल कैसे चला सकता है। आचार्य सांदीपनि, अपने 6 माह के पुत्र पुनर्दत्त और धर्मपत्नी के साथ तीर्थाटन करते हुए पश्चिमी भारत (वर्तमान द्वारिका), प्रभास पाटन के क्षेत्र से गुजर रहे थे। यह वह समय था जब आसुरी शक्तियों ने अलग-अलग प्रकार से भारत पर कब्जा जमा लिया था।

आचार्य सांदीपनि की प्रसिद्धि दुनिया भर में फैली थी। हर कोई चाहता था कि उनके बच्चे आचार्य सांदीपनि से दीक्षित-शिक्षित हों। उस समय यम ने आचार्य सांदीपनि से अपने बच्चों को शिक्षित-दीक्षित करने का दबाव डाला। चूंकि आचार्य सांदीपनि की शिक्षा-दीक्षा राष्ट्र और समाज निर्माण के लिये थी इसलिए वे किसी प्रकार के दबाव में नहीं आये और राष्ट्र विरोधी तत्वों को शिक्षा देने के प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया। यम द्वारा डराने, धमकाने और यातनाएं देने पर भी आचार्य झुके नहीं और अपने निर्णय पर अटल रहे। आचार्य को प्रताड़ित करते हुए यम ने उनके बच्चे को छीन लिया तथा आचार्य और माता को अपमानित कर भगा दिया।

इसके बाद आचार्य उज्जैन आए और सांदीपनि आश्रम स्थापित कर भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में देश के बच्चों के भविष्य निर्माण के लिये शिक्षा-दीक्षा आरंभ की। सांदिपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण और उनके भ्राता बलराम को शिक्षा प्राप्त करने के लिए महाकाल की नगरी उज्जैन भेजा गया, जहां उनकी मित्रता सुदामा से हुई। शिक्षा के उपरांत श्रीकृष्ण ने गुरुमाता को गुरु दक्षिणा देने की बात कही। इस पर गुरुमाता ने श्रीकृष्ण को अद्वितीय मानकर गुरु दक्षिणा में अपना पुत्र वापस मांगा। आचार्य सांदीपनि को जब पूरी बात पता चली, तो उन्होंने नाराज होते हुए कहा कि मेरे दु:ख और मेरी व्यक्तिगत समस्या में मेरे शिष्य को क्यों शामिल किया।

श्रीकृष्ण ने उनके पुत्र को वापस लाने के लिये शस्त्र चाहे। आचार्य ने भगवान परशुराम के आश्रम जानापाव में जाने के लिए कहा। भगवान परशुराम ने श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र प्रदान करते हुए उसकी विशेषता बताई। भगवान परशुराम की आज्ञा लेकर श्रीकृष्ण प्रभास पाटन जाते हैं। जहां यम नामक असुर से युद्ध कर उसके प्राणों का अंत करते हैं और आचार्य के पुत्र को वापस उज्जैन लाकर गुरु दक्षिणा भेंट करते हैं।

श्रीकृष्ण प्रभास पाटन का राज्य राजा रैवतक को देते हैं। राजा की पुत्री रेवती से बलराम का विवाह होता है। इसके बाद श्रीकृष्ण मथुरा की ओर प्रस्थान करते हैं। इसी युग में आसुरी शक्तियों का विनाश कर योग्य व्यक्ति को राज्य सौंपने का एक और उदाहरण है कि भगवान श्रीकृष्ण ने मथुरा में कंस को मारकर महाराज उग्रसेन को पुन: सिंहासन पर बैठाया था।

काल के प्रवाह में आचार्य सांदीपनि का अपने देश के लिए अद्वितीय योगदान जानना जरूरी है। आचार्य सांदीपनि द्वारा अपने ज्ञान से शिष्य निर्माण और अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण एक अद्वितीय मिसाल है। गुरु पूर्णिमा पर आचार्य सांदीपनि जी का यह प्रेरक पक्ष सभी के समक्ष आना चाहिए।

मेरी दृष्टि में, हमारे जीवन में पांच गुरुओं का विशेष महत्व है। सबसे पहली गुरु, माता जो जन्म और जीवन के संस्कार देती है, दूसरे पिता जो साथ, संबल, सहयोग के साथ पुरुषार्थ और पराक्रम का भाव निर्मित करते हैं। तीसरे, शिक्षक जो पाठ्यक्रम में निर्धारित शिक्षा प्रदान कर हमें शैक्षणिक ज्ञान से समृद्ध करते हैं। चौथे गुरु, जिनसे हम आध्यात्मिक शिक्षा प्राप्त करते हैं, जो स्वत्व को जागृत कर आत्मज्ञान का बोध कराते हैं और हमें हमारे जीवन की नई ऊंचाइयों और नये लक्ष्यों के लिये प्रेरित करते हैं। पांचवां गुरु आईना है जो, हमें हमारे वास्तविक स्वरूप से परिचित कराता है इससे आत्म-चेतना जागृत होती है और हम अपने व्यक्तित्व और कृतित्व में श्रेष्ठता को प्राप्त कर सकते हैं।

गुरु हमारी प्राकृतिक प्रतिभा का आकलन करके हमारी मौलिक प्रतिभा को जागृत करते हैं, मार्गदर्शित करते हैं। आचार्य सांदीपनि जी ने ऐसे शिष्यों का निर्माण किया है जिन्होंने समाज, राष्ट्र और विश्व कल्याण का इतिहास रचा है।

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आचार्य सांदीपनि का पुण्य-स्मरण।

● **डॉ. मोहन यादव**
(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

प्रदेश के सभी अंचलों में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में उद्योग समूह के प्रतिनिधियों से चर्चा की

जबलपुर, प्रदेश में संतुलित और समतापूर्ण विकास की यात्रा को आगे बढ़ाते हुए निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में विभिन्न उद्योगपतियों और उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों से वन-टू-वन चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक गतिविधियों की दिशा में आने वाली सभी प्रक्रियाओं को सरल करते हुए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रही है। प्रदेश में पर्याप्त लैंड बैंक भी उपलब्ध है। निवेशक और उद्यमी भरोसे के साथ निवेश करें, सरकार उनकी हर संभव मदद के लिए तैयार है।

ऑटोमोबाइल और आयुर्वेदिक उत्पादन के संबंध में हुई चर्चा

मुख्यमंत्री ने वन-टू-वन वार्ता के क्रम में वोल्वो आयशर समूह के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विनोद अग्रवाल से प्रदेश में ऑटोमोबाइल सेक्टर के विस्तार, हाइडेलबरग सीमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के श्री जॉयदीप मुखर्जी से प्रदेश में सीमेंट इकाइयों के संचालन तथा विस्तार के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बैद्यनाथ ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री प्रणव शर्मा और स्वराज शूटिंग्स के अध्यक्ष श्री शब्बीर खान से चर्चा की।

ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार की संभावना

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा और नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश और गतिविधियों के विस्तार की संभावनाओं के संबंध में लोहिया एनर्जी के श्री नितेश लोहिया, रमणीक पावर एंड एलॉयज के श्री हर्ष त्रिवेदी, वायजैक बायोफ्यूल्स के श्री अतुल वैद्य से वन-टू-वन संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से कृषि तथा संबंधित गतिविधियों और खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों की स्थापना और विस्तार के संबंध में सहवाग एग्रो प्राइवेट लिमिटेड के श्री रजनीकांत राय तथा ए.वी.जे. एग्रो के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अभिनव सिंघल ने चर्चा की।

उद्यमिता में दक्षता पर विशेष ध्यान

वन-टू-वन चर्चा में युवाओं के लिए कौशल विकास और उद्यमिता में दक्षता संवर्धन संबंधी गतिविधियों के संचालन की प्रदेश में संभावनाओं के बारे में डिक्की के अध्यक्ष डॉ. मिलिंद कांबले से भी बातचीत हुई। मुख्यमंत्री के सम्मुख सूचना के विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार के बारे में नेटलिंक लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री अनुराग श्रीवास्तव ने अपने प्रस्ताव रखे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में डाटा सेंटर संचालन की संभावनाओं के संबंध में सी.टी.आर.एल.एस. के बिजनेस हेड श्री विक्रम कुमार मल्लावरपु से भी चर्चा की।

डिफेंस सेक्टर में गतिविधियों के विस्तार के लिए हुई चर्चा

मुख्यमंत्री से ताइवान के ताइपेइ वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के प्रबंधक श्री विन लिन, नागार्जुन सीमेंट लिमिटेड के श्री बी साई राम तथा खनिज उत्खनन के संबंध में मैंगनीज और इंडिया लिमिटेड के श्री अब्दुल्ला ने चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में डिफेंस सेक्टर के विस्तार के बारे में एडवांस्ड वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष श्री राजेश चौधरी से विचार विमर्श किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से प्रतिभा सिंटेक्स के श्री श्रेयस्कर चौधरी, जिओमीन इंडस्ट्रीज के श्री चरणदीप सिंह ने भी चर्चा की।

दिव्यांग विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए सरकार है संकल्पबद्ध - श्री शुक्ल

रीवा, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने शासकीय मूक-बधिर विद्यालय, रीवा में आयोजित समारोह में 84 दिव्यांग विद्यार्थियों को नि:शुल्क लैपटॉप प्रदान किए। श्री शुक्ल ने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थी प्रतिभा में किसी से कम नहीं हैं। हमारी सरकार दिव्यांग विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा देने के लिए संकल्पबद्ध है। दिव्यांग अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता और ऊंचा मुकाम हासिल कर सकेंगे। रीवा से ही स्व. यमुना प्रसाद शास्त्री नेत्रों से दिव्यांग होने के बावजूद सबसे प्रखर सांसद थे। वर्तमान में प्रदेश में नेत्रों से दिव्यांग एक आईएएस अधिकारी एक संभाग की कमान संभाल रहे हैं। आप सब भी इन्हीं की तरह सफलताएं प्राप्त कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगता अब किसी तरह की बाधा नहीं रह गई है। आधुनिक तकनीक का उपयोग करके दिव्यांग शिक्षा में अच्छी सफलता प्राप्त करें इसीलिए आप सबको लैपटॉप प्रदान किए जा रहे हैं। अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ाने, आप सबको अवसर और प्रोत्साहन देने के लिए लैपटॉप दिए जा रहे हैं। मूक-बधिर विद्यालय रीवा के 44, नेत्रहीन विद्यालय के 12, आईटीआई रीवा के 26, ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के एक तथा उ.मा.वि. अमिलिया के एक दिव्यांग विद्यार्थी को मुख्यमंत्री नि:शक्तजन शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत 29 लाख 39 हजार रुपये की लागत के 84 लैपटॉप का वितरण किया गया।

योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति को मिले

भोपाल, राज्य शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति को मिले, इसी उद्देश्य से इस प्रकार के शिविर विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों पर आयोजित किए जा रहे हैं। यह जनसुनवाई शिविर तब तक जारी रहेगा जब तक आपकी समस्याओं का आंकड़ा शून्य न हो जाए। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह बात ग्वालियर में क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 3 में जनसुनवाई में कही। श्री तोमर ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मिले इसके लिए शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसके बाद प्रत्येक वार्ड में शिविर आयोजित कर आमजन की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर के दौरान जितनी भी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं उनका शत-प्रतिशत निराकरण किया जाए।

प्रधानमंत्री ने विश्व में भारतीय प्राचीन संस्कृति का परचम लहराया

भोपाल, भारत गुरुकुल शिक्षा और जीवन शैली के बूते पर पूरे विश्व में सदैव नेतृत्व करता रहा है। हमारा देश अपनी मूल मानव संस्कृति के लिए जाना जाता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों से गुरु पूर्णिमा पर्व पर कही।

आध्यात्मिक संत, महात्माओं, शिक्षकों, प्राध्यापकों, कुलगुरुओं और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि माता-पिता के बाद गुरु हमारा जीवन का नया पदार्पण करता है, जिससे संस्कारित रूप से जीवन में बदलाव आता है। हमारे देश में प्राचीन काल से ही विदेशों से युवा शिक्षा ग्रहण करने आते थे। हमारे देश में प्राचीन काल में गुरुकुल की परंपरा रही है। नालंदा, तक्षशिला, विक्रमजीत शिला, उज्जैन का सांदीपनि आश्रम विश्व प्रसिद्ध हैं, जिन्होंने विश्व में नया इतिहास रचा और भारत को दुनिया में अलग पहचान दिलायी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने भारतीय कुलगुरु परम्परा को चिरस्थाई बनाने के लिए कुलपतियों का नाम बदलकर कुलगुरु किया है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में प्राचीन मान्यताओं के अनुरूप शिक्षा संस्कृति की पुनर्स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व में भारतीय प्राचीन संस्कृति का परचम लहराया है, उनके प्रयासों से शिक्षा के हर क्षेत्र में बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिकाल से श्रद्धा का केंद्र रही गुरु-शिष्य परम्परा शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के प्रयासों से पुनर्स्थापित होगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

नागरिकों के विकास और बेहतर स्वास्थ्य के लिये प्रतिबद्ध है सरकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हमीदिया अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर दिए जरूरी दिशा-निर्देश

भोपाल, राज्य सरकार विकास के साथ नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये प्रतिबद्ध है। इसलिए समय-समय पर चिकित्सालयों का निरीक्षण किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली धनराशि का समुचित उपयोग हो। सभी अधिकारी गुणवत्ता और दक्षता के साथ कार्य करें। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में हमीदिया अस्पताल के निरीक्षण के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने हमीदिया अस्पताल में शिशु वार्ड तथा अन्य कक्षों का निरीक्षण किया और मरीजों एवं मरीजों के परिजन से बातचीत की। मुख्यमंत्री को वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा अस्पताल में किये जा रहे विस्तार कार्यों और नए प्रस्तावों की जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षाकाल चल रहा है, इसलिए अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ना संभव है। मरीजों को कोई कठिनाई नहीं हो इसको ध्यान रखते हुए यहां विस्तार के कार्य चल रहे हैं। हमीदिया अस्पताल प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है। इस अस्पताल की क्षमता 2250 बेड की है। अभी 1850 बेड की सुविधाा उपलब्ध कराई जा रही है। आशा है कि नए निर्माण कार्यों के पूरा होने से मरीजों की कठिनाइयां दूर हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में मरीजों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगभग 199 करोड़ रुपये के नए प्रस्ताव आए हैं। उनमें 35 करोड़ रुपये के रीजनल इन्स्टिट्यूट ऑफ रेस्पिरेटरी, 42 करोड़ रुपये के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ऑर्थोपेडिक्स, 30 करोड़ रुपये का कैंसर उपचार के लिए नई मशीनें खरीदने के प्रस्ताव शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल में बोन मैरो सेंटर जल्द ही शुरू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 20 करोड़ रुपये का पीजी छात्रों के लिए नया छात्रावास ब्लॉक बनाया जाएगा। अस्पताल को 20 करोड़ रुपये की एमआरआई/सीटी मशीन जल्द ही दी जाएगी। 35 करोड़ रुपये का नया एकीकृत ओपीडी ब्लॉक और 17 करोड़ रुपये का नया यूजी छात्रावास बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में जनता को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के समुचित प्रयास एवं प्रबंध किये जा रहे हैं। मैं सभी विभागों, विशेषकर अस्पतालों में, जहां जनता बड़ी संख्या में आती है वहां निरीक्षण अधिक करता हूं, जिससे मरीजों को कोई कठिनाई न हो।

नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया पर लगी रोक हटी, एडमिशन ले सकेंगे छात्र

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया पर लगी रोक हटना राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नियमित जांच से नर्सिंग छात्रों को उच्च मानकों की शिक्षा का प्रदाय सुनिश्चित होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार नर्सिंग छात्रों के हितों की रक्षा करने और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि मध्यप्रदेश को स्वास्थ्य मानकों के क्षेत्र में शीर्ष राज्य बनाया जाए। चिकित्सा सेवाओं की प्रणाली को मजबूत करके हम राज्य के स्वास्थ्य मानकों में सुधार करेंगे और इसे एक उत्कृष्ट उदाहरण बनायेंगे। उन्होंने कहा कि इस आदेश से न केवल छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा बल्कि इससे राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं में भी व्यापक सुधार होगा। नर्सिंग छात्रों को बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण मिलने से वे चिकित्सा क्षेत्र में अमूल्य संपत्ति बनेंगे, जिससे राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली को और मजबूती मिलेगी।

पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित होगी

प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री विवेक कुमार पोरवाल ने बताया कि उच्च न्यायालय ने नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है, जो अब तक रुकी हुई थी। इस निर्णय के साथ, 2024-25 सत्र से नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दी जा सकेगी। उच्च न्यायालय ने सभी नर्सिंग कॉलेजों की वार्षिक निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। नियमित निगरानी प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाया जाएगा ताकि नर्सिंग छात्रों को गुणवत्ता शिक्षा सुनिश्चित हो सके। इस निर्णय से अब छात्र नर्सिंग पाठ्यक्रमों में दाखिला ले सकेंगे, जिससे नर्सिंग के इच्छुक छात्रों को बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को सुदृढ़ करने का मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही प्रदेश के नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन नर्सिंग काउंसिल द्वारा किया जायेगा, जिससे प्रवेश परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी।

विकसित भारत के लक्ष्य को समर्पित है केंद्रीय बजट - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य को समर्पित केन्द्रीय बजट 2024-25 प्रस्तुत किया गया है। बजट में दैदिप्यमान भारत का भाव और महंगाई दर पर नियंत्रण की भावना स्पष्टत: परिलक्षित होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि उत्पादकता, रोज़गार, कौशल प्रशिक्षण, आर्थिक विकास, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय पर पूरा बजट केन्द्रित है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया में अपनी एक नई पहचान कायम करेगा। यह बजट मध्यप्रदेश को भी विकास के पथ पर कदम से कदम मिलाने का मौका देगा। विकसित भारत में ही विकसित मध्यप्रदेश की संभावना निहित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को बधाई देना चाहता हूं, जिनके माध्यम से महंगाई दर पर नियंत्रण करने की भावना परिलक्षित होती है।

मुख्यमंत्री ने गणित ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर दी बधाई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यूके (यूनाइटेड किंगडम) में आयोजित 65वें अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड में भारत के बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि भारत के बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से यह अवसर अधिक आल्हादकारी हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये प्रतिभाशाली बच्चे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में सहभागी बनेंगे। भारत ने गणित ओलंपियाड में 1989 के बाद शानदार प्रदर्शन के साथ चार स्वर्ण और एक रजत पदक प्राप्त कर चौथा स्थान हासिल किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोयम्बटूर में उद्योगपतियों के साथ इंटरेक्शन किया

अन्नदाताओं की समृद्धि का आधार है खेती

मंडला, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने मण्डला जिले के ग्राम टिकरवारा में प्रतिवर्ष के अनुसार अपने पैतृक खेत में धरती मां को प्रणाम कर अपने परिजन के साथ धान के पौधों का रोपण किया। उन्होंने बताया कि धान के पौधों का रोपा गांव के लोग आपस में मिलकर लगाते हैं, क्योंकि रोपा लगाने के लिए आपसी समन्वय जरूरी है। खेती करने के लिए सामुदायिकता की यह परम्परा हमें मिलनसार, सहृदय और विनम्र बनाती है। ये समाज की वो परंपराएं हैं जो संस्कृति रूपी पौधों का रोपण करती हैं। इससे आपसी भाईचारा और सहयोग की भावना बढ़ती है।

भारतीय लोकतंत्र की एकता विश्व के लिए उदाहरण

भोपाल, भारतीय लोकतंत्र की ताकत यही है कि एक साधारण व्यक्ति भी बड़े से बड़े पद पर आसीन हो सकता है। जहां भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में लोकतंत्र कराह रहा है, वहीं भारतीय लोकतंत्र विश्व में एक आदर्श उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। विद्यार्थियों को संसदीय ज्ञान देने के लिए संसदीय विद्यापीठ के प्रयास अनूठे हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसरोवर सभागार में वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के माध्यम से संसदीय विद्यापीठ ने विद्यार्थियों

को महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के प्राचीन इतिहास पर दृष्टि डालें तो जनपदों की रचना से लेकर सत्ता के परिवर्तन और परिवर्तित व्यवस्था में किसी अन्य व्यक्ति को सिंहासन पर विराजित करने के उदाहरण मिलते हैं। चंद्रगुप्त युग से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति तक राष्ट्र के सम्मान के लिए कार्य करने के अनेक आदर्श स्थापित किए गए हैं। काल के प्रवाह में भारत का लोकतंत्र निरंतर सशक्त बनकर उभरा है।

लाड़ली बहनों को 1250 रुपये के अतिरिक्त सावन में एक अगस्त को मिलेंगे 250 रुपये

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सावन माह का विशेष महत्व है। सावन माह में प्रत्येक लाड़ली बहन के खाते में आने वाली एक तारीख को 250 रुपये अंतरित किए जाएंगे, यह राशि प्रतिमाह जारी होने वाली 1250 रुपये की राशि के अतिरिक्त होगी। लाड़ली बहनों को प्रतिमाह जारी होने वाले 1250 रुपये पूर्वानुसार उनके खाते में जारी किए जाएंगे। उन्होंने मंत्रीगण से कहा कि रक्षाबंधन के पर्व पर अपने-अपने क्षेत्र की लाड़ली बहनों से राखी अवश्य बंधवाएं।

गुरु परंपरा से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय परंपरा से जुड़े त्योहारों को मनाने का आनंद ही अलग है। इस क्रम में गुरु पूर्णिमा पर स्कूल शिक्षा तथा उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सभी शैक्षणिक संस्थानों में गुरुओं के सम्मान के लिए आयोजित कार्यक्रम से प्रदेशवासियों को गुरु परंपरा से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। भारतीय त्योहार परंपरा सामाजिक उद्देश्यों से जुड़ी है। संक्रांति का पर्व नारी सशक्तिकरण और गुड़ी पड़वा को विक्रमोत्सव के रूप में मनाया गया है। इसी क्रम में सावन मास को बहनों के त्योहार के रूप में मनाया जाएगा। यह गतिविधियां भारतीय संस्कृति के अनुसार त्योहार मनाने की परंपरा को बनाए रखने में सहायक होंगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग व्यवस्था शुरू

भोपाल, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। प्रदेश के विद्यालयों में शिक्षा को रोज़गार से जोड़ने का कार्य प्राथमिक स्तर पर किया जा रहा है। विद्यार्थी क्षमता अनुसार विषय चुन सकें और अपनी रुचि के अनुसार सही कॅरियर का चयन कर सकें, इसके लिये स्कूलों में विषय विशेषज्ञों के माध्यम से काउंसलिंग की व्यवस्था की गई है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह भोपाल स्थित एक निजी स्कूल के नवगठित छात्र-परिषद के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि सही मायनों में शिक्षा का अर्थ अपने ज्ञान का दूसरों की भलाई में उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र को स्कूल का आदर्श वाक्य 'स्वयं से पहले सेवा' को आत्मसात करना चाहिए।

सिकल सेल के लिए संवेदनशील क्रियान्वयन की आवश्यकता

भोपाल, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में आयुष विभाग की समीक्षा की। 'सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन' के लिए कृत कार्यों एवं आगामी कार्ययोजना पर व्यापक चर्चा हुई। श्री परमार ने कहा कि सिकल सेल एनीमिया रोग के उन्मूलन के लिए मानवीय संवेदना के भावानुरूप दृष्टिकोण स्थापित कर कार्य करने की आवश्यकता है। सिकल सेल एनीमिया रोग, जनजागृति का विषय है और इसके नियंत्रण एवं उन्मूलन के लिए समर्पित तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में सामाजिक अभियान के रूप में क्रियान्वयन किया जाए।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

मध्यप्रदेश आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश संवर्धन नीति-2023 में संशोधन करने की मिली स्वीकृति

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में आईटी/आईटीईएस ईएसडीएम डाटा सेंटर क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम निवेश संवर्धन नीति-2023 में संशोधन करने की स्वीकृति दी गई है। संशोधन अनुसार पात्र निवेशक इकाइयों को मध्यप्रदेश आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम निवेश संवर्धन नीति-2023 का लाभ प्राप्त हो सकेगा। पात्र निवेशक इकाइयों को सिंगल विण्डो क्लियरेंस, केपिटल एक्सपेंडिचर और किराये में सहयोग, सस्ती दरों पर भूमि, स्टॉम्प ड्यूटी और रजिस्ट्री में छूट, मार्केटिंग और क्वालिटी कंट्रोल में सहयोग इस नीति के तहत प्राप्त हो सकेगा। नीति के क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। नीति का लाभ पात्र इकाइयों को प्रदान किए जाने के लिए कंडिका 17 को संशोधित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई

निवाड़ी में अस्थायी पदों के प्रवर्तन की स्वीकृति

मंत्रिपरिषद द्वारा जिला निवाड़ी में स्थानीय निर्वाचन कार्यालय के लिए स्वीकृत 05 अस्थायी पदों का 1 मार्च, 2024 से 28 फरवरी, 2025 तक की अवधि के लिए प्रवर्तन किये जाने का अनुमोदन किया गया है। इन पदों में उप जिलाध्यक्ष (स्थानीय निर्वाचन), सहायक अधीक्षक (स्थानीय निर्वाचन), लेखापाल सह उच्च श्रेणी लिपिक (स्थानीय निर्वाचन), निम्न श्रेणी लिपिक (स्थानीय निर्वाचन), डाटा एन्ट्री ऑपरेटर (संविदा) शामिल हैं।

तीन माह का खाद्यान्न निःशुल्क वितरण का अनुसमर्थन

मंत्रिपरिषद द्वारा कोविड-19 (कोरोना वायरस) के फैलाव को रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य सावधानियों का पालन करने की दृष्टि से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत सम्मिलित पात्र हितग्राहियों को अप्रैल 2021 से जून 2021 तक तीन माह का खाद्यान्न निःशुल्क वितरण के निर्देश एवं व्यय राशि 75 करोड़ 93 लाख 53 हजार 830 रुपये का अनुसमर्थन किया गया।

धुंधडका के सृजन की स्वीकृति

मंत्रिपरिषद द्वारा मंदसौर जिले में नवीन तहसील धुंधडका का सृजन किये जाने की स्वीकृति दी गई है। नवीन तहसील धुंधडका में वर्तमान तहसील मंदसौर (ग्रामीण) के पटवारी हल्का नंबर (प.ह.नं.) 31 से 40 तक, 42 एवं 47 से 61 इस प्रकार कुल 26 पटवारी हल्के समाविष्ट होंगे। निर्णय अनुसार तहसील धुंधडका के गठन के बाद शेष मंदसौर तहसील में तहसील मंदसौर (ग्रामीण) के प.ह.न. 01 से 30, 41 एवं 43 से 46 तक, कुल 35 पटवारी हल्के समाविष्ट होंगे। नवीन तहसील धुंधडका के कुशल संचालन के लिए तहसीलदार का एक, नायब तहसीलदार के 2, सहायक ग्रेड 2 के दो, सहायक ग्रेड 3 के 04, सहायक ग्रेड-3 (प्रवाचक) के 3, जमादार/दफ्तरी/बस्तावरदार का 1, वाहन चालक का 1 और भृत्य के 6। इस प्रकार कुल 20 पद स्वीकृत किये गये हैं।

7 क्षेत्रीय कार्यालयों का सुदृढ़ीकरण

मंत्रिपरिषद द्वारा उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित 7 क्षेत्रीय कार्यालयों के सुदृढ़ीकरण के लिए अतिरिक्त 91 पद और 7 करोड़ 46 लाख रुपये की स्वीकृति दी गयी है। इसमें संसाधन तथा वाहन व्यवस्था सहित योजना पर आने वाले वार्षिक आवर्ती व्यय भार 6 करोड़ 41 लाख रुपये और अनावर्ती व्यय भार 1 करोड़ 5 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी। वर्तमान में 570 शासकीय महाविद्यालय, 909 अशासकीय महाविद्यालय, 16 शासकीय विश्वविद्यालय एवं 54 अशासकीय विश्वविद्यालय संचालित हैं। इनके प्रशासकीय नियंत्रण के लिए 07 संभाग मुख्यालयों पर क्षेत्रीय कार्यालय बनाए गए हैं। इनका सुदृढ़ीकरण किया जायेगा।

नर्मदापुरम के रेशम के धागे से बनेंगी दवाइयां और सेरी बैंडेज

भोपाल, रेशम के धागे से दवाइयां और सेरी बैंडेज बनाने के लिये नर्मदापुरम सिल्क इन्क्यूबेटर एवं शासकीय सरदार वल्लभ भाई पटेल पॉलिटेक्निक कॉलेज भोपाल के बीच मेमोरेन्डम ऑफ अन्डरस्टेन्डिंग (एमओयू) हुआ। ऐसा नवाचार करने के मामले में मध्यप्रदेश, देश का पहला राज्य बन गया है। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल की विशेष रुचि एवं पहल पर टेक टॉक के तहत फाइब्रोहिल कंपनी के श्री विवेक मिश्रा एवं शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रिंसिपल श्री के.वी. राव के बीच में हुए इस एमओयू के तहत अब रेशम से सेरी बैंडेज बनाने की प्रक्रिया को गति मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के सतपुड़ा एवं नर्मदा के वनों का ककून अत्यंत शुद्ध एवं प्रदूषण रहित माना जाता है। उन्हीं ककून से दवाइयां बनायी जायेंगी। इससे पावडर, क्रीम, सेरी बैंडेज, सिजेरीयन ड्रेसिंग, डायबिटिक घाव की ड्रेसिंग तथा ऑपरेशन के बाद की ड्रेसिंग भी बनायी जा सकेंगी। रेशम से समृद्धि योजना के तहत कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग द्वारा वर्तमान में रेशम उत्पादक किसानों को प्रोत्साहन सहायता दी जाती है।

लोक परिसम्पत्तियों का बेहतर प्रबंधन किया जाएगा

भोपाल, मध्यप्रदेश और प्रदेश के बाहर अन्य राज्यों में प्रदेश सरकार की परिसंपत्तियों का उपयोग और बेहतर प्रबंधन का कार्य सुनिश्चित किया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में मध्यप्रदेश परिसंपत्ति प्रबंधन राज्य कंपनी लिमिटेड के संचालक मंडल की बैठक को संबोधित करते हुए कही। परिसंपत्तियों एवं उनकी वर्तमान स्थिति का अध्ययन और सर्वेक्षण कर ऐसी परिसंपत्तियों के उपयोग के संबंध में समयानुसार आवश्यक निर्णय भी लिए जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रदेश हित में परिसंपत्ति का उपयोग हो और व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार हो।

स्वावलंबन भारतीय गांवों की है मुख्य शक्ति

भोपाल, स्वावलंबन ही भारतीय गांव की मुख्य शक्ति और उनकी विशेषता रही है। हजारों वर्षों की गुलामी के बावजूद भारतीय समाज ने अपने सांस्कृतिक स्वरूप और मूल्यों को गाँवों के स्वावलंबन के बल पर ही अक्षुण्ण बनाए रखा है। 'आत्मनिर्भर पंचायत-समृद्ध मध्यप्रदेश' विषय पर संगोष्ठी, पंचायतों और ग्रामों को आर्थिक रूप से अधिक सशक्त और विकास परक बनाने में प्रभावी रूप से सहायक होगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 'आत्मनिर्भर पंचायत-समृद्ध मध्यप्रदेश' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय गांव अनुशासित, संयमित और परम्परा एवं मूल्यों के अनुसार जीवन जीने के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वावलंबी ग्राम की व्यवस्था को सशक्त करने के प्रयासों से ग्रामीण जीवन अधिक सुविधाजनक हो रहा है और ग्रामीणों को प्रगति के भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा हर घर में नल से जल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन संचालित है। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश को 45-45 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराए गए हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के
शहडोल, गुना, झाबुआ, खंडवा,
छतरपुर एवं पिपरिया में
एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

संदीप कुमार

पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के बने निदेशक वित्त

केंद्र सरकार ने संदीप कुमार को पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन में निदेशक वित्त नियुक्त किया है। इस नियुक्ति से पहले संदीप कुमार पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन में कार्यकारी निदेशक थे और मुख्य वित्तीय अधिकारी का पद संभाल रहे थे। संदीप कुमार चार्टर्ड अकाउंटेंट रह चुके हैं और 34 वर्षों से ऊर्जा और वित्तीय क्षेत्र में काम कर रहे हैं। अपने कार्यकाल के दौरान संदीप कुमार ने पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन में कई पदों पर काम किया है।

त्रिपुरदमन सिंह

डैन डेविड पुरस्कार से होंगे सम्मानित

ब्रिटेन में भारतवंशी लेखक त्रिपुरदमन सिंह को प्रतिष्ठित डैन डेविड पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। त्रिपुरदमन सिंह, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमनवेल्थ स्टडीज में शोधार्थी हैं। इस पुरस्कार के लिए नौ शोधार्थियों को चुना गया है, इनमें त्रिपुरदमन सिंह एकमात्र भारतीय हैं। उन्हें पुरस्कार के रूप में तीन लाख डॉलर की धनराशि मिलेगी। उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार डेन डेविड फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष शोधार्थियों को प्रदान किया जाता है।

लीसा नंदी

ब्रिटेन में बनीं संस्कृति मीडिया और खेल मंत्री

ब्रिटेन में नए प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने अपनी कैबिनट का ऐलान कर दिया है। उनकी कैबिनेट में तीन महिलाओं को जिम्मेदारियां मिली हैं, इनमें एक भारतीय मूल की सांसद लीसा नंदी शामिल हैं। उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के विगन संसदीय क्षेत्र से भारी मतों से चुनाव जीतने वाली लीसा नंदी को सरकार में संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्री बनाया गया है। लीसा नंदी ने कहा कि ब्रिटेन के संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग का नेतृत्व करना एक अविश्वसनीय विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन की सांस्कृतिक और खेल विरासत हमारे कस्बों, गांवों और शहरों में फैली हुई है।

आलिया नीलम

लाहौर हाईकोर्ट की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनीं

पाकिस्तान के लाहौर हाईकोर्ट में न्यायाधीश आलिया नीलम ने मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ ली। वह पाकिस्तान के किसी भी हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश बनने वाली दूसरी महिला न्यायाधीश हैं। उनसे पहले वर्ष 2018 में न्यायाधीश ताहिरा सफदर बलूचिस्तान हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश बनी थीं। मुख्य न्यायाधीश नीलम ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की मौजूदगी में अपने पद की शपथ ली। पिछले दो दशक से वकालत कर रहीं न्यायाधीश नीलम ने वर्ष 1995 में लाहौर के पंजाब विश्वविद्यालय से एलएलबी की डिग्री हासिल की थी।

उवेना फर्नांडिस

भारतीय फुटबॉल रेफरी ने लिया संन्यास

भारत की महिला फुटबॉल रेफरी उवेना फर्नांडिस ने फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बताया कि उवेना फीफा के विश्व कप फाइनल में सहायक रेफरी की भूमिका निभाने वाली एकमात्र भारतीय हैं। उन्होंने वर्ष 2016 में जॉर्डन में आयोजित फीफा अंडर-17 विश्वकप में अंपायरिंग की थी। इस विश्वकप के फाइनल में उवेना सहायक रेफरी भी रही थीं। उवेना ने कहा कि मैंने लगभग 20 वर्षों तक रेफरी की भूमिका निभाई है। अब युवाओं के लिए रास्ता बनाने का समय आ गया है। उवेना अब रेफरी मूल्यांकनकर्ता और प्रशिक्षक के रूप में काम करेंगी।

जेनी कैरिगनन

कनाडा की पहली महिला सैन्य प्रमुख बनीं

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने लेफ्टिनेंट जनरल जेनी कैरिगनन को कनाडाई सशस्त्र बल (सीएएफ) का प्रमुख (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) नियुक्त किया है। वह रक्षा स्टाफ के वर्तमान प्रमुख जनरल वेन आयर की जगह लेंगी। कैरिगनन कनाडाई ऑर्मी में सर्वोच्च पद हासिल करने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी हैं। कैरिगनन इससे पहले वर्ष 2008 में लड़ाकू हथियार इकाई की कमान संभालने वाली पहली महिला बनने का गौरव हासिल कर चुकी हैं। कैरिगनन का सैन्य कॅरियर 35 वर्षों से अधिक का है, इस दौरान वे अफगानिस्तान में तैनात हो चुकी हैं। साथ ही उन्होंने इराक में नाटो मिशन का नेतृत्व किया है।

शिखर धवन

मोटोजीपी इंडिया के ब्रांड एंबेसडर बने

यूरोस्पोर्ट इंडिया ने भारत के दिग्गज क्रिकेटर शिखर धवन को भारत में मोटोजीपी का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। धवन अब यूरोस्पोर्ट इंडिया के अभियान 'फेस कर रेस कर' के जरिए लोगों को रेसिंग स्पोर्ट्स के लिए मोटिवेट करेंगे। मोटोजीपी इंडिया का ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने के बाद शिखर ने कहा कि प्रतिष्ठित मोटोजीपी के साथ जुड़ना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत में मोटोजीपी को लेकर बढ़ता उत्साह बेहद रोमांचकारी है, यह मेरे लिए यादगार क्षण है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में भारत के नोएडा में पहली बार मोटोजीपी रेस आयोजित की गई थी, इस रेस को इटली के मार्को बेजेकी ने जीता था। भारत में अगली मोटोजीपी रेस वर्ष 2025 में प्रस्तावित है।

केंजा लेली

दुनिया की पहली मिस एआई वर्ल्ड बनीं

मोरक्को की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जनरेटेड मॉडल केंजा लेली दुनिया की पहली मिस एआई वर्ल्ड चुनी गई हैं। इस प्रतियोगिता में फ्रांस की लालिना दूसरे और पुर्तगाल की ओलिविया तीसरे स्थान पर रहीं, वहीं भारत की एआई मॉडल जारा शतावरी प्रतियोगिता में शीर्ष-10 फाइनलिस्ट में रही। केंजा लेली एक एआई लाइफस्टाइल इन्फ्लूएंसर है। उन्होंने 1500 से अधिक एआई सुंदरियों को हराकर 20 हजार डॉलर का पुरस्कार जीता। एआई मॉडल केंजा को फीनिक्स एआई कंपनी की सीईओ मरियम बेस्सा ने बनाया है। उल्लेखनीय है कि मिस एआई वर्ल्ड दुनिया की पहली एआई ब्यूटी प्रतियोगिता है।

एलएचएस 1140 बी

पृथ्वी से 17 गुना बड़ा महासागर वाला ग्रह मिला

वैज्ञानिकों ने एक ऐसे ग्रह की खोज की है जो पृथ्वी से 17 गुना बड़ा और महासागर वाला है। फ्रांस के सीएनआरएस साइंटिफिक रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने जेम्स वेब टेलीस्कोप की मदद से इस ग्रह की खोज की है। इसे एलएचएस 1140 बी नाम दिया गया है। यह ग्रह पृथ्वी से 48 प्रकाश वर्ष (लगभग 450 ट्रिलियन किलोमीटर) की दूरी पर है। वैज्ञानिकों ने कहा कि इस ग्रह को वर्ष 2017 में पहली बार खोजा गया था, तब से इस पर शोध किया जा रहा था। इस ग्रह की सतह पर ज्यादातर बर्फ है, लेकिन वहां एक बड़ा महासागर हो सकता है। आने वाले दिनों में इस ग्रह पर पानी की पुष्टि हो सकती है।

डॉ. श्रुति हेगड़े

मिस यूनिवर्सल पेटिट बनीं

भारत की 36 वर्षीय डॉ. श्रुति हेगड़े ने अमेरिका के फ्लोरिडा में आयोजित एक सौंदर्य प्रतियोगिता में मिस यूनिवर्सल पेटिट-2024 खिताब जीता है। श्रुति यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। इस प्रतियोगिता में भारत सहित 40 देशों की प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। यह प्रतियोगिता वर्ष 2009 से आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य उन महिलाओं को मौका देना है, जो कम लंबाई के कारण अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले पाती हैं। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक के हुबली में रहने वाली श्रुति पेशे से डॉक्टर हैं। उन्होंने वर्ष 2023 में मिस एशिया इंटरनेशनल का खिताब भी जीता है। वह मिस साउथ इंडिया-2018 भी रह चुकी हैं।

मनोज सोनी

यूपीएससी के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष मनोज सोनी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस्तीफे की वजह निजी कारण बताया है। वर्ष 2017 में यूपीएससी में सदस्य बनने वाले मनोज सोनी मई 2023 में यूपीएससी के अध्यक्ष बने थे। उनका कार्यकाल 6 वर्ष का था, लेकिन उन्होंने इससे पहले ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मनोज सोनी देश के प्रख्यात शिक्षाविद रह चुके हैं। वह वर्ष 2005 में वड़ोदरा के एमएस विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने थे। इसके अलावा वह डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ओपन विश्वविद्यालय के दो बार कुलपति भी रहे हैं।

जेडी वेंस

डोनाल्ड ट्रंप ने बनाया उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दावेदार और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता डोनाल्ड ट्रंप ने ओहायो के सीनेटर जेडी वेंस को उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार चुना है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि लंबे विचार-विमर्श और कई लोगों पर विचार करने के बाद मैंने फैसला किया है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद के लिए सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार ग्रेट स्टेट ऑफ ओहायो के सीनेटर जेडी वेंस हैं। 39 वर्षीय वेंस अमेरिका की मरीन कॉप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने वर्ष 2021 में ओहायो से पहला चुनाव जीता था। वेंस एक समय डोनाल्ट ट्रंप के आलोचक थे, लेकिन अब वह ट्रंप के सहयोगी बन गए हैं।

जेसिका हल

महिलाओं की दो हजार मीटर रेस में बनाया विश्व रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया की महिला धाविका जेसिका हल ने महिलाओं की दो हजार मीटर दौड़ में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। जेसिका ने मोनाको में आयोजित हरक्यूलिस ईबीएस वांडा डायमंड लीग मीट में यह रिकॉर्ड बनाया। इस प्रतियोगिता में जेसिका ने 5 मिनट 19.70 सेकेंड में दो हजार मीटर की दूरी तय कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड इथियोपिया की जेनजेबे डिबाबा के नाम था, डिबाबा ने वर्ष 2018 में 5 मिनट 21.56 सेकेंड का समय लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। जेसिका ने कहा कि मेरा लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में भी अपना यह प्रदर्शन दोहराना है।

गैरेथ साउथगेट

इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कोच ने दिया इस्तीफा

इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के कोच गैरेथ साउथगेट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। यूरो कप के फाइनल में स्पेन के हाथों मिली खिताबी हार के बाद निराश साउथगेट ने कहा कि इंग्लैंड की टीम को कोचिंग देना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैंने इसके लिए अपना सब कुछ दिया है, लेकिन अब बदलाव का समय है। इंग्लैंड की टीम के साथ साउथगेट का करार इस वर्ष के अंत तक था, लेकिन उन्होंने इससे पहले ही टीम से अलग होने का फैसला किया है। साउथगेट वर्ष 2016 में टीम के कोच बने थे, उनकी कप्तानी में टीम दो बार यूरो कप के फाइनल और वर्ष 2018 के फीफा विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची थी।

स्मृति शेष

कन्नड़ अभिनेत्री अपर्णा वास्तारे का निधन

दक्षिण भारतीय सिनेमा की अभिनेत्री और एंकर अपर्णा वास्तारे का 57 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह लंग कैंसर से पीड़ित थीं। अपर्णा ने वर्ष 1984 में कन्नड़ फिल्म 'पुट्टन्ना कनागल' से अभिनय की शुरुआत की। इसके अलावा उन्होंने 'मसानंद हुवु', 'संग्राम' और 'ओंटी सलागा' जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। 1990 के दशक में अपर्णा ने ऑल इंडिया रेडियो में रेडियो जॉकी और डीडी चंदना में एंकर के रूप में काम किया। इसके बाद उन्होंने 'मूडला माने' और 'प्रीति इडला मेले' जैसे लोकप्रिय टीवी सीरियलों में भी काम किया।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बिली इबादुल्ला का निधन

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बिली इबादुल्ला का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। बिली पदार्पण टेस्ट मैच में शतक बनाने वाले पाकिस्तान के पहले क्रिकेटर हैं। उन्होंने वर्ष 1964 में कराची में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था और पहली पारी में 166 रनों की पारी खेली थी। इस पारी के दौरान बिली ने एक और डेब्यूटेंट बल्लेबाज अब्दुल कादिर के साथ पहले विकेट के लिए 249 रनों की ओपनिंग साझेदारी की थी। यह रिकॉर्ड अब तक कायम है। हालांकि बिली का कॅरियर बहुत छोटा रहा। उन्होंने पाकिस्तान के लिए महज 4 टेस्ट मैच खेले हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर

राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा- 2024, परीक्षा दिनांक 23.06.2024 (रविवार)

परीक्षा परिणाम

विज्ञप्ति क्र.-5427/08/2024/अनु.-10 **इंदौर दिनांक : 20.07.2024**

आयोग द्वारा विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक-41/2023/30.12.2023, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 18.02.2024 (1) शुद्धि पत्र क्रमांक- 02/40/2023 दिनांक 20.03.2024 (राज्य सेवा/राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 प्रारंभिक परीक्षा की तिथि में परिवर्तन की सूचना।) के अंतर्गत कुल-14 पदों हेतु राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 (राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 के साथ सम्मिलित रूप से) दिनांक 23.06.2024 (रविवार) को दो सत्रों में प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय प्रश्न पत्र सामान्य अभिरुचि परीक्षण अपरान्ह 02:15 से 04:15 तक प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों पर परीक्षा आयोजित की गई थी।

02. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की श्रेणीवार कुल संख्या निम्नानुसार थी :-

पद का नाम	कुल पद	रिक्तियों की श्रेणीवार संख्या				
		UR	SC	ST	OBC	EWS
सहायक वन संरक्षक	14	4	3	3	3	1
मुख्य भाग (87%)	13	4	3	3	2	1
प्रावधिक भाग (13%)	1	1	-	-	1	-

03. राज्य सेवा परीक्षा-2019 के संबंध में माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित याचिकाओं के अंतरिम आदेशों के परिप्रेक्ष्य में एवं सामान्य प्रशासन विभाग, म.प्र. भोपाल के "पत्र क्रमांक- एफ 07-46/2021/आ. प्र./एक. भोपाल, दिनांक 29 सितंबर 2022 के प्रकाश में विज्ञापन क्रमांक - 41 / 2023 / 30.12.2023, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 18.02.2024 (राज्य वन सेवा परीक्षा-2024 के अन्तर्गत विज्ञापित पदों हेतु मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग की जानकारी) के अनुसार आयोग द्वारा अपनी बैठक दिनांक 10.07.2023 के निर्णय क्र. - 55 में उल्लेखित प्रक्रिया का पालन करते हुए प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है :--

1. सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
2. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने-अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का अभिवचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यतः प्राप्त किया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग के "पत्र क्रमांक- एफ 07-46/2021/आ.प्र./ एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022" में दिए गए निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु) विज्ञापन क्रमांक - 41/2023/30.12.2023, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 18.02.2024 के द्वारा प्रकाशित किया गया है। तद्नुसार अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद-3 है जिसके मुख्य भाग में 14 प्रतिशत के मान से कुल 2 पद तथा प्रावधिक भाग में 13 प्रतिशत के मान से कुल-1 पद प्रकाशित किया गया है। राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2023 के परीक्षा परिणाम में **मुख्य भाग-अ** के लिए कुल विज्ञापित पदों के 20 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से मुख्य परीक्षा हेतु अर्ह कुल - 284 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है।

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION

STATE FOREST SERVICE PRELIMINARY EXAMINATION 2024 - PART A (MAIN)

ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1	100183	37	108985	73	116123	109	125155
2	100510	38	109320	74	116148	110	125499
3	100549	39	109423	75	117073	111	126071
4	100858	40	110089	76	117261	112	126427
5	101118	41	110166	77	117532	113	126608
6	101183	42	110624	78	117878	114	126672
7	101334	43	110742	79	118281	115	126712
8	101478	44	110823	80	119189	116	127832
9	101537	45	110979	81	119375	117	127891
10	101543	46	111110	82	120259	118	128523
11	101555	47	111211	83	120326	119	128527
12	101604	48	111241	84	120354	120	128638
13	102283	49	111253	85	120630	121	129215
14	102722	50	111355	86	120672	122	130395
15	103434	51	111500	87	120988	123	130859
16	103539	52	111870	88	121161	124	130896
17	103590	53	112015	89	121280	125	131144
18	104283	54	112019	90	121425	126	131377
19	104853	55	112094	91	121561	127	132538
20	105074	56	112131	92	121680	128	132839
21	105133	57	112312	93	121712	129	132910
22	105281	58	112437	94	121801	130	132970
23	105756	59	112456	95	122188	131	133039
24	106259	60	113309	96	122434	132	133797
25	106846	61	113343	97	122710	133	135603
26	107214	62	113587	98	122763	134	135934
27	107229	63	113634	99	122796	135	135986
28	107315	64	114172	100	122828	136	136497
29	107387	65	114375	101	122847	137	136901
30	107591	66	114417	102	122958	138	137823
31	107615	67	114785	103	123192	139	139463
32	107710	68	115092	104	123210	140	140098
33	108080	69	115562	105	123427	141	143007
34	108493	70	115718	106	123648	142	143024
35	108540	71	115937	107	124211	143	145474
36	108929	72	116072	108	124663	144	145985
145	147558	180	188978	215	216971	250	238010
146	151268	181	189003	216	217023	251	238129
147	152278	182	190449	217	219811	252	239451
148	154027	183	190618	218	220287	253	239564
149	154337	184	190740	219	220531	254	239665
150	155487	185	191347	220	220685	255	243055
151	156582	186	192680	221	221311	256	244146
152	157191	187	192810	222	221480	257	244180
153	157777	188	193652	223	221627	258	245651
154	159201	189	194127	224	222115	259	245837
155	159725	190	194394	225	223018	260	248504
156	160680	191	194715	226	223341	261	250117
157	161357	192	197377	227	223917	262	252671
158	161474	193	197562	228	224284	263	253600
159	161975	194	198977	229	224409	264	257388
160	164306	195	201104	230	224709	265	258282
161	165076	196	201859	231	224968	266	259625
162	165081	197	203423	232	226983	267	259883
163	165731	198	205010	233	227759	268	259918
164	166282	199	205270	234	227909	269	261949
165	166885	200	207101	235	228167	270	261962
166	168715	201	210331	236	230244	271	262439
167	169900	202	211459	237	230347	272	264109
168	170828	203	213351	238	231112	273	264263
169	173707	204	214054	239	231150	274	267596
170	179191	205	214121	240	231826	275	267689
171	181645	206	214469	241	232304	276	268679
172	182963	207	214518	242	232649	277	268694
173	183785	208	214519	243	232964	278	272216
174	183932	209	214610	244	233002	279	273458
175	183993	210	214612	245	233311	280	274861
176	184905	211	215207	246	233359	281	278547
177	188024	212	215668	247	234520	282	278996
178	188194	213	215887	248	235523	283	281446
179	188458	214	216185	249	237193	284	281533

प्रावधिक भाग-ब के लिये विज्ञापित पदों के 20 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से अर्ह कुल-44 अभ्यर्थियों का अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION

STATE FOREST SERVICE PRELIMINARY EXAMINATION 2024 - PART B (PROVISIONAL)

ROLL NUMBER WISE LIST OF SELECTED CANDIDATES

S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.	S.No.	Roll No.
1	102544	12	118002	23	129647	34	218855
2	103253	13	120443	24	129835	35	221230
3	106085	14	122973	25	150928	36	226491
4	107638	15	123713	26	160657	37	227303
5	110721	16	124252	27	172190	38	241560
6	111160	17	125692	28	181027	39	247201
7	113097	18	125900	29	187248	40	249117
8	113800	19	126409	30	200964	41	252880
9	117072	20	127218	31	208241	42	259226
10	117548	21	127424	32	212089	43	261613
11	117571	22	127698	33	217393	44	270757

महत्वपूर्ण टीप :-

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी राज्य वन सेवा परीक्षा - 2024 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. राज्य सेवा वन मुख्य परीक्षा - 2024 की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
6. मुख्य परीक्षा हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रमाणिक मानी जाएगी।
7. उपरोक्तानुसार जारी प्रावधिक लिखित परीक्षा परिणाम का अंतिम चयन परिणाम माननीय उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू. पी. - 5901/2019, 5596/2024 2108/2022 एवं समान अन्य याचिकाओं व माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका क्रमांक- एस.एल.पी. 12393/2023 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उपरोक्त परीक्षा से संबंधित प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
8. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
9. आयोग की बैठक दिनांक 30.10.2023 में लिए गए निर्णय क्रमांक - 31 के अनुसार राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2024 की अंतिम उत्तरकुंजी में विलोपित किए गए प्रश्नों के अंक परीक्षा में सम्मिलित समस्त अभ्यर्थियों को समान रूप से प्रदाय किए गए हैं अर्थात् दोनों प्रश्न पत्रों के न्यूनतम उत्तीर्णांक की गणना हेतु निर्धारित पूर्णांक यथावत हैं। निर्धारित पूर्णांक के आधार पर ही मेरिट गुणानुक्रम की गणना की गई है।

G-13959/R-49874/2024 **उप परीक्षा नियंत्रक**

कॅरियर की राहें

डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट के कॅरियर का स्वर्णिम दौर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

यकीनन देश और दुनिया में इस समय डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स सेक्टर में कॅरियर का चमकीला दौर उभरता दिखाई दे रहा है। इन दोनों सेक्टरों में बेहतर निर्णय लेने होते हैं और विकास को पाने के मद्देनजर मिल-जुलकर काम करने का लक्ष्य होता है। ये दोनों कॅरियर एक दूसरे के पूरक हैं। डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स दोनों ही एक सांख्यिकीय पृष्ठभूमि साझा करते हैं। डेटा साइंस कंप्यूटर विज्ञान और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग की ओर अधिक झुकाव रखता है और मुख्य रूप से मॉडल बनाने या अनुशंसा प्रणाली बनाने के लिए सॉफ्टवेयर उत्पादन के दौरान डेटा का उपयोग करने पर केंद्रित है। डेटा एनालिटिक्स के तहत डेटा ढूँढ़ना और उसका उपयोग करके व्यवसायों को बेहतर निर्णय लेने में मदद करना शामिल है। डेटा एनालिस्ट का कार्य डेटा एकत्र करना, डेटा को संभालना, डेटा का विश्लेषण करना और रिपोर्ट बनाना है।

गौरतलब है कि डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स दोनों ही आधुनिक तकनीक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। निश्चित रूप से अच्छी तरह से संचालित डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स विभागों वाले व्यवसायों को अन्य कंपनियों की तुलना में लाभ होता है। डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट उन पेशेवरों को कहा जाता है, जिनके पास प्रोग्रामिंग, स्टैटिस्टिक्स, एप्लाइड मैथेमेटिक्स और कम्प्यूटर की अच्छी जानकारी होती है। इनके पास किसी भी तरह के डेटा को बेहतर तरीके से विजुअलाइज करने की विलक्षण क्षमता होती है। डेटा साइंटिस्ट विभिन्न सेक्टरों द्वारा दिए गए उलझाऊ और जटिल डेटा में से अहम जानकारियों को बारीकी से खंगालते हैं। यह एक ऐसा विज्ञान है, जो आँकड़ों के माध्यम से आज की वस्तुस्थिति का आकलन करते हुए भविष्य का संभावित रास्ता बताता है। वस्तुतः सही तरह के डेटा जुटा लेना ही सफलता के लिए पर्याप्त नहीं है, अपितु सफलता ऐसा एनालिटिकल टूल विकसित करने में है, जो कारोबारी नतीजों पर फोकस करता हो।

भारत समेत दुनियाभर के उद्योग-कारोबार और शोध कार्य में डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट की मांग तेजी से बढ़ेगी। इनका कार्य मौजूदा डेटा में नए संबंध खोजने और व्यवसायों के लिए सामान्य विकास रणनीति में सुधार करने के लिए नया डेटा संग्रह बनाने तथा परिचालन मॉडल विकसित करने से संबंधित है। वर्तमान समय में हम किसी भी प्रकार के व्यावसायिक निर्णय लेने के लिए डेटा पर बहुत अधिक निर्भर हैं। डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स ने उन तरीकों, उपकरणों और तकनीकों को पेश करके एक अभिन्न भूमिका निभाई है जो एक बेहतर डेटा-संचालित निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्राप्त करने में मदद करते हैं। इससे व्यवसाय परिदृश्य में क्रांति आ रही है। ऑनलाइन एजुकेशनल प्लेटफॉर्म कोर्सेरा के अनुसार 2026 तक भारत में डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट की 1 करोड़ से अधिक नौकरियां निर्मित हो सकती हैं क्योंकि भारत में इन दिनों डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मौजूद हर कंपनी इस स्किल की सेवाएँ ले रही है। सरकारी कामकाज में भी इस तकनीक का उपयोग हो रहा है। प्रसिद्ध स्टाफिंग फर्म एक्सफेनो तथा ब्लू ओसियन मार्केट इंटेलिजेंस की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में डेटा साइंस के क्षेत्र में रोज़गार के चमकीले अवसर बढ़ रहे हैं।

वर्ष 2026 तक डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स में 1 करोड़ से अधिक होंगी नौकरियां

डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स में कॅरियर के मौकों से संबंधित विभिन्न रिपोर्टों में बताया जा रहा है कि आने वाले वर्षों में

डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स की उद्योग-कारोबार में अहमियत

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि कई कंपनियों ने डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स की मदद से अपने ग्राहक संबंधी डेटा के व्यापक संग्रहण और विश्लेषण के बाद कंपनी के नतीजों में चमत्कारिक सुधार किए हैं। गूगल, अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील, फेसबुक, माइक्रोसॉफ्ट आदि कंपनियां डेटा साइंस के इस्तेमाल से अपने कारोबारी प्रतिद्वंद्वियों को जबरदस्त चुनौती दे रही हैं।

स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स तेजी से हमारे दैनिक जीवन का अंग बन गया है। हमारे दैनिक जीवन में मनोरंजन, ज्ञान और विभिन्न समाचारों के लिए हम जिस यूट्यूब का उपयोग करते हैं, वह डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स के उपयोग पर ही आधारित है। यूट्यूब हमें वीडियो सजेस्ट करने के लिए हमारे डेटा का ही उपयोग करता है। इसी तरह नेटफ्लिक्स हमें उन टीवी शो या फिल्मों को दिखाता है, जो कुछ हद तक हमारे द्वारा पूर्व में देखे गए डेटा से संबंधित हैं। डेटा साइंस एवं डेटा एनालिटिक्स के कारण स्टार्टअप व घरेलू कारोबार में भी रोज़गार के मौके बढ़ गए हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि डेटा साइंस ने हेल्थकेयर के क्षेत्र में भी जीवन को आसान बना दिया है और हेल्थकेयर में रोज़गार के मौके भी बढ़ाए हैं। डेटा साइंस के उपयोग से भविष्यवाणी के आधार पर एक रोगी के लिए पर्याप्त दवा भी तैयार की जा सकती है। डेटा साइंस ने खिलाड़ियों और स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों के जीवन को भी आसान बना दिया है।

भारत में डेटा सेंटरों में तेजी से बढ़ रहे हैं कॅरियर के मौके

देश में डेटा सेंटर बढ़ने का कारण भारत में डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट की गुणवत्तापूर्ण सरल आपूर्ति भी है। भारत के तकनीकी विकास और नवाचार से संबंधित वैश्विक रिपोर्टों में भारत का कद लगातार बढ़ रहा है। प्रसिद्ध कंसलटेंसी फर्म केपीएमजी के ग्लोबल टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री इनोवेशन सर्वे के मुताबिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स के क्षेत्र में नई खोजों और अनुसंधान के मामले में भारत दुनिया में चीन के साथ दूसरे नंबर पर है। इसी तरह हाल ही में ब्लूमबर्ग के द्वारा प्रकाशित की गई रिपोर्ट में दुनिया के 135 देशों की अर्थव्यवस्थाओं को नवाचार (इनोवेशन) के आधार पर जिन पाँच समूह में विभाजित किया गया है, उनके तहत भारत को तीसरे समूह के देशों में शामिल किया गया है। वैश्विक इनोवेशन रैंकिंग का यह वर्गीकरण संस्थाओं की गुणवत्ता, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, बिजनेस क्लाइमेट एवं मानव संसाधन के आधार पर तैयार किया गया है।

यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि भारत में लगातार नवाचार बढ़ने से अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारतीय आईटी प्रतिभाओं के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने के लिए भारत में अपने ग्लोबल इनहाउस सेंटर (जीआईसी) तथा वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) को तेजी से बढ़ाते हुए दिखाई दे रही हैं। इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध और विकास को बढ़ावा देने के लिए लागत और प्रतिभा के अलावा नई प्रौद्योगिकी पर इनोवेशन और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते हुए भी वैश्विक कंपनियां भारत का रुख कर रही हैं। नैसकॉम और डेटा एनालिटिक्स के कौशल की रिपोर्ट-2024 के मुताबिक भारत में इस समय तकरीबन 1600 जीसीसी हैं जिनमें डेटा साइंस से प्रशिक्षित 16.6 लाख लोग

कार्यरत हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2025 तक भारत में 1500 से ज्यादा जीसीसी होंगे। इनमें 20 लाख लोगों को रोज़गार मिलेगा।

डेटा साइंस एवं डेटा एनालिटिक्स में कॅरियर के बहुआयामी मौके

डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स का कोर्स करने के उपरांत जिन विभिन्न क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर उपलब्ध हैं, उनमें डेटाबेस एंड इंफॉर्मेशन इंटिग्रेशन, क्लाउड कंप्यूटिंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, सोशल और इंफॉर्मेशन नेटवर्क, वेब इंफॉर्मेशन एक्सेस, बिजनेस डेटा एनालिसिस प्रमुख रूप से शामिल हैं। डेटा साइंस में विशेषज्ञता हासिल कर डेटा साइंटिस्ट, सीनियर इंफॉर्मेशन एनालिस्ट, इंफॉर्मेशन ऑफिसर, डेटा ऑफिसर, सॉफ्टवेयर टेस्टर, सपोर्ट एनालिस्ट, डेटा मैनेजर, डेटा कलेक्टर, डेटा डिजाइनर, डेटा मोडिफायर, डेटा साइंटिस्ट जैसे उच्च व प्रतिष्ठित पदों पर काम मिलता है। अनुभव और दक्षता के आधार पर अच्छे पैकेज बढ़ते जाते हैं।

डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट के लिए जरूरी स्किल्स

डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट बनने के लिए कुछ विशेष स्किल्स की जरूरत होती है। इन दोनों कॅरियर के लिए कम्प्यूटर साइंस, मैथ्स, सांख्यिकी की पृष्ठभूमि फायदेमंद है। एमएस-एक्सेल, मशीन लर्निंग, प्रोग्रामिंग भाषाएँ जैसे पाइथन, जावा, आरएसएस के साथ डेटा विजुअलाइजेशन टूल्स की जानकारी लाभप्रद होती है। सही अपस्किलिंग भी बेहतर मुकाम दिला सकती है। पेशेवरों के लिए भी अपस्किलिंग बहुत फायदेमंद है।

डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट बनने के लिए इंजीनियरिंग अथवा मैथेमेटिक्स या स्टैटिस्टिक्स में बैचलर डिग्री होना जरूरी है। देश में डेटा साइंस तथा डेटा एनालिटिक्स स्पेशलाइज़ेशन में कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। ये कोर्स सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स के रूप में हैं। इन विभिन्न कोर्सों में एडवांस्ड सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन बिजनेस एनालिटिक्स, एडवांस्ड बिजनेस एनालिटिक्स एंड बिजनेस ऑप्टिमाइजेशन प्रोग्राम, मास्टर्स इन मैनेजमेंट (टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड बिजनेस एनालिटिक्स), पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन मार्केट रिसर्च एंड डेटा एनालिटिक्स, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन बिजनेस एनालिटिक्स आदि शामिल हैं। कई युनिवर्सिटी के ऐसे ऑनलाइन कोर्स भी ज्यादा लाभप्रद हैं।

निस्संदेह इस समय तेजी से डिजिटल होती हुई दुनिया में डेटा साइंस और एनालिटिक्स में विशेषज्ञता रखने वालों का सुनहरा दौर चल रहा है। इस सेक्टर के कॅरियर में तुलनात्मक रूप से अच्छा वेतन है। चूँकि इस सेक्टर में सप्लाई-डिमांड में काफी अंतर है, जिससे डेटा साइंटिस्ट और डेटा एनालिस्ट को लगातार अच्छे ऑफर के साथ नौकरी में प्रगति का मौका भी होता है।

डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स का कोर्स कहाँ से करें?

डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स से संबंधित कोर्स देश के प्रमुख इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट और डेटा साइंस से संबंधित विभिन्न संस्थानों में उपलब्ध हैं। ऐसे में डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स के कॅरियर के लिए उपयुक्त कॅरियर स्किल्स रखने वाले युवा उपयुक्त गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक संस्थान से अपने अनुकूल उपयुक्त कोर्स करके डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स में कॅरियर की चमकीली डगर पर आगे बढ़ सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

हमारा जिला- इंदौर

होल्कर शासकों की भव्यता, सांस्कृतिक तथा समृद्ध व्यापारिक पृष्ठभूमि का प्रमाण है इंदौर

मध्यप्रदेश विविधता से समृद्ध है। प्रदेश के हर क्षेत्र की अपनी विशेषता है, क्षमता है और दक्षता है। यहां का प्रत्येक जिला अपना इतिहास, कला, संस्कृति, परंपरा, उपज और अन्य क्षेत्रीय विशेषताएं लिए हुए हैं। 'रोज़गार और निर्माण' के हमारा जिला स्तम्भ में हम मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से आपको परिचित करवा रहे हैं। इस अंक में प्रस्तुत है इंदौर जिले का परिचय-

इंदौर मालवा पठार पर स्थित छोटी नदी के रूप में सरस्वती और खान के तट पर स्थित है। यह छोटी नदियां शहर के केंद्र में मिलती हैं, जहां संगमनाथ का 18वीं सदी का एक छोटा मंदिर है। इसे इंद्रेश्वर भी कहते हैं। इंदौर का नाम इंद्रेश्वर के ही नाम पर है। इंदौर मध्य भारत में मध्यप्रदेश राज्य का सबसे बड़ा शहर है। यहां की जनसंख्या 32,76,697 (2011 की जनगणना) है। यह मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी है। इंदौर शहर ऐतिहासिक अतीत तथा तेजी से भविष्य के आधुनिकीकरण की ओर बढ़ता हुआ शहर है।

इतिहास

इंदौर के इतिहास से पता चलता है कि शहर के संस्थापकों के पूर्वज मालवा के वंशानुगत जमींदार और स्वदेशी भूस्वामी थे। उन्होंने होल्कर के आगमन के बाद भी एक हाथी, निशान, डंका और गाड़ी सहित अपनी संपत्ति को बनाए रखा। उन्होंने दशहरा (शमी पूजन) की पहली पूजा करने का अधिकार भी बरकरार रखा। मुगल काल के दौरान इन परिवारों को औरंगजेब, आलमगीर और फ़र्रूख़शियर ने अपने जागीर के अधिकारों की पुष्टि करते हुए सनद दी थी।

मध्यप्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र पर स्थित इंदौर प्रदेश के सबसे महत्वपूर्ण वाणिज्यिक केंद्रों में से एक है। इंदौर का समृद्ध कालानुक्रमिक इतिहास उल्लेखनीय है। पूर्व में भी यह एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र था, लेकिन अब कॉर्पोरेट फर्मों और संस्थानों के प्रवेश के साथ देश के वाणिज्यिक क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि प्राप्त है। होल्कर राजवंश के मल्हारराव होल्कर ने 1733 में मालवा की विजय के बाद इंदौर को प्राप्त किया। ईस्ट इंडिया कंपनी के आगमन के साथ इंदौर के इतिहास में तीव्र मोड़ आया।

इंदौर के होल्करों ने 1803 में अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध में भाग लिया था। अंततः 1817-1818 में तीसरे एंग्लो-मराठा युद्ध में होल्कर राजवंश को हार का सामना करना पड़ा और अपने शासन के प्रदेशों का बड़ा हिस्सा छोड़ना पड़ा। यही नहीं अंग्रेजों ने उनके उत्तराधिकार में भी हस्तक्षेप किया। भारतीय स्वाधीनता संग्राम में इंदौर की महती भूमिका रही। स्वतंत्रता के बाद 1947 में यह भारत गणराज्य में शामिल हो गया।

राजवाड़ा

राजवाड़ा महल इंदौर पर्यटन के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। राजवाड़ा, होल्कर राजवंश के शासकों की ऐतिहासिक हवेली

है। इस महल का निर्माण लगभग 200 साल पहले हुआ था। वर्तमान में यह महल पर्यटकों के लिए एक विशेष आकर्षण रखता है। इस महल की वास्तुकला, फ्रेंच, मराठा और मुगल वास्तुशैलियों का मिश्रण है। यह शहर के बीचों-बीच स्थित है, इस महल का प्रवेशद्वार सुंदर तथा भव्य है। एक विशाल तोरण, महल के प्रवेश द्वार के रूप में है। लकड़ी और लोहे से निर्मित राजसी संरचना से बना महल का प्रवेश द्वार यहां आने वाले हर पर्यटक को आकर्षित करता है। यह पूरा महल लकड़ी और पत्थर से निर्मित है। बड़ी-बड़ी खिड़कियां, बालकनी और गलियारे, होल्कर शासकों और उनकी भव्यता का प्रमाण हैं।

महात्मा गांधी हॉल

महात्मा गांधी हॉल, इंदौर की ऐतिहासिक इमारतों में से एक है। इस हॉल

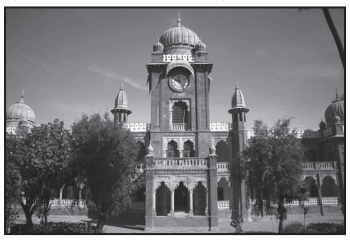

का निर्माण 1904 में करवाया गया था और इसका नाम किंग एडवर्ड हॉल रखा गया था। भारत की स्वतंत्रता के बाद, इस भव्य हॉल का नाम 1948 में बदलकर महात्मा गांधी हॉल कर दिया गया। इस हॉल का निर्माण भारतीय-गोथिक शैली में किया गया है जिसे मुंबई के चार्ल्स फ्रेडरिक स्टीवंस ने डिजाइन किया था। इस हॉल की वास्तुकला आश्चर्यचकित कर देने वाली है। शहर में इसे टाउन हॉल के नाम से भी जाना जाता है। हॉल में पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण एक घड़ी टॉवर है। चारों तरफ मुंह वाला यह टॉवर हॉल के बीचों–बीच स्थित है, यह एक गुंबद से घिरा है। इस टॉवर को घड़ी की वजह से क्लॉक टॉवर या घंटाघर भी कहा जाता है। खुली छत, सजावटी पट्टियां, ऊंची छतें, सुसज्जित कमरे और मीनारें आदि इस हॉल को भव्यता प्रदान करते हैं। इस हॉल में एक समय में 2000 लोग एकत्रित हो सकते हैं। यहां बच्चों के लिए पार्क और एक पुस्तकालय भी है।

लाल बाग महल

लाल बाग महल, इंदौर के सबसे शानदार महलों में से एक है। यह महल खान

नदी के तट पर तीन मंजिला इमारत के रूप में खड़ी संरचना है। इस महल का निर्माण महाराजा शिवाजी राव होल्कर ने करवाया था। इस महल का उपयोग होल्कर शाही परिवार के द्वारा मेजबानी में किया जाता था।

लाल बाग पैलेस, इंदौर के सबसे अनूठे तथा प्रसिद्ध महलों में से एक है जिसकी वास्तुकला बेहद अनूठी है। इस महल में होल्कर शासकों की जीवन शैली की झलक देखने को मिलती है। महल में भारत का सबसे सुंदर गुलाबों का बगीचा भी है। महल का प्रवेश द्वार बेहद सुंदर है। लाल बाग महल को भारत और इटली के कई चित्रों तथा मूर्तियों से सजाया गया है। इस महल की दीवारों पर तथा छत पर नक्काशी बनी हुई है। महल में एक सिक्का संग्रहालय भी है। 28 एकड़ में फैले इस महल को एक संग्रहालय में बदल दिया गया है।

केंद्रीय संग्रहालय

इंदौर संग्रहालय, इंदौर शहर की विरासत को सहेजे हुए है। इस संग्रहालय को केंद्रीय संग्रहालय के नाम से भी जाना जाता है। इस संग्रहालय द्वारा इंदौर की समृद्ध सभ्यता का विकास, इतिहास, संस्कृति और परंपरा की जड़ों को जाना जा सकता है। संग्रहालय में परमार मूर्तियों की विस्तृत जानकारी है। उल्लेखनीय है कि परमार मूर्तियों की उत्पत्ति इंदौर में ही हुई थी। इंदौर संग्रहालय में समृद्ध और विविध हिंदू और जैन धर्म की कई मूर्तियां हैं। इस संग्रहालय में प्रागैतिहासिक काल की कलाकृतियों, सिक्कों, हथियार और पौराणिक नक्काशियों आदि का काफी उत्तम संग्रह है। यह संग्रहालय, इंदौर का इतिहास जानने के लिए सबसे अच्छा स्थल है।

जानापाव कुटी

जानापाव को जानापाव कुटी भी कहा जाता है, जो समुद्र तल से 881 मीटर की ऊंचाई पर एक पर्वत है और इंदौर-मुंबई

राजमार्ग पर स्थित एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। यह मध्यप्रदेश के इंदौर जिले के महू तहसील में जानापाव कुटी के गांव के पास है। इंदौर से 45 किलोमीटर दूरी पर स्थित यह स्थान पहाड़, घने जंगलों से घिरा हुआ है और मालवा क्षेत्र का दूसरा सबसे ऊंचा स्थान माना जाता है। जानापाव महर्षि परशुराम जी की जन्म स्थली है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और साहसिक मार्गों के लिए ट्रेकर्स के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां हर साल कार्तिक पूर्णिमा पर मेला लगता है।

रालामंडल अभयारण्य

यह मध्यप्रदेश का सबसे पुराना अभयारण्य है। रालामंडल वन्यजीव

अभयारण्य की विशेषता है यहां के हिरण, जंगली बाघ और विशेष किस्म के पक्षी। नर्मदा नदी इस अभयारण्य के वनों को आधार प्रदान करती है।

पर्यटन स्थल

अन्नपूर्णा मंदिर - अन्नपूर्णा मंदिर जहां तीर्थयात्रियों के लिए आस्था का स्थल

है वहीं पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। देवी अन्नपूर्णा को समर्पित मंदिर परिसर में, शिव, हनुमान और कालभैरव के मंदिर भी हैं। मंदिर का प्रवेश द्वार हाथियों की चार मूर्तियों से सुशोभित है। मंदिर का स्थापत्य वैभव पर्यटकों को आकर्षित करता है।

चोरल डेम- इंदौर जिले के महू में चोरल डैम है। यह नर्मदा नदी के बैकवाटर

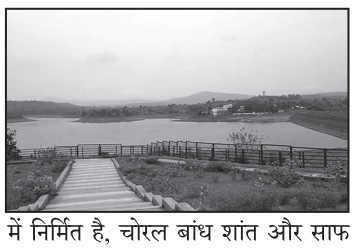

में निर्मित है, चोरल बांध शांत और साफ पानी से समृद्ध है। बड़ी संख्या में हरे-भरे पेड़ और छोटी-छोटी पहाड़ियां इस क्षेत्र को आकर्षक बनाती हैं। यहां के मनोरम दृश्य मंत्रमुग्ध करते हैं। यहां सूर्यास्त तथा सूर्योदय का समय प्राकृतिक आनंद की अनुभूति में सराबोर कर देता है। चोरल डैम पर्यटकों के लिए एक आदर्श स्थान है।

नौका विहार- चोरल बांध के निर्मल स्वच्छ पानी में नौका विहार की व्यवस्था है। नाव की सवारी और इस जगह की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है।

पिकनिक- चोरल डेम का साफ नीला पानी, हरे-भरे पेड़ और अंतहीन बादल वाला आसमान पिकनिक मनाने के लिए शानदार पृष्ठभूमि प्रदान करता है। चोरल डैम का ठंडा पानी और प्राकृतिक सुंदरता तरोताजा होने के लिए एक आदर्श स्थान है। यहां प्रकृति की गोद में एक शानदार भोजन का आनंद लिया जा सकता है।

डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर जन्मभूमि, महू- मध्यप्रदेश के महू में स्थित बाबासाहेब अम्बेडकर को समर्पित एक स्मारक है। यह भारतीय संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का जन्म स्थान है। बाबा साहेब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू में हुआ था। उनकी जन्म स्थली पर भव्य स्मारक का निर्माण किया गया। इस स्मारक का लोकार्पण अंबेडकर जी की 100 वीं जयंती पर किया गया था।

पातालपानी - पातालपानी जलप्रपात इंदौर जिले की महू तहसील में है। यह झरना लगभग 300 फीट ऊंचा है। पातालपानी के आसपास का क्षेत्र एक लोकप्रिय पिकनिक और ट्रेकिंग स्थल है। पानी का प्रवाह वर्षा के मौसम के तुरंत बाद (आमतौर पर जुलाई के बाद) सबसे अधिक होता है। गर्मी के मौसम में धारा कम हो जाती है।

खजराना मंदिर- इंदौर शहर और आसपास के अन्य शहरों के नागरिकों के लिए खजराना गणेश मंदिर आस्था का केन्द्र है। खजराना गणेश मंदिर का निर्माण रानी अहिल्याबाई होल्कर ने करवाया था। यह मंदिर भारत के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। बड़ी संख्या में लोग दर्शन करने के लिए इस मंदिर में आते हैं। एक स्थानीय मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में पूजा करने पर भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। मंदिर में विनायक चतुर्थी उत्सव स्वरूप में मनाई जाती है। गणेश उत्सव के समय यहां भव्य स्वरूप में आयोजन किया जाता है।

पिछले कुछ वर्षों में मंदिर का भव्य निर्माण हुआ है। यह एक छोटी झोपड़ी से एक विशाल मंदिर और शहर में सबसे प्रतिष्ठित मंदिर के रूप में स्थापित है। गर्भगृह की बाहरी दीवार चांदी से बनी है और इस पर विभिन्न मनोदशाओं और उत्सवों का चित्रण किया गया है। देवता की आंखें हीरे से बनी हैं जो इंदौर के एक व्यवसायी ने दान में दी थीं। गर्भगृह की ऊपरी दीवार चांदी से बनी है।

त्योहार

अनंत चतुर्दशी - गणेश चतुर्थी का उत्सव, 10 दिवसीय गणेशोत्सव अनंत चतुर्दशी के दिन समाप्त होता है, जिसे गणेश विसर्जन दिवस के रूप में भी जाना जाता है। गणेश चतुर्थी पर, भक्त अपने घर पर भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करते हैं। इस मूर्ति की 10 दिनों तक पूजा की जाती है! उसके बाद भक्त, अनंत चतुर्दशी के दिन, भगवान गणेश की मूर्ति को एक जल निकाय में, आमतौर पर झीलों, नदियों, समुद्रों, या तालाबों में विसर्जित करते हैं!

अनंत चतुर्दशी के इस विशेष त्योहार के लिए इंदौर की अपनी अलग विशिष्टता है यहां लोग सामूहिक रूप से गणेश मूर्ति विसर्जन के लिए जाते हैं। इस जुलूस में, 10 दिनों से अधिक की अवधि में बनाई गई सुंदर झांकियों का, एक नयनाभिराम दृश्य होता है। झांकियों के चल समारोह में भगवान गणेश के आसपास के दृश्यों, स्थानों, प्रतिष्ठित मंदिरों आदि के जीवंत प्रदर्शन होते हैं। यह चल समारोह रात 6-7 बजे मालवा मिल क्षेत्र से शुरू होकर, राजकुमार मिल फ्लाईओवर, जेल रोड, एम. जी. रोड, कृष्णपुरा छत्रियों और ब्रिज, सब्जी मण्डी, नरसिंह बाजार, खजूरी बाजार और अंत में राजवाड़ा से होकर चिमन बाग पर समाप्त होता है।

रंगपंचमी- रंगपंचमी, धुलेंडी या होली के पांच दिन बाद मनायी जाती है। लेकिन यहां सामान्य होली के रंगों से भिन्न माहौल होता है। चारों दिशाओं में सुन्दर रंगों के साथ हवा में संगीत भरता है। लोग रंगपंचमी पर रंग गुलाल से सराबोर हो जाते हैं। इंदौर की रंगपंचमी मनाने की अपनी ही शैली है, रंगारंग गेर शहर के मध्य राजवाड़ा, जेल रोड जैसी मुख्य सड़कों से पानी में घुले रंगों की बौछार करते हुए निकलती है, गुलाल उड़ाया जाता है। स्थानीय नगर निगम इंदौर इस उद्देश्य के लिए फायर ब्रिगेड के वाहनों का भी इस्तेमाल करता है। रंगपंचमी होलकर शासनकाल के दौरान मनाया जाता था और यह परंपरा अब तक बरकरार है।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

प्रमुख फसलें

गेंहू - इन्दौर एक व्यावसायिक राजधानी है। यहां गेहूं की कुछ किस्मों जैसे लोक-1, चन्दोसी, 147 की खेती जिले के कुछ हिस्सों में की जाती है।

सोयाबीन - सोयाबीन इंदौर जिले की प्रमुख खरीफ की फसल है।

प्याज - जिले के कुछ हिस्सों में प्याज की खेती की जाती है।

राज्य सेवा परीक्षा 2021 में अशोकनगर जिले के प्रियंक मिश्रा पांचवीं रैंक हासिल कर बने डिप्टी कलेक्टर

विपरीत परिस्थितियों को परास्त कर हासिल की सफलता

जीवन में परिस्थितियां कितनी ही विपरीत क्यों न हों अगर हौसला और कुछ करने की चाह हो तो हर मंजिल को पाया जा सकता है। कुछ ऐसा ही हौंसला और खुद के प्रति विश्वास है अशोकनगर जिले के बहादुरपुर कस्बे के प्रियंक मिश्रा का। छोटी उम्र में ही मां के निधन, आर्थिक परिस्थितियां विपरीत होने की वजह से संस्कृत पाठशाला में अध्ययन करना, मेन्स की परीक्षा के कुछ वक्त पहले पिता के निधन समेत जीवन में कई तरह के उतार-चढ़ाव आए, लेकिन उन सभी से हार न मानते हुए प्रियंक ने राज्य प्रशासनिक सेवा की 2021की परीक्षा में न केवल कामयाबी हासिल की बल्कि प्रदेश में पांचवी रैंक भी प्राप्त की। प्रियंक इससे पहले राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर सहकारिता निरीक्षक के पद पर भी चयनित हो चुके हैं। संस्कृत में नेट, जेआरएफ और पीएचडी करने वाले प्रियंक ने 1500 में से 916.25 अंक हासिल किए। अपने जीवन की यात्रा और परीक्षा में सफलता के संबंध में प्रियंक ने "रोज़गार और निर्माण" से बातचीत की...

परिचय

नाम	:	**प्रियंक मिश्रा**
पद	:	डिप्टी कलेक्टर
पिता	:	स्व. श्री मोहन मिश्रा
माता	:	स्व. श्रीमती चंद्रकला मिश्रा
पता	:	बहादुरपुर, जिला अशोकनगर
सबल पक्ष	:	स्वयं पर विश्वास
दुर्बल पक्ष	:	भावनात्मक
शिक्षा	:	हाईस्कूल - शासकीय रामानंद संस्कृत महाविद्यालय, लालघाटी, भोपाल हायर सेकेंडरी - केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल स्नातक - बीए - केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल स्नातकोत्तर - एमए - जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली पीएचडी - जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली यूजीसी नेट, जेआरएफ
रुचि	:	किताबें पढ़ना, लेखन

● अपने अब तक के जीवन के सफर के बारे में बताइए?

❍ मैंने अपनी प्रारंभिक स्कूली शिक्षा बहादुरपुर के एक निजी विद्यालय से ली है। इसके बाद संस्कृत विद्यालय में पढ़ाई के लिए भोपाल भेजने का निर्णय पिता ने लिया था। पढ़ाई, रहन-सहन पूरी तरह नि:शुल्क था। शिक्षा के साथ-साथ पांडित्य कर्म के माध्यम से छोटी उम्र से ही पैसे भी मिलने लगे थे। ग्रेजुएशन में भी स्कॉलरशिप मिल गई। इसलिए पैसों की बचत करके आगे की पढ़ाई के लिए फिर दिल्ली चला गया था। मैंने संस्कृत में जेएनयू से एमए किया। इसके बाद नेट की तैयारी की और जेआरएफ क्वालीफाई करने के बाद पीएचडी में एडमिशन ले लिया। पीएचडी के दौरान ही कोविड की वजह से घर वापस आना पड़ा। यहां आकर सिविल सर्विस की तैयारी शुरू की। यह मेरा तीसरा अटैम्प्ट था। 2019 में मेरा पहला अटैम्प्ट था उसमें इंटरव्यू तक पहुंचा था। 2020 में मैं सिलेक्ट हो चुका था और 2021 में डिप्टी कलेक्टर पद पर मेरा चयन हुआ था।

● सिविल सर्विस में जाने का निर्णय कब लिया?

❍ मुझे प्रशासनिक सेवा में हमेशा रुचि रही है। इसके साथ ही समाचार पत्र पढ़ना भी मुझे छोटी उम्र से ही अच्छा लगता था। थोड़ी सी जानकारी तो थी ही, लेकिन दिल्ली और जेएनयू जाने की चाह भी इसलिए थी कि यूपीएससी की तैयारी करूंगा। फिर जेआरएफ की तैयारी की, लेकिन कोविड की वजह से वापस आ गया और फिर घर पर रहकर ही तैयारी करने लगा।

● क्या आपने कहीं कोचिंग की? परीक्षा की रणनीति कैसे तैयार की?

❍ मैंने ज्यादातर पढ़ाई सेल्फ और ग्रुप स्टडी के माध्यम से की है। वर्ष 2017 में मैंने भोपाल में जिला प्रशासन द्वारा सेंट्रल लाइब्रेरी में करायी जाने वाली नि:शुल्क क्लासेस में तैयारी की। इसके अलावा घर पर कुछ अन्य साथियों के साथ मिलकर ग्रुप स्टडी की। मैंने सिलेबस को आधार मानकर ही परीक्षा की तैयारी की है, सिलेबस को गीता या रामचरितमानस की तरह मानकर एक-एक टॉपिक का विस्तृत अध्ययन किया, लगभग हर टॉपिक को कवर किया। उसके बाद उनके शॉर्ट नोट्स बनाकर उन्हें रिवाइज किया। पहले पूरा सिलेबस पढ़ने के बाद परीक्षा के पहले उनका एक से दो बार अध्ययन किया।

● संस्कृत विद्यालय से अध्ययन करने के कारण किस तरह की चुनौतियां आईं ?

❍ मैंने इस परीक्षा की तैयारी से पहले कभी साइंस, रीजनिंग, मैथ्स को नहीं पढ़ा था। इसलिए निश्चित ही यह मेरे लिए काफी कठिन था। मेन्स की तैयारी करते समय उन विषयों पर काफी मेहनत की, मैथ्स काफी कठिन लगता था। ऐसे में यूट्यूब पर वीडियो देखकर प्रैक्टिस की। मैथ्स, रीजनिंग की पृष्ठभूमि न होने के कारण लगभग 60 फीसदी समय मेरी तैयारी का मैंने इसे दिया। मेहनत की जो काम कर गई।

● आपने कितने घंटे नियमित अध्ययन किया?

❍ सामान्य दिनों में 6 से 8 घंटे अध्ययन किया। इसके बाद जैसे-जैसे परीक्षा नजदीक आई तो ज्यादातार वक्त सिर्फ पढ़ाई ही की। पहले मेन्स के पहले तो 16 घंटे तक पढ़ाई की है। उसके बाद 12 से 14 घंटे तक अध्ययन किया।

● परीक्षा हॉल में आपकी क्या रणनीति थी?

❍ परीक्षा हॉल में जाते समय मानसिक रूप से स्थिर रहना बहुत जरूरी है। यह सोचकर जाएं कि सिर्फ पेपर देने जा रहे हैं, यह न सोचें कि पास होंगे या नहीं। यह भी ध्यान रखें कि हर सवाल को हल करना है, चाहे वह आए या न आए। टाइम मैनेजमेंट का ध्यान अवश्य रखें। 3, 5 और 10 नंबर के अलग-अलग तरह के सवालों के लिए समय बांट लिया, जैसे छोटे सवाल को 1 मिनट में हल करना है। बड़े सवाल के लिए भी समय तय करें। कई बार प्रतिभागी शुरू के एक घंटा तो बहुत अच्छा लिखते हैं लेकिन आखिरी में समय कम पड़ जाता है और वह पेपर पूरा न कर पाने के कारण सिलेक्शन से वंचित हो जाते हैं। यह हमेशा ध्यान रखा कि टाइम की कमी के कारण पेपर नहीं छूटना चाहिए। टाइम मैनेजमेंट सबसे जरूरी है।

● इस कठिन परीक्षा को पास करने में आपने किस तरह की चुनौतियों का सामना किया ?

❍ जो चुनौतियां किसी भी सामान्य व्यक्ति के जीवन में होती हैं उन सभी का सामना मैंने भी अपने जीवन में किया है। आर्थिक, मानसिक, शारीरिक, पारिवारिक सभी तरह की चुनौतियां रहीं। जब 14 साल का था, तब मां का निधन, फिर कोविड की महामारी में मैंने अपने पिता को खो दिया, जो मेन्स की परीक्षा के लगभग चार महीने पहले की ही बात थी। इसलिए यह तकलीफदेह था।

● जीवन में आई इन चुनौतियों का सामना आपने कैसे किया?

❍ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या के समाधान के लिए मेरा हमेशा से यही तरीका रहा है कि समस्या के समाधान पर काम करो या फिर उसे हल नहीं कर सकते तो उसके बारे में सोचना छोड़ दो। वरना सिर्फ मानसिक समस्या होती है, इसलिए मैंने आगे बढ़कर सिर्फ जैसे हो सकता था तैयारी पर जोर दिया। मां के बाद पिता के जाने ने परेशान कर दिया था। मानसिक स्थिरता को बनाए रखना बड़ी चुनौती थी। तनाव बढ़ता था तो दौड़ना, टहलना, योग करना, प्रकृति के साथ वक्त बिताना इस तरह की शारीरिक गतिविधियों को करके अपने मानसिक तनाव को कम करता था।

● क्या कभी इस बात का डर लगा कि अगर सिलेक्शन नहीं हुआ, तो क्या करेंगे? अगर इस फील्ड में नहीं होते तो क्या करते?

❍ संस्कृत विषय में रुचि थी। अच्छी भाषा पढ़ने को मिली। अकेडमिक्स के लिए यह विकल्प मेरे पास था। अगर इस फील्ड में नहीं होता तो मैं अकेडमिक्स की फील्ड में जा सकता था। यूजीसी नेट, जेआरएफ और पीएचडी भी अब अवॉर्ड होने वाली है, तो यह विकल्प मेरे सामने था। कुछ अन्य जॉब में भी मेरा सिलेक्शन हुआ है, कुछ न कुछ तो कर लेता।

● क्या आपको उम्मीद थी कि सिलेक्शन हो जाएगा?

❍ 2020 की एमपी पीएससी की परीक्षा में मेरा चयन हो चुका था। जबकि 2019 का रिजल्ट बाद में आया और मेरा चयन नहीं हुआ था। तो थोड़ा बुरा लगा था, क्योंकि भले वह मेरा पहला मेन्स था लेकिन पेपर, इंटरव्यू दोनों अच्छे गए थे। इसलिए उसके बाद सिलेक्शन न होने पर बहुत दु:ख हुआ। ऐसे में उम्मीद करना फिर बंद किया। हां 2020 की एमपी पीएससी की परीक्षा की गलतियों को 2021 में मैंने सुधार लिया था, लेकिन उम्मीद नहीं की थी, हां पेपर अच्छा गया था।

● नोट्स बनाने के लिए किस तरीके को अपनाया?

❍ नोट्स बनाने के लिए मैंने किताबों के अलावा इंटरनेट की भी मदद ली। किसी भी टॉपिक को 3 से 4 बार पढ़ने के बाद उनके शॉर्ट नोट्स बनाता था।

● इंटरव्यू की तैयारी आपने कैसे की?

❍ इंटरव्यू की तैयारी में मेरी संस्कृत की नॉलेज से मुझे काफी मदद मिली। इसके अलावा नियमित गीता का अध्ययन करने से मुझे मानसिक स्थिरता और आत्मविश्वास दोनों मिला, जो मुझे लगता है इंटरव्यू के लिए जरूरी है। हर सवाल का जवाब मैंने दिया। मुझे किसी तरह की झिझक या घबराहट नहीं हुई। गुरुकुल की परवरिश काफी मददगार रही।

● अक्सर गुरुकुल से पढ़ने वाले स्टूडेंट्स इन प्रतियोगी परीक्षाओं में कम भागीदारी करते हैं? आपको क्या लगता है कि उनके लिए स्थितियां क्या चुनौतिपूर्ण रहती हैं?

❍ मेरा मानना है कि गुरुकुल से पढ़े युवा अगर तैयारी करें तो वह सामान्य प्रतियोगियों से ज्यादा बेहतर कर सकते हैं क्योंकि गुरुकुल में रहने से अनुशासन और स्मरणशक्ति दोनों बेहतर होती है। हां आप किस तरह से करते हैं इस पर जरूर निर्भर करता है। चीजों को याद करना, लोगों से बात करने में झिझक महसूस न होना। लेकिन, अक्सर संस्कृत पाठशाला में आने वाले बच्चे बेहद कमजोर पृष्ठभूमि के होते हैं, ऐसे में कम उम्र में परिवार की जिम्मेदारी संभालने के कारण वह इस दिशा में नहीं सोच पाते हैं।

● इस परीक्षा में सफलता का मूल मंत्र क्या है?

❍ इस परीक्षा में सफलता का मूल मंत्र बस यही है कि सिलेबस को पूरा किया जाए और ज्यादा से ज्यादा अभ्यास किया जाए।

● जिस पद के लिए आपका चयन हुआ है। उस पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए आपके क्या विचार हैं, इस पद को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?

❍ मेरा चयन डिप्टी कलेक्टर के पद पर हुआ है। मुझे जो भी दायित्व दिया जाएगा उसे पूरी ईमानदारी से करने का प्रयत्न करूंगा। मेरा यह प्रयास रहेगा कि मानवीय दृष्टिकोण के साथ जो भी वंचित लोग हैं, उन्हें उनके अधिकार दिला सकूं इसका प्रयत्न करूंगा।

● आजकल युवा बहुत जल्दी निराश हो जाते हैं। "रोजगार और निर्माण" के माध्यम से आप युवाओं को क्या संदेश देना चाहेंगे?

❍ जीवन में कोई भी समस्या स्थायी नहीं है, हर समस्या का समाधान है। गीता में भी लिखा है कि मनुष्य का अधिकार सिर्फ कर्म करने पर है, इसलिए हमें सिर्फ अपना कर्म करना चाहिए। परिणाम ईश्वर पर छोड़ देना चाहिए।

प्रस्तुति - डॉ. सर्जना चतुर्वेदी

सूचना

एम.आर्क. पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा PGETA के संबंध में

क्रमांक : 4/शैक्ष./बी/2024/काउं./898 **भोपाल, दिनांक : 26.07.2024**

काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (COA) द्वारा जारी पत्र क्रमांक CA/5/Academic/2024/PG Regulations (NATA PG) दिनांक 01 जुलाई 2024 अनुसार सत्र 2024-25 में आर्किटेक्चर पाठ्यक्रम के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (एम.आर्क.) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा **'Post Graduate Entrance Examination in Architecture (PGETA)'** परीक्षा में सम्मिलित होने तथा एम.आर्क. पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए विस्तृत जानकारी संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश की वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है।

अध्यक्ष काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
टैगोर छात्रावास, क्रमांक टी-2, श्यामला हिल्स, भोपाल-462002
Ph. : (+91) 755-2660441, E-mail : dtemp.bpl@mp.gov.in
dte4.academic@mp.gov.in

म.प्र. माध्यम/115583/2024 R-49867/2024 **आयुक्त तकनीकी शिक्षा**

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य ज्ञान

1. केन्द्रीय मंत्रीमंडल ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की 'पृथ्वी विज्ञान योजना' को मंजूरी दी है, इसे निम्नलिखित में से किस अवधि के दौरान लागू किया जाएगा?
अ. 2020-2030
ब. 2024-2030
स. 2024-2028
द. 2021-2026
उत्तर- द. 2021-2026
व्याख्या- * कुल लागत- 4797, पृथ्वी योजना में पांच चालू उप-योजनाएं शामिल हैं।
1. वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-मॉडलिंग प्रेक्षण प्रणाली व सेवाएं (अक्रॉस)
2. समुदी सेवाएं, मॉडलिंग, अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट)
3. ध्रुवीय-विज्ञान और क्रायोस्फेयर (हिमांक मंडल) अनुसंधान (पेसर)
4. भूकंप विज्ञान और भू-विज्ञान (सेज)
5. अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच (रीचआउट)

2. निम्नलिखित में से किस स्थान पर पहले पूर्ण-गर्ल्स सैनिक स्कूल ''संविद गुरूकुलम् गर्ल्स सैनिक स्कूल'' का उद्घाटन किया गया है?
अ. वृन्दावन, मथुरा ब. इंदौर
स. जयपुर द. नई दिल्ली
उत्तर- अ. वृन्दावन, मथुरा

3. 'ग्रीन कवर इंडेक्स' विकसित करने के लिए निम्नलिखित में से किस संगठन ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं?
अ. NRSC हैदराबाद
ब. NSIL
स. IIT मद्रास
द. भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलूरु
उत्तर- अ. NRSC हैदराबाद

4. 'ई-समृद्धि पोर्टल' का संबंध निम्नलिखित में से किस फसल से है?
अ. कपास ब. तूअर दाल
स. जूट द. गन्ना
उत्तर- ब. तूअर दाल

5. निम्नलिखित में से किस शहर में 'ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग (AIISH) सैटेलाइट सेंटर' की आधारशिला रखी गई?
अ. हैदराबाद ब. कानपुर
स. अयोध्या द. अहमदाबाद
उत्तर- ब. कानपुर

6. निम्नलिखित में से किस योजना के बेहतर कार्यान्वयन हेतु 'सारथी एप' लॉन्च किया गया है?
अ. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना
ब. DAY-NRLM
स. मनरेगा (MGNREGA)
द. प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)
उत्तर- ब. DAY-NRLM
व्याख्या- * DAY-NRLM दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन।
* ग्रामीण विकास मंत्रालय के द्वारा लॉन्च किया गया।

7. पीएम यशस्वी योजना (PM YASASVI) निम्नलिखित में से किस मंत्रालय के द्वारा संचालित की जा रही है?
अ. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
ब. शिक्षा मंत्रालय
स. अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय
द. सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
उत्तर- द. सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
व्याख्या * PM YASASVI-PM Young Achievers Scholarship Award Scheme for a Vibrant India

8. संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'साइक्लोन' भारत और निम्नलिखित में से किस देश के साथ आयोजित किया गया?
अ. UAE ब. मिस्त्र
स. ओमान द. ईरान
उत्तर- ब. मिस्त्र
व्याख्या- * साइक्लोन 2024 दूसरा संस्करण था।
* स्थान- अंशास (मिस्त्र)
* उद्देश्य- संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय VII के तहत रेगिस्तानी इलाकों में विशेष अभियानों की पृष्ठभूमि से दोनों पक्षों को परिचित करवाना।

9. निम्नलिखित में से किस स्थान पर देश की पहली हेल्दी-हाईजीनिक फूड स्ट्रीट 'PRASADAM' का उद्घाटन किया गया है?
अ. पुरी ब. उज्जैन
स. द्वारका (गुजरात) द. अयोध्या
उत्तर- ब. उज्जैन

10. तमिलनाडु में आयोजित छठे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 का अधिकारिक शुभंकर क्या था?
अ. वीरा मंगई ब. उज्ज्वला
स. ऑली द. पर्ल
उत्तर- अ. वीरा मंगई

11. भारत-किर्गिस्तान संयुक्त विशेष बल अभ्यास 'खंजर' निम्नलिखित में से किस राज्य में आयोजित किया गया था?
अ. उत्तराखंड ब. राजस्थान
स. हिमाचल प्रदेश द. महार्राष्ट्र
उत्तर- स. हिमाचल प्रदेश
व्याख्या- * स्थान- विशेष बल प्रशिक्षण स्कूल बकलोह (हिमाचल प्रदेश)
* भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व- पैराशूट रेजीमेंट (विशेष बल)
* किर्गिस्तान सेना का प्रतिनिधित्व- स्कॉर्पियन ब्रिगेड

12. भारत के किस खिलाड़ी ने 19वीं एशियाई मैराथन चैंपियनशिप 2024 हांगकांग, चीन में स्वर्ण पदक प्राप्त किया है?
अ. मान सिंह
ब. ए.पी. बेलियप्पा
स. अश्विनी जाधव
द. ज्योति गावटे
उत्तर- अ. मान सिंह

13. भारत के किस शहर में 2800 साल पुरानी मानव बस्ती के अवशेष खोजे गए हैं?
अ. अयोध्या ब. नर्मदापुरम्
स. वडनगर द. पटना
उत्तर- स. वडनगर

14. निम्नलिखित में से किस भारतीय कंपनी को ग्लोबल साउथ में वैक्सीन उत्पादकों के CEPI (Coalition For Epidemic Preparedness Innovations) नेटवर्क में शामिल किया गया है?
अ. सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया
ब. भारत बायोटेक
स. बायोलॉजीकल E
द. बायोकॉन
उत्तर- अ. सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया

15. पद्मा सुब्रमण्यम जिन्हें पद्म विभूषण 2024 से सम्मानित किया गया है, वह किस नृत्य शैली से संबंधित हैं?
अ. ओडिसी ब. भरतनाट्यम्
स. कुचिपुड़ी द. कथकली
उत्तर- ब. भरतनाट्यम्

16. निम्नलिखित में से किस संगठन ने 'मिया ओका ' (Mio Oka) को Country Director For India नियुक्त किया है?
अ. विश्व बैंक ब. IMF
स. ADB द. संयुक्त राष्ट्र
उत्तर- स. ADB

17. 14वें दिव्य कला मेला 2024 का आयोजन कहां किया गया है?
अ. शिलांग ब. सिकंदराबाद
स. नागपुर द. अगरतला
उत्तर- द. अगरतला
व्याख्या- * आयोजन स्थल- अगरतला (त्रिपुरा)
* इसका आयोजन राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम के माध्यम से भारत सरकार के 'सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय' के 'दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग' द्वारा किया जाता है।
* यह Pwd निव्यांगजनों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक अनूठी पहल है।

18. भारत की पहली हाइपर-वेलोसिटी एक्पेंशन टनल टेस्ट फेसिलिटी ''S-2'' जिगरथंडा को निम्न में से किस संस्थान में स्थापित किया गया है?
अ. IIT कानपुर
ब. IIT मद्रास
स. टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई
द. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गोवा
उत्तर- अ. IIT कानपुर
व्याख्या- * S-2 (एस-2) नामक यह सुविधा 3-10 किमी./ सेकंड के बीच उड़ान गति उत्पन्न करने में सक्षम है।
* यह IIT कानपुर के एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के भीतर हाइपरसोनिक प्रायोगिक एयरोडायनामिक्स प्रयोगशाला (HEAL) में स्थापित है।

19. निम्नलिखित में से किस अंतरिक्ष एजेंसी ने PACE (Plankton, Aerosol, Cloud, Ocean Eco-system) उपग्रह लॉन्च किया है?
अ. नासा
ब. ROSCOSMOS
स. CNSA
द. ESA
उत्तर- अ. नासा

20. निम्नलिखित में से किसे 2024 के गोल्ड मैन पर्यावरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है?
अ. मेधा पाटकर
ब. आलोक शुक्ला
स. राजेंद्र सिंह
द. बसंती देवी
उत्तर- ब. आलोक शुक्ला
व्याख्या- इन्होंने एक सफल सामुदायिक अभियान का नेतृत्व किया, जिसने छत्तीसगढ़ में 21 नियोजित कोयला खदानों से 445,000 एकड़ जैव विविधता से भरपूर जंगलों को बचाया है।

21. निम्नलिखित में से किस देश की पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अजलान शाह ट्रॉफी जीती है?
अ. पाकिस्तान
ब. दक्षिण कोरिया
स. जापान
द. न्यूजीलैंड
उत्तर- स. जापान

22. स्मार्ट लेंडर फॉर इन्वेस्टीगेटिंग मून (SLIM) (मून स्नाइपर) निम्नलिखित में से किस अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा लॉन्च किया गया था?
अ. NASA
ब. ROSCOSMOS
स. JAXA
द. ESA
उत्तर- स. JAXA (जापान एयरो स्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी)

23. तीन जहाज आईएनएस माहे, INS मालवन, INS मंगरोल को एक साथ लॉन्च किया गया, इसका निर्माण निम्नलिखित में से किस कंपनी द्वारा किया गया?
अ. लार्सन एंड टूब्रो
ब. हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड
स. कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड
द. गार्डनरीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड
उत्तर- स. कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड

24. निम्नलिखित में से कौन 'बेसिक स्ट्रक्चर एंड रिपब्लिक' नामक पुस्तक के लेखक हैं?
अ. पी. एस. श्रीधरन पिल्लई
ब. बंडारू दत्तात्रेय
स. आरिफ मोहम्मद खान
द. रघुराम राजन
उत्तर- अ. पी. एस. श्रीधरन पिल्लई

25. निम्नलिखित में से किस स्थान पर टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सेमीकंडक्टर फैब की स्थापना की जाएगी?
अ. मोइरांग, असम
ब. सनद, गुजरात
स. धोलेरा, गुजरात
द. गिफ्ट सिटी, गुजरात
उत्तर- स. धोलेरा, गुजरात
व्याख्या- * TEPL गुजरात के धोलेरो में PSMC ताइवान के साथ साझेदारी में एक सेमीकंडक्टर फेब स्थापित करेगी। 91,000 करोड़ के निवेश के साथ।
* असम में- सेमीकंडक्टर ATMP Unit
* Tata Semiconductor Assembly and Test Pvt. Ltd. असम के मोरीगांव में एक सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित करेगी।
* गुजरात (सागंद में)- CG Power, Renesas Electronics Corporation, जापान और Stars Microelectronics, थाइलैंड के साथ साझेदारी में एक सेमीकंडक्टर यूनिट स्थापित करेगा।

26. निम्नलिखित में से किन देशों की सह-अध्यक्षता में भारत ने पहली 'Blue Talks' बैठक की मेजबानी की?
अ. फ्रांस, कोस्टारिका
ब. कनाड़ा, कोस्टारिका
स. घाना, फ्रांस
द. जर्मनी, इटली
उत्तर- अ. फ्रांस, कोस्टारिक
व्याख्या- *पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में मेजबानी की गई।
*** बैठक के मुख्य उद्देश्य-**
1. महासागर के प्रशासन और स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर सफल अनुभवों का आदान-प्रदान।
2. विभिन्न हितधारकों, सरकारी, गैर सरकारी दोनों से सिफारिश व इनपुट प्राप्त करना।
3. यूएनओसी 3 की तैयारी पर विचार करना।

27. निम्नलिखित में से कौन सा जहाज INS मंडोवी गोवा से पोर्टलुइस (मॉरीशस) तक एक अभियान पर निकला है, जो भारतीय महिलाओं द्वारा डबल-हैंडेड मोड में की गई पहली ट्रांसोनिक सॉर्टी बन गया है?
अ. भारतीय नौसेना नौकायन पोत पद्मावती
ब. INSV दुर्गा
स. INSV तारिणी
द. INSV म्हादेई
उत्तर- स. INSV तारिणी

28. निम्नलिखित में से किस शहर के द्वारा भारत का पहला 'जीरो कार्बन बिल्डिंग एक्शन प्लान' लॉन्च किया गया है?
अ. वाराणसी ब. नासिक
स. नागपुर द. हैदराबाद
उत्तर- स. नागपुर
व्याख्या- * नागपुर ने महत्वाकांक्षी जीरो कार्बन बिल्डिंग एक्शन प्लान शुरू किया है।
* इस पहल को वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (WRI) ने अपने वैश्विक भागीदारों के साथ 2021 में शुरू किया था।

29. भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के द्वारा अपने दूसरे 'स्पेस पोर्ट' की आधारशिला तमिलनाडु के किस जिले में रखी गई?
अ. कुड्डालोर ब. कोयंबटूर
स. थूथुकुडी द. इरोड
उत्तर- स. थूथुकुडी
व्याख्या- * तमिलनाडु के थुथुकुडी जिले के एक तटीय गांव कुलाशेखरपट्टनम

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

में इसरो के द्वितीय स्पेस पोर्ट की आधारशिला रखी।

* कुलाशेखरपट्टनम का चयन विशेष रूप से लघु प्रमोचक रॉकेटों के लिए सीधे दक्षिणाभिमुख प्रमोचन प्रक्षेप पथ के साथ नीत भार बढ़ाने में रणनीतिक लाभ प्रदान करता है।

* नवस्थापित प्रमोचन संकुल से रोहिणी परिज्ञापी रॉकेट ''आरएच 200'' का सफल प्रक्षेपण किया गया।

30. नई दिल्ली में आयोजित 9वें रायसीना डायलॉग 2024 में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता किस देश के प्रधानमंत्री थे?

अ. यूनान ब. पोलैंड
स. जर्मनी द. नीदरलैंड

उत्तर- अ. यूनान

व्याख्या- * 9वीं रायसीना डायलॉग 2024 नई दिल्ली भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर भारत के प्रमुख सम्मेलनों में से एक है।

* मुख्य अतिथि- हेलेनिक गणराज्य ग्रीस (यूनान) के प्रधानमंत्री श्री किरियाकोस मित्सोताकिस

* संस्करण का विषय- चतुरंग : संघर्ष, प्रतियोगिता, सहयोग, निर्माण

31. 77वें ब्रिटिश एकेडमी फिल्म आर्ट्स अवॉर्ड 2024 (BAFTA 2024) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार किसने जीता?

अ. पुअर थींग्स
ब. ओपेन-हाइमर
स. द ज़ोन ऑफ इंटरेस्ट
द. द बॉय एंड द हेरोन

उत्तर- ब. ओपेन-हाइमर

व्याख्या- *बेस्ट लिडिंग एक्ट्रेस- एमा स्टोन (पुअर थिंग्स)

* बेस्ट लिडिंग एक्टर- किलियन मर्फ़ी (ओपन-हाइमर)

* बेस्ट डाइरेक्टर- क्रिस्टोफर नोलान (ओपन-हाइमर)

32. निम्नलिखित में से कौनसा देश ''ILO Convention 190'' का अनुमोदन करने वाला पहला एशियाई देश बन गया है?

अ. सिंगापुर ब. चीन
स. फिलिपींस द. भारत

उत्तर- स. फिलिपींस

व्याख्या- * कार्यस्थल पर हिंसा और उत्पीड़न को संबोधित करने का वचन देते हुए अनुसमर्थन का अपना दस्तावेज जमा कर दिया है।

* अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा घोषित हिंसा और उत्पीड़न कन्वेंशन 2019 (190) को अनुमोदित करने वाल पहला एशियाई देश फिलिपींस बना है।

33. निम्नलिखित में से किस मंत्रालय के द्वारा '' नेशनल वीडियो गेटवे ऑफ भारत'' पोर्टल लॉन्च किया गया?

अ. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
ब. इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
स. विज्ञान और प्रौद्यौगिकी मंत्रालय
द. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

उत्तर- द. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

व्याख्या- * नेशनल विडियो गेटवे ऑफ भारत- NaviGate भारत।

* यह एक एकीकृत वीडियो पोर्टल है जो वीडियो को सर्च करने डाउनलोड करने तथा साझा करने के लिए एक इंटरैक्टिव यूज़र इंटरफेस के साथ एक ही मंच के तहत विभिन्न मंत्रालयों/विभागों/क्षेत्रों द्वारा तैयार किए गए वीडियो तक पहुंच प्रदान करेगा।

34. निम्नलिखित में से किस संस्थान द्वारा विद्या समीक्षा सॉफ्टवेयर ''सागर से सारांश'' विकसित किया गया है?

अ. UGC ब. AICTE
स. NIC द. CBSE

उत्तर- द. CBSE

व्याख्या- * केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) ने डेटा आधारित निर्णय लेने को प्रोत्साहित करने हेतु ''सागर से सारांश'' सॉफ्टवेयर विकसित किया।

35. निम्नलिखित में से किस अनाज हेतु वर्ष 2023 में FSSAI के द्वारा ''ईट राइट क्रिएटिविटी'' चैलेंज लॉन्च किया गया था?

अ. चावल ब. गेंहू
स. ज्वार द. बाजरा

उत्तर- द. बाजरा

व्याख्या- संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित किया था।

* FSSAI इस अवसर हेतु बाजरा को एक स्वस्थ और टिकाऊ आहार विकल्प के रूप में बढ़ावा दे रहा है।

36. निम्नलिखित में से किस कंपनी को केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम में 16वीं नवरत्न कंपनी घोषित किया गया है?

अ. भारत डायनेमिक्स लिमिटेड
ब. इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
स. सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन
द. राइट्स लिमिटेड

उत्तर- द. राइट्स लिमिटेड

व्याख्या- * राइट्स लिमिटेड भारत में अग्रणी परिवहन अवसंरचना परामर्शदात्री और इंजीनियरिंग फर्म है, यह परिवहन रेलवे, रोलिंग स्टॉक निर्यात, राजमार्गों, मेट्रो, बंदरगाहों आदि विविध क्षत्रों में सेवा प्रदान करती है।

* स्थापना- 26 अप्रैल, 1974

* RITES- रेल इंडिया टैक्नीकल एंड इकोनॉमिक सर्विस

*15वीं नवरत्न कंपनी- इरकॉन इंटरनेशल लिमिटेड

37. निम्नलिखित में से किस स्थान पर 'ग्लोबल मेरीटाइम इंडिया समिट' के तीसरे संस्करण का आयोजन किया गया?

अ. मुंबई ब. अहमदाबाद
स. गोवा द. चैन्नई

उत्तर- अ. मुंबई

38. मध्यप्रदेश के किस स्थान पर भारत की सबसे बड़ी पंप भंडारण परियोजना का शुभारंभ किया गया?

अ. नीमच ब. खरगौन
स. बुरहानपुर द. पीथमपुर

उत्तर- अ. नीमच

व्याख्या- * स्थान- नीमच जिले के खेमला ब्लॉक में

* कंपनी- ग्रीनको ग्रुप

39. निम्नलिखित में से किसने अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में आर्थिक विज्ञान में 2023 का स्वेरिगेस रिक्स बैंक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है?

अ. रॉबर्ट बी. विल्सन
ब. क्लाउडिया गोल्डिन
स. रिचर्ड एच थेलर
द. जीन तिरोले

उत्तर- ब. क्लाउडिया गोल्डिन

व्याख्या- * महिला श्रम बाजार परिणामों पर उनके काम के लिए क्लाउडिया गोल्डिन को प्रदान किया गया।

40. निम्नलिखित में से भारत के किस राज्य को अपने रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म मिशन हेतु संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की केस स्टडीज में शामिल किया गया है?

अ. केरल ब. उत्तराखंड
स. मेघालय द. आंध्रप्रदेश

उत्तर- अ. केरल

व्याख्या- *महाराष्ट्र के ताडोबा अंधारी टाइगर रिज़र्व परियोजना को भी शामिल किया गया है।

41. राज्य शैक्षिक उपलब्धि सर्वेक्षण 2023 निम्नलिखित में से किस संस्था द्वारा सम्पन्न किया गया?

अ. UGC ब. CBSE
स. NCTE द. PARAKH

उत्तर- द. PARAKH

व्याख्या- PARAKH- Performance, Assessment, Review and Analysis of Knowledge For Holistic Development

42. निम्नलिखित में से किस राज्य के 'एयरगन सरेंडर अभियान' को यूनेस्को द्वारा बायोस्फियर रिज़र्व अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई?

अ. अरुणाचल प्रदेश ब. मेघालय
स. केरल द. असम

उत्तर- अ. अरुणाचल प्रदेश

43. शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए ''इंदिरा गांधी'' पुरस्कार 2022 किस संगठन को प्रदान किया गया?

अ. ISRO
ब. CSE
स. DRDO
द. IMA और TNAI

उत्तर- द. IMA और TNAI

व्याख्या- * IMA इंडियन मेडिकल एसोसिएशन

* TNAI The Trained Nurses Association of India

44. निम्नलिखित में से कहां ''IInvenTiv- 2024'' का दूसरा संस्करण आयोजित किया गया?

अ. आई.आई.टी. हैदराबाद
ब. आई.आई.टी. दिल्ली
स. आई.आई.टी. बाम्बे
द. आई.आई.टी. मद्रास

उत्तर- अ. आई.आई.टी. हैदराबाद

45. निम्नलिखित में से किसे 2024 हेतु भारत रत्न पुरस्कार प्रदान नहीं किया गया?

अ. कर्पूरी ठाकुर
ब. एम.एस. स्वामीनाथन
स. पी.वी. नरसिम्ह राव
द. दामोदर मौजो

उत्तर- द. दामोदर मौजो

व्याख्या- वर्ष 2024 हेतु भारत रत्न 5 लोगों को प्रदान किया गया।

* कर्पूरी ठाकुर, लालकृष्ण आडवाणी, एम.एस. स्वामीनाथन, पी.वी. नरसिम्ह राव और चौधरी चरण सिंह।

46. 'नमस्ते' योजना का संबंध निम्नलिखित में से किससे है?

अ. स्वच्छता कर्मचारियों से
ब. सार्वजनिक स्थलों पर वाईफाई सुविधा से
स. रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास से
द. मैंग्रोव वृक्षा रोपण से

उत्तर- अ. स्वच्छता कर्मचारियों से

47. निम्नलिखित में से कौनसा सतत् विकास लक्ष्य (SDG) 2030 तक किफायती, विश्वसनीय और आधुनिक ऊर्जा सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करता है?

अ. SDG 6 ब. SDG 7
स. SDG 5 द. SDG 3

उत्तर- ब. SDG 7

48. चैट जी. पी. टी. में जी. पी. टी. का पूर्ण रूप क्या है?

अ. जेनरेटिव फोटो ट्रांसफार्मर
ब. जेनरेटिव प्रीटेंड ट्रांसफार्मर
स. जनरल फोटो ट्रांसफार्मर
द. इनमें से कोई नहीं

उत्तर- ब. जेनरेटिव प्रीटेंड ट्रांसफार्मर

49. आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस व्यावहारिक उपयोगों की पहचान के लिए एआई फॉर गुड ग्लोबल समिट 2024 किस देश में आयोजित किया गया?

अ. स्विट्ज़रलैंड ब. फ्रांस
स. उज्बेकिस्तान द. न्यूजीलैंड

उत्तर- अ. स्विट्ज़रलैंड

50. भारत के पहले 3डी प्रिंटेड डाकघर का उद्घाटन निम्न में से किस शहर में किया गया है?

अ. अहमदाबाद ब. बेंगलुरु
स. जबलपुर द. वाराणसी

उत्तर- ब. बेंगलुरु

51. रूद्राक्ष बाला साहिब पाटिल का संबंध निम्नलिखित में से किस खेल से है?

अ. शूटिंग ब. तीरंदाजी
स. तलवारबाजी द. कुश्ती

उत्तर- अ. शूटिंग

व्याख्या- * पेरिस 2024 आलंपिक हेतु क्वालीफाई।

- कृतिका जावरिया
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लेखन करती हैं)

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग विदिशा (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 18 से 23/2024-25 **विदिशा, दिनांक : 22.07.2024**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी.
1.	2024_PWDRB_358829_1	विदिशा	रंगाई पुताई का कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बासौदा अंतर्गत बासौदा सेक्शन के आवासी भवनों में एवं रेस्ट हाउस बासौदा में रंगाई पुताई का कार्य।	प्रथम	10.00	20000.00
2.	2024_PWDRB_358834_1	विदिशा	सी.डी. मरम्मत कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बासौदा अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर पुलिया मरम्मत का कार्य।	प्रथम	10.00	20000.00
3.	2024_PWDRB_358837_1	विदिशा	भवन मरम्मत कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बासौदा अंतर्गत बासौदा सेक्शन में आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में ए.आर., एस.आर. कार्य।	प्रथम	15.00	30000.00
4.	2024_PWDRB_358845_1	विदिशा	रंगाई पुताई का कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बासौदा अंतर्गत उदयपुर एवं कुरवाई सेक्शन के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में पुताई एवं रंगाई कार्य।	प्रथम	10.00	20000.00
5.	2024_PWDRB_358903_1	विदिशा	भवन मरम्मत कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बासौदा अंतर्गत कुरवाई सेक्शन के आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों ए.आर., एस.आर. कार्य।	प्रथम	10.00	20000.00
6.	2024_PWDRB_358908_1	विदिशा	बैरिकेडिंग आदि कार्य	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बासौदा अंतर्गत अतिविष्टि एवं विष्टि व्यक्तियों के प्रोग्राम के दौरान बेरिकेडिंग का कार्य।	प्रथम	10.00	20000.00

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 09.08.2024, (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग, विदिशा

जी–13956/49872/2024

जंगल सत्याग्रह

वन संपदा को बचाने और स्वतंत्रता के लिये जनजातियों ने किया जंगल सत्याग्रह

मध्यप्रदेश का जंगल सत्याग्रह स्वाधीनता संग्राम के विविध चरणों में से एक है। देश भर में जब नमक सत्याग्रह शुरू हुआ। तब जिन क्षेत्रों में समुद्र तट नहीं था वहां नमक सत्याग्रह के स्थान पर जंगल सत्याग्रह किया गया। मध्यप्रदेश देश के केन्द्र में स्थित है। प्रदेश भर में अलग-अलग स्थानों पर जंगल सत्याग्रह किया गया। जंगल सत्याग्रह में जनजातियों का प्रमुख योगदान रहा है। प्रदेश में जंगल सत्याग्रह की एक और वजह अंग्रेजों द्वारा वनभूमि पर प्रतिबंध लगाना और कानून बनाकर जनजातियों को जंगल और जमीन से बेदखल करना था। जनजातियों ने वन भूमि के अपने अधिकार के लिए सत्याग्रह किया। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा के पाठ्यक्रम में मध्यप्रदेश की जनजातियों का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान विषय शामिल है। इस विषय पर केंद्रित आलेख "रोज़गार और निर्माण" में प्रकाशित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश वन संपदा से समृद्ध है। यहां बड़ी संख्या में जनजातियां निवास करती हैं। 1930 का जंगल-सत्याग्रह मुख्यतः यहीं हुआ था। जिसमें सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतूल, बालाघाट, मंडला, निमाड़ आदि प्रमुख क्षेत्र हैं। इस सत्याग्रह में बढ़-चढ़कर भाग लेने वालों में गोंड, कोरकू और भील जनजातियां प्रमुख थीं। राज्य में जनजातीय क्षेत्रों में जंगल सत्याग्रह को आधार मिलना और सत्याग्रह किये जाने के पीछे कुछ ऐतिहासिक कारण भी हैं। इसके लिए हमें 1818 से 1930 तक के उस 112 वर्ष के कालखंड को समझना होगा जिसमें अंग्रेजों ने अपने विस्तार के लिये सामरिक, कूटनीतिक, राजनीतिक और आर्थिक-सामाजिक से लेकर तरह-तरह के हथकंडे अपनाये।

नागपुर के भोंसले, इंदौर के होल्कर और ग्वालियर के सिंधिया का सीधा संबंध मध्यप्रदेश से रहा है। अप्पा साहब भोंसले ने छिंदवाड़ा के हर्राई और नर्मदापुरम (होशंगाबाद) के पचमढ़ी में बहुत दिनों तक शरण ली थी। गोंड और कोरकू जनजातियों ने उनके लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य किया। उल्लेखनीय है कि अंग्रेजों के प्रति जनजातियों में इतना आक्रोश था कि उन्होंने 1857 के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तात्या टोपे को हर्राकोट में बहुत दिनों तक संरक्षण दिया था। पेशवा ने अपनी हार के बाद बहुत दिनों तक निमाड़ में समय बिताया था, उस समय भीलों ने उनकी सहायता की थी। भोंसले के पतन और बैतूल पर कब्जा होने के बाद अंग्रेजों ने कोरकू जनजाति क्षेत्र में दमन करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी।

चूंकि जनजातियों ने 1857 के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की मदद की थी अतः अंग्रेजों ने 1857 की क्रांति के बाद जनजातियों को कई मोर्चों पर एक साथ परेशान करने की रणनीति अपनाई। पहला कुप्रचार द्वारा जनजातियों को जंगली, जाहिल, जरायमपेशा और यहां तक कि नरभक्षी बताकर उनका मनोबल गिराया।

दूसरा उनके जीवन का आधार वनों पर पूरा कब्जा करके उन्हें वहां से बेदखल किया गया। जंगल आरक्षण से जनजातियों के वन अधिकार एकदम समाप्त कर दिये गये। तीसरा परिवर्तन से जनजातीय समुदाय में फूट डाली गयी।

वर्ष 1927 में जो इंडियन फॉरेस्ट एक्ट लागू किया गया, उस कानून ने जंगल के माध्यम से जनजातियों के जीविका जुटाने के सभी रास्ते बंद कर दिये गये। फॉरेस्ट एक्ट से जनजातियों में असंतोष बढ़ गया। वर्ष 1930 का जंगल सत्याग्रह 1927 के जंगल कानून के मात्र तीन वर्ष की अवधि में ही हुआ है।

जनजातीय संस्कृति अरण्य संस्कृति है। वे अपने खान-पान, छान-छप्पर, तीज-त्योहार, जन्म-मृत्यु आदि सभी प्रसंगों में जंगल पर निर्भर रहते हैं। वे वनोपज इकट्ठी करके बेचते हैं। अपने पशु जंगल में चराते हैं। महुआ बीनकर वे शराब बनाते थे, जिसके बिना जनजातीय जीवन का कोई भी संस्कार संभव नहीं है। उनकी प्रोटीन का एकमात्र स्त्रोत सामूहिक शिकार था। जिससे उन्हें मांस मिल जाता था। अंग्रेजों ने जो नये जंगल कानून लागू किये उसमें वनों को आरक्षित करके जनजातियों को उनके सारे वन हकों से वंचित कर बेदखल कर दिया गया।

जब 1930 में देशव्यापी जंगल सत्याग्रह का आह्वान किया गया तब तक जनजातीय समाज में अंग्रेजों के विरुद्ध असंतोष फैल चुका था। उन्हें विश्वास हो गया था कि अंग्रेज हमसे, हमारे शरण स्थल और जीवनदाता जंगल छीनकर हमें भूखा मारना चाहते हैं। गोंड राजा से उनकी जमीन पहले ही छिन चुकी थी। जमा यानी लगान बढ़ाने से जो नाममात्र का भूमिपति जनजाति समाज था, उसकी कमर टूट रही थी। जो भूमिहीन थे उनकी जीविका का स्त्रोत खत्म हो गया। अंग्रेजों की जो वन-प्रबंधन की संस्कृति थी वह भी जनजाति विरोधी थी। अंग्रेजों को अच्छी कीमत वाले वन की लकड़ी चाहिए थी, जबकि जनजातियों को मामूली लकड़ी, बांस, महुआ, तेंदूपत्ता, चिरोंजी, गोंद आदि चाहिए था। अंग्रेजों ने योजनाबद्ध तरीके से जनजातियों को जंगली-चोर, तस्कर, शिकारी आदि घोषित कर दिया था।

अतः जब जंगल सत्याग्रह की घोषणा हुई तो जनजातीय समाज का मानस उसके लिये एकदम तैयार था इसीलिए सिवनी, बैतूल और जहां-जहां जंगल सत्याग्रह हुए वहां-वहां जनजातियों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया

जंगल सत्याग्रह की प्रेरणा नमक सत्याग्रह

जंगल सत्याग्रह से पूर्व हमें नमक सत्याग्रह को समझना होगा। नमक सत्याग्रह से ही प्रेरित होकर जंगल सत्याग्रह की शुरुआत हुई। वर्ष 1930 का नमक सत्याग्रह अंग्रेजों के विरुद्ध अंहिसक संघर्ष था। इसमें नमक बनाना एक प्रतीक है जिसे अवज्ञा का माध्यम बनाया गया।

सत्याग्रह से पहले गांधीजी ने लार्ड इरविन को एक पत्र लिखा था। इस पत्र को लेखक श्री दुर्गादास ने अपनी किताब ''इंडिया फ्राम कर्जन टु नेहरू एंड आफ्टर'' में उद्धृत किया है। ''इस देश का किसान जो नमक इस्तेमाल करता है उस पर भी आपने इतना टैक्स लगा दिया है कि बेचारा किसान बोझ से दबा जा रहा है। भारत का दीनहीन किसान अमीर लोगों से ज्यादा नमक खाता है। इसलिये उसे यह कर बहुत अखरता है। किसान तपती धूप में पसीना बहाता है। उसके पास रोटी के साथ खाने के लिये सिर्फ नमक ही तो है और उस पर आपने जो टैक्स लगाया है वह तो खेतिहर मजदूर की तीन दिन की मजदूरी के बराबर है। इसलिये मैं आपके इस नियम-कानून का अहिंसक विरोध करते हुए स्वयं नमक बनाकर कानून तोडूंगा। हजारों सत्याग्रही मेरा साथ देंगे।''

गांधीजी ने 12 मार्च 1930 को 79 सत्याग्रहियों के साथ समुद्र तट पर पहुंचने के लिए दांडी-मार्च किया। 24 दिन में 241 मील की यात्रा कर समुद्र तट पर 5 अप्रैल 1930 को पहुंचे। 6 अप्रैल की सुबह उन्होंने समुद्र तट पर एक मुट्ठी नमक उठाया और नमक कानून को तोड़ दिया गया। उन्होंने अंग्रेजों को यह साफ कर दिया कि नमक बनाना सरकार का ही अधिकार नहीं है। यह असहयोग स्वदेशी संसाधनों पर भारतीयों के अपने अधिकार के लिये था।

अंग्रेजों को अपने उद्योग विस्तार के लिए लकड़ी चाहिए थी। इसके लिए सीमा से अधिक जंगल काटे गये। जनजातियों को उनकी मूल आवश्यकता की पूर्ति के लिए भी लकड़ी प्राप्त करना मुश्किल हो गया था। एक तरफ नमक पर सरकारी नियंत्रण से मूलभूत आवश्यक वस्तु नमक के दाम बढ़े, दूसरा जंगल पर अंग्रेजों के अतिक्रमण ने जनजातियों के जीवन को कठिन बना दिया। इमारती लकड़ी पर अंग्रेजों के एकाधिकार और वन कानून से जंगलों पर नियंत्रण से वनवासी का जीना मुश्किल हो गया था। इन परिस्थितियों ने जंगल सत्याग्रह के लिए पृष्ठभूमि तैयार कर दी थी। इसलिए समुद्र तट पर जब नमक सत्याग्रह का व्यापक आंदोलन हुआ तब मध्यप्रदेश की जनजातियों ने वन क्षेत्रों में जंगल सत्याग्रह में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। जनजातियों द्वारा किये जाने वाले जंगल सत्याग्रह में उन्हें प्रताड़ित किया गया, कई लोगों को जान गंवानी पड़ी पर जंगल सत्याग्रह रुका नहीं। सत्याग्रह की इस श्रृंखला का भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान है। जनजातियों का यह संघर्ष सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों और वनांचलों में स्वाधीनता के लिए होने वाले आंदोलनों के लिए प्रेरक रहा है।

शशांक मणि पांडे
(लेखक सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

सत्याग्रह की अवधारणा

जंगल-सत्याग्रह को समझने के पहले महात्मा गांधीजी की सत्याग्रह की अवधारणा को समझना होगा। वर्ष 1905 में बंगाल के विभाजन, 1919 में दमनकारी रौलेट एक्ट का लागू होना तथा 1919 में जलियांवाला बाग की त्रासदी के बाद गांधीजी ने अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध असहयोग आन्दोलन की घोषणा की थी। असहयोग आंदोलन का आधार सत्याग्रह था। अर्थात् सत्य और अंहिसा के साथ सरकार का असहयोग करना। सत्याग्रह का प्रयोग गांधीजी दक्षिण अफ्रीका में पहले भी कर चुके थे।

हैनरी पोलक ने गांधीजी के इस कथन को उद्धृत किया है कि ''जिस सरकार का मैं विरोध कर रहा हूं वह मुझे दबाने के लिये हिंसात्मक दमन का सहारा ले सकती है, लेकिन मैं अहिंसात्मक असहयोग करूंगा क्योंकि मेरा आग्रह सत्य पर आधारित है।''

गांधीजी की संक्षिप्त आत्मकथा 1869-1920 के संपादक महादेव देसाई और हरिभाऊ उपाध्याय ने सत्याग्रह की अवधारणा को समझाते हुए लिखा - "दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद की नीतियों के विरुद्ध तमाम अहिंसक उपायों का अवलंबन किया जाये और यदि उसके बाद भी अंग्रेजों की गोरी सरकार मनमानी करे तो भारतीयों को उनके आगे सिर नहीं झुकाना चाहिये। हम उनका हुक्म नहीं मानेंगे। इस शांतिपूर्ण अवज्ञा, सविनय अवज्ञा के फलस्वरूप जो कुछ दुख सहना पड़े, वह सब सह लेना चाहिये।'' इस आन्दोलन को उस समय निष्क्रिय प्रतिरोध (पैसिव रेजिस्टेंस) कहते थे। बाद में गांधीजी ने इसे सत्याग्रह नाम दिया।

सत्याग्रह की अवधारणा सितम्बर 1906 में दक्षिण अफ्रीका में हुई थी। स्वतंत्रता आंदोलनों में सत्याग्रह अनूठा अस्त्र साबित हुआ। नमक सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह श्रृंखलाबद्ध किये गये असहयोग आंदोलनों की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

हर पंचायत में सामुदायिक भवन और हर पंचायत का अपना भवन होगा

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल ने पंचायत प्रतिनिधियों का आह्वान किया है कि वे पूरी लगन से अपने कर्तव्यों का पालन करें। अधिकार तो स्वाभाविक रूप से मिल जायेंगे।

श्री पटेल ने कहा कि राज्य सरकार पूरे प्रयास कर रही है कि हर पंचायत में सामुदायिक भवन हो और हर पंचायत का अपना भवन हो। उन्होंने कहा कि हर पंचायत अपने क्षेत्र के विकास कार्यों की प्लानिंग क्षमता और समझदारी से कर सकती है। उन्होंने कहा कि पंचायत राज एक साथ मिलकर जनकल्याण के लिये कार्य करने की भावना है। उन्होंने कहा कि जनपद पंचायत उपाध्यक्षों की सहमति के लिये अनिवार्य रूप से उन्हें नस्ती भेजने संबंधी आदेश जल्दी ही जारी कर दिये जायेंगे।

श्री पटेल 'आत्मनिर्भर पंचायत-समृद्ध मध्यप्रदेश' विषय पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और जीआईजेड द्वारा आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जनपद पंचायत, उपाध्यक्षों से आग्रह किया वे ऐसे कार्यों और गतिविधियों की सूची बना लें जिनमें वे समझते हैं कि उनका मत और सहमति आवश्यक हो। उन्होंने कहा कि पंचायतों को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिये उनके आंतरिक प्रशासनिक तंत्र को मजबूत बनाने की कार्रवाई चल रही है। निचले स्तर पर प्रशासनिक तंत्र की मजबूती आवश्यक है।

श्री पटेल ने कहा कि विभिन्न योजनाओं में उपलब्ध बजट राशि और वित्तीय संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतिम उद्देश्य लोगों को खुश करना और उनकी भलाई करना है।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए पर्यटन मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने बताया पर्यटकों को प्रदेश की समृद्ध ग्रामीण संस्कृति से परिचित कराने के लिये ग्रामीण पर्यटन योजना में पर्यटन के माध्यम से गांवों की आय बढ़ाने के लिये 117 गांवों में होम स्टे निर्माण किया जायेगा। सरकार द्वारा 1000 होम स्टे बनाने का लक्ष्य है। इसके लिये जनजातीय क्षेत्रों में 60 प्रतिशत और गैर, जनजातीय क्षेत्रों में 40 प्रतिशत तक अनुदान दिया जायेगा। पर्यटकों को ग्राम भ्रमण, ग्रामीण खेल, आरामदायक स्टे, स्थानीय भोजन, लोक कला और हस्तशिल्प से परिचित कराया जायेगा। ग्रामीण विकास मंत्री श्री पटेल के मार्गदर्शन पर स्थानीय युवकों को ऑनलाइन पर्यटन गाइड का प्रशिक्षण दिलाया जायेगा।

प्रदेश के ग्रामों को पूरे देश में आदर्श बनाने के लिए अभिनव प्रयासों को करें विस्तारित

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर भोपाल में 'आत्मनिर्भर पंचायत- समृद्ध मध्यप्रदेश' की तीन दिवसीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश को समृद्ध बनाना है तो पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प लिया है कि अमृतकाल में भारत को सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनायेंगे। केंद्रीय बजट में ग्रामीण विकास के प्रावधान में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सतत प्रावधान किए जा रहे हैं। आज सिंचाई के रक़बे में निरंतर वृद्धि हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल-जीवन मिशन के माध्यम से हर घर नल से जल पहुँचाया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, ग्रामीण सड़क योजना, आजीविका मिशन आदि के माध्यम से ग्रामीण जीवन को सहज और सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न योजनाओं का उचित लाभ सुनिश्चित करने और हर पात्र को लाभान्वित करने के लिए मैदानी अमले का प्रशिक्षित होना, आपसी समन्वय होना आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संकल्प और समर्पण से ग्रामीण विकास का नया अध्याय लिख सकते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को सशक्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में सामुदायिक केंद्रों में जिला चिकित्सालय स्तर की सुविधाएँ प्राप्त होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में दृढ़ इच्छाशक्ति से ग्रामीण सेवाओं को सशक्त करने के लिए समस्त आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराये गये हैं। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि आज ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी है, बिजली है, पानी है। आज हम तेज गति से आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

मुंबई विश्वविद्यालय

पद का नाम - संकायों में अधिष्ठाता, प्राध्यापक, सहयोगी प्राध्यापक/उप ग्रंथपाल, सहायक प्राध्यापक/सहायक ग्रंथपाल
पदों की संख्या - 152
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 07 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://mu.ac.in/

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

पद का नाम - वैज्ञानिक सहायक/सी
पदों की संख्या - 02
योग्यता - किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों सहित बी.एससी. (प्राणि विज्ञान/जैव रासायनिकी/सूक्ष्म जीव विज्ञान) और मानव साइटोजेनेटिक्स/आण्विक साइटोजेनेटिक्स/सेल कल्चर तकनीक/आण्विक प्रयोगशाला तकनीक में 4 वर्ष का अनुभव और जैविक अनुसंधान विधियों से भी परिचित हों। जैव सांख्यिकी का ज्ञान वांछनीय है।
अंतिम तिथि - 12 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.barc.gov.in/

भारत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्र लिमिटेड

पद का नाम - कंपनी सचिव, प्रबंधक (कानूनी, संपत्ति मुद्रीकरण, सिविल), सहायक प्रबंधक (संपत्ति मुद्रीकरण, विद्युत, मैकेनिकल, प्रोक्योरमेंट, आईटी)
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 09 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://iiccl.dpiit.gov.in/

राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण

पद का नाम - सलाहकार (संरक्षण आर्किटेक्ट)
पदों की संख्या - 01
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से आर्किटेक्चर में स्नातकोत्तर/स्नातक की डिग्री या समकक्ष और संरक्षण प्रैक्टिसिज का क्षेत्र अनुभव, ऐतिहासिक इमारतों और साइट पर काम करने का न्यूनतम तीन वर्ष का अनुभव, विरासत स्थल और स्मारकों के लिए साइट प्रबंधन योजना की तैयारी में अनुभव, प्रलेखीकरण और ऐतिहासिक इमारतों की स्थिति मूल्यांकन का अनुभव, ऐतिहासिक इमारत सामग्री और तकनीक का ज्ञान आदि।
अंतिम तिथि - 05 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.nma.gov.in/

राष्ट्रीय रक्षा उत्पादन अकादमी, नागपुर

पद का नाम - प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर
पदों की संख्या - 02
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 04 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://ddpdoo.gov.in/units/NADP

लोकसभा सचिवालय

पद का नाम - क्षेत्रीय भाषाओं (बोडो, गुजराती, मराठी, कश्मीरी, कोंकणी, नेपाली, सैंथाली, तमिल, तेलुगु, उर्दू) के लिए परामर्शदाता दुभाषि (अनुबंधात्मक आधार पर)
पदों की संख्या - 18
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 05 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://sansad.in/

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, उप प्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक, सहायक, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
पदों की संख्या - 55
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 16 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://thdc.co.in/

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़

पद का नाम - कुलसचिव
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 02 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://curaj.ac.in/hi

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान धारवाड़

पद का नाम - प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारी
पदों की संख्या - 01
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 02 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://iiitdwd.ac.in/

भिलाई इस्पात संयंत्र, सेल

पद का नाम - सलाहकार/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल मेडिसिन, रेडियो डायग्नोसिस, रेस्पिरेटरी मेडिसिन, ओबी एवं जी, डर्मेटोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, ईएनटी, एनेस्थीसिया, ऑप्थल्मोलॉजी, पैथोलॉजी, साइकेट्री) चिकित्सा अधिकारी, सहायक प्रबंधक (सर्वे), माइंस फोरमैन, जूनियर इंजीनियरिंग एसोसिएट (विद्युत पर्यवेक्षक), टेक्निकल एसोसिएट (बॉयलर ऑपरेशन)
पदों की संख्या - 45
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 03 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://www.sail.co.in/hi

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पद का नाम - कनिष्ठ इंजीनियरिंग सहायक (उत्पादन, पीएंडयू, पीएंडयू-ओएंडएम, इलेक्ट्रिकल, यांत्रिक, इंस्ट्रूमेंटेशन, अग्नि एवं सुरक्षा), कनिष्ठ गुणवत्ता नियंत्रण विश्लेषक, इंजीनियरिंग असिस्टेंट (इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, टीएंडआई), टेक्निकल अटेंडेंट -I
पदों की संख्या - विभिन्न पद
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://iocl.com/

एडमिशन अलर्ट

महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

पाठ्यक्रम का नाम - पत्रकारिता में स्नातक एवं स्नातकोत्तर, कला में स्नातक, बीएड, समाज कार्य में स्नातकोत्तर, एमए (हिन्दी, समाजशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान), स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (पत्रकारिता एवं जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रबंधन एवं फिल्म प्रोडक्शन, कंप्यूटर एप्लीकेशन, सृजनात्मक लेखन, अनुवाद, नाटक और रंगमंच, मीडिया लेखन), 6 या 3 माह के प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सामाजिक नेतृत्व एवं प्रशासन, चीनी भाषा, फ्रेंच भाषा, जापानी भाषा, स्पैनिश भाषा, गैर सरकारी संस्थाओं के निर्माण एवं प्रबंधन)
योग्यता - पाठ्यक्रमानुसार
अंतिम तिथि - 31 अगस्त 2024
वेबसाइट - https://hindivishwa.org

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

राजस्व महाअभियान - 2.0

शासन व्यवस्था में पारदर्शिता स्थापित करने और लोगों के जीवन को सुगम बनाने का महाअभियान

मध्यप्रदेश में आमजन का जीवन सहज, सरल और आसान बनाने के लिए विविध स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी जमीन का सही समय पर बिना किसी बाधा के नामांकन, आवंटन हो जाये, गरीब को योजनाओं का सीधा लाभ मिले, समग्र-आधार लिंक करवाने के लिए भटकना न पड़े। प्रदेशवासियों की इन सभी समस्याओं को दूर करने के लिये प्रदेश सरकार संकल्पित है। इसी दिशा में राजस्व के मामलों में लोगों की समस्या को दूर करने के लिये सरकार ने तुरंत हल निकाला है। यह कार्य राजस्व महाअभियान चलाकर किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राजस्व प्रशासन व्यवस्था में पारदर्शिता लाना और राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण करना है। राजस्व प्रक्रिया को सरल बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। इसके तहत राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण, नये राजस्व प्रकरणों को ऑनलाइन दर्ज करना, प्रापर्टी डॉक्युमेंटेशन, राजस्व के मामलों का निपटारा, पी.एम. किसान योजना से किसानों को लाभ, नक्शों में सुधार, नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, फार्मर आईडी, आधार से ई-केवाईसी और खसरे की समग्र आधार से लिंकिंग सहित आमजन की राजस्व से संबंधित समस्याओं को तुरंत दूर किया जाना शामिल है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेशवासियों के जीवन को सुगम बनाने के लिए राजस्व महाअभियान का प्रथम चरण 15 जनवरी 2024 से 31 मार्च 2024 तक चलाया गया था। इस महाअभियान में 30 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया। इससे प्रदेश के लोगों में उत्साह देखने को मिला। राजस्व महाअभियान की सफलता को देखते हुए प्रदेश में राजस्व महाअभियान का दूसरा चरण 18 जुलाई से शुरु किया गया है। यह अभियान 31 अगस्त 2024 तक चलाया जायेगा।

ऐसे होता है राजस्व मामलों का निराकरण

अभियान के दौरान राजस्व रिकॉर्ड के वाचन के लिये पटवारी को समय-सारणी दी जाती है। गांव में खसरा बी-1 का वाचन किया जाता है। नागरिकों को समग्र ई-केवाईसी और समग्र से खसरे की लिंक के लिये समग्र वेब पोर्टल, एमपी ऑनलाइन, सीएसई के कियोस्क के माध्यम से समग्र में आधार की ई-केवाईसी कराने की निःशुल्क सुविधा दी गई है। रेवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम (आरसीएमएस) पर प्रकरण दर्ज कराने के लिये नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखकर लोक सेवा केन्द्रों के अलावा एमपी ऑनलाइन और सीएसई के कियोस्क पर आरसीएमएस प्रकरण दर्ज कराये जाते हैं। लंबित प्रकरणों की न्यायालय में नियमित सुनवाई कर नामांतरण, बंटवारा, भू-अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों का निराकरण किया जाता है।

राजस्व महाअभियान 2.0

विगत 18 जुलाई से प्रदेश भर में राजस्व महाअभियान 2.0 शुरू कर दिया गया है। 31 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान में 23 जुलाई तक नामांतरण के 48 हजार 346 प्रकरणों का, बंटवारा के 5 हजार 636 प्रकरणों का, 1732 अभिलेख दुरुस्ती का कार्य किया गया और एक लाख 63 हजार 230 नक्शों का तरमीम किया गया। राजस्व प्रकरणों में निराकरण की यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। जिस गति और पारदर्शिता के साथ कार्य किया जा रहा है, इससे हम उम्मीद कर सकते हैं कि इससे प्रदेश के लोगों की राजस्व से जुड़ी समस्याएं समाप्त हो जायेंगी और जीवन आसान हो जायेगा।

राजस्व महाअभियान 2.0 की रणनीति

राजस्व महाअभियान के प्रथम चरण में प्राप्त सफल परिणामों को देखते हुए ही राजस्व महाअभियान 2.0 की शुरुआत की गयी है। इसमें मुख्य रूप से राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख त्रुटियों को सही करने के लिए कार्य योजना बनाई गयी है।

इस अभियान के दौरान मध्यप्रदेश सरकार द्वारा राजस्व संबंधी मामलों को रेवेन्यू केस मैनेजमेंट सिस्टम पर दर्ज किया जायेगा। इससे पारदर्शिता के साथ प्रक्रिया में सुधार आयेगा और लोगों को तुरंत लाभ मिलेगा। नामांतरण, बंटवारे के आदेशों को भी ऑनलाइन अभिलेखों में दर्ज किया जायेगा। इस महाअभियान में पूर्व में लंबित नामांतरण के मामलों को तुरंत हल किया जायेगा। नामिनी ट्रांसफर के मामलों का भी तुरंत निराकरण किया जायेगा। अभियान के तहत खसरे में बटांकन होना परंतु नक्शे में बटांकन नहीं होने के मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुधारा जायेगा। हर किसान की फार्मर आईडी तैयार होगी। डिजिटल क्रॉप सर्वे किया जायेगा। खसरा नंबर एक से अधिक बार होने पर पटवारी तथा तहसीलदार द्वारा सुधार किया जायेगा।

प्रभावी मॉनीटरिंग और प्रोत्साहन

अभियान के दौरान सभी संभाग आयुक्त और जिला कलेक्टर द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों की निरंतर मॉनीटरिंग की जा रही है। जो राजस्व अधिकारी बेहतर काम करेंगे उन्हें पुरस्कृत भी किया जायेगा। इस अभियान का लक्ष्य है राजस्व न्यायालय में समय-सीमा में लंबित प्रकरणों का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को दर्ज करना, नक्शे सुधार, सभी पात्र किसानों को पीएम किसान योजना का लाभ पहुँचाना, समग्र-आधार ई-केवाईसी और खसरे की समग्र आधार से लिंकिंग एवं फार्मर रजिस्ट्री का क्रियान्वयन।

कैसे हुआ राजस्व महाअभियान एक द्वारा त्वरित निराकरण

अभियान के अंतर्गत राजस्व से संबंधित समस्याओं के निराकरण और राजस्व महाअभियान की सफलता के लिए चरणबद्ध तरीके से कार्य किया गया। इसके लिए राज्य, जिला और तहसील स्तर पर प्रतिदिन प्रकरणों के निराकरण के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही प्रकरणों की सतत निगरानी के लिए एक डैशबोर्ड बनाया गया जिसकी उच्चाधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की गई।

राजस्व महाअभियान एक में प्रदेश के 15 जिलों में शत प्रतिशत नामांतरण से जुड़े मामलों का लक्ष्य प्राप्त किया गया। इसमें अनूपपुर, पांढुर्णा, विदिशा, अशोकनगर, निवाड़ी, दतिया, सीहोर, गुना, हरदा, रायसेन, शिवपुरी, सिवनी, छिंदवाड़ा, अलीराजपुर, श्योपुर जिले शामिल हैं। यही नहीं जबलपुर, झाबुआ, सिंगरौली, बुरहानपुर, बालाघाट, नीमच, नरसिंहपुर, बड़वानी, डिंडौरी, खंडवा, ग्वालियर, सागर और छतरपुर जिलों में 99 प्रतिशत लंबित नामांतरण से जुड़े मामलों को हल किया गया।

बंटवारा और सीमांकन के रिकॉर्ड निराकरण

राजस्व महाअभियान एक में अशोक नगर, इंदौर, कटनी, झाबुआ, डिंडौरी, पांढुर्णा, शिवपुरी, श्योपुर, सीहोर, हरदा, विदिशा, गुना, रायसेन, दतिया, नीमच, निवाड़ी आदि जिलों में बंटवारे से जुड़े 100 प्रतिशत मामलों का निराकरण हुआ। वहीं, आगर मालवा, अनूपपुर, खरगौन, ग्वालियर और खंडवा में 99 प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण हुआ।

अग्रणी जिले

अभिलेख दुरुस्ती में झाबुआ, विदिशा, सीहोर, हरदा में शत-प्रतिशत मामलों का निराकरण हुआ वहीं बुरहानपुर, खंडवा, पांढुर्णा, भिंड, विदिशा, झाबुआ, निवाड़ी, मंडला, आगर-मालवा और सिवनी आदि जिलों में नक्शा सुधार के कार्य सबसे अधिक किये गये।

राजस्व महाअभियान की उपब्धियां

राजस्व महाअभियान के प्रथम चरण के दौरान प्रदेश में नामांतरण मद में कुल 3 लाख 23 हजार 016 प्रकरणों का निराकरण, बंटवारा 40 हजार 414 प्ररकण का निपटारा, सीमांकन मद 43 हजार 189 प्रकरणों का निपटारा, अभिलेख दुरुस्ती मद 27 हजार 373 प्रकारणों का निपटारा, नक्शा तरमीम मद में 26 लाख 14 हजार 263 प्रकरणों सहित कुल 30 लाख 48 हजार 255 प्रकरणों का निपटारा किया गया है। जिलेवार स्थिति इस तरह है :- पांढुर्णा कुल लंबित 268545 प्रकरणों में से 1लाख 13 हजार 396 निराकृत हुए, बुरहानपुर में 2 लाख 55 हजार 487 लंबित प्रकरण 9 हजार 93 निराकृत, खण्डवा 5 लाख 30 हजार 42 लंबित, निराकृत एक लाख 68 हजार 549 हुए, झाबुआ 4 लाख 48 हजार 985 लंबित एक लाख 46 हजार 405 निराकृत, विदिशा 9 लाख एक हजार 928 लंबित 2 लाख 49 हजार 194 निराकृत, सीहोर 10 लाख 61 हजार 473 लंबित 3 लाख दस हजार 651 निराकृत, रायसेन 8 लाख 7 हजार 423 निराकृत, निवाड़ी 3 लाख 51 हजार लंबित 77 हजार 806 निराकृत, शिवपुरी 14 लाख 38 हजार 239 लंबित 3 लाख 26 हजार 957 निराकृत और हरदा 4 लाख 9 हजार 446 प्रकरण लंबित 81 हजार 327 निराकृत प्रकरण शामिल हैं।

भविष्य की संभावनाएं

जिस तरह राजस्व महाअभियान प्रथम चरण में योजनाबद्ध तरीके से किये गये कार्यों के परिणाम निकल कर आये थे। उसी तरह राजस्व महाअभियान 2.0 में त्रुटि सुधार के साथ सुव्यवस्थित रणनीति बनाकर कार्य किया जा रहा है। राजस्व संबंधित निराकरण और समग्र आधार केवाईसी से लिंक किये जाने के प्रभावी कार्य से पात्र हितग्राही योजनाओं से सीधे लाभांवित होंगे। इससे किसान, गरीब और आमजन का जीवन सुगम हो जायेगा। मध्यप्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि हर जरूरतमंद को लाभ मिले प्रदेश का हर जन खुशहाल रहे। उम्मीद है कि इस महाअभियान 2.0 से प्रदेशवासियों का जीवन खुशहाल होगा, वे अपने कार्य तीव्र गति से कर सकेंगे और स्वयं के विकास के साथ प्रदेश के विकास में सहभागी होंगे।

- हितेश शर्मा
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

चार्ली कैसल ने पर्दापण मैच में बनाया विश्व रिकॉर्ड

एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड के तेज गेंदबाज चार्ली कैसल ने अपने पदार्पण वन-डेमैच में इतिहास रच दिया है। चार्ली ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्वकप लीग-2 में ओमान के खिलाफ मैच से अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। इस मैच में चार्ली ने ओमान के विरुद्ध 5.4 ओवरों में घातक गेंदबाजी की और 21 रन देकर 7 विकेट प्राप्त किए। वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में यह किसी भी गेंदबाज का पदार्पण करते हुए यह सबसे बेहतर प्रदर्शन है। उनसे पहले दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा ने वर्ष 2015 में बांग्लादेश के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में 16 रन देकर 6 विकेट लिए थे। मैच में कैसल ने अपने पहले ओवर में 3 विकेट लिए, इनमें दो विकेट पहली दो गेंदों में लिए थे। यह वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पहला अवसर है, जब किसी गेंदबाज ने यह कारनामा किया है।

महिला एशिया कप

भारतीय टीम ने फाइनल में बनायी जगह

दाम्बूला, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एसीसी महिला एशिया कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को एकतरफा मुकाबले में 10 विकेट से करारी मात देकर फाइनल का टिकट कटाया।

सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश की कप्तान निगार सुल्ताना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सुल्ताना का यह निर्णय गलत साबित हुआ। भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने पहले ओवर में ही सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर को आउट कर बांग्लादेश को बड़ा झटका दिया। भारतीय गेंदबाजों की शानदार गेंदबाजी के सामने बांग्लादेश की बल्लेबाज संघर्ष करतीं दिखीं। बांग्लादेश की पारी को निगार सुल्ताना ने संभाला और एक छोर पर टिकी रही। सुल्ताना ने सबसे ज्यादा 32 रनों की पारी खेली। लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे, जिसके कारण बांग्लादेश की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 80 रन ही बना सकी। भारत के लिए रेणुका सिंह और राधा यादव ने 3-3 और पूजा वस्त्रकार और दीप्ति शर्मा ने 1-1 विकेट लिया।

जीत के लिए 81 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने दमदार शुरूआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और 11 ओवरों में बिना विकेट खोए भारत को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 39 गेंदों में 55 रनों की पारी खेली, वहीं शेफाली वर्मा ने 26 रन बनाये। मैच में शानदार गेंदबाजी के लिए रेणुका सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ओलंपिक से हटे नंबर वन टेनिस खिलाड़ी सिनर

पेरिस, विश्व के नंबर वन पुरुष टेनिस खिलाड़ी जेनिक सिनर ने पेरिस ओलंपिक से अपना नाम वापस ले लिया है। सिनर ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए कहा कि वे गले के संक्रमण के कारण पेरिस ओलंपिक खेलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि ओलंपिक से हटने से बड़ी निराशा है, क्योंकि इस सत्र में यह मेरे मुख्य लक्ष्यों में से एक था। सिनर ने इस वर्ष जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में अपना पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट जीता था। पिछले महीने फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद सिनर एटीपी टेनिस रैंकिंग में पहले पायदान पर आ गए थे।

स्क्वॉश चैम्पियनशिप में शौर्य ने जीता कांस्य पदक

ह्यूस्टन, भारत के युवा खिलाड़ी शौर्य बावा ने अमेरिका में आयोजित विश्व जूनियर स्क्वॉश चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता है। शौर्य ने बालकों के एकल वर्ग के क्वार्टरफाइनल में मलेशिया के लोवा सर्न को 2-11, 11-4, 10-12, 11-8, 12-10 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन सेमीफाइनल में मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी मोहम्मद जकारिया से हार के बाद शौर्य को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। शौर्य इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी है।

नूनो बोर्गेस ने जीता स्वीडिश ओपन

बस्टॉड, पुर्तगाल के टेनिस खिलाड़ी नूनो बोर्गेस ने स्पेन के दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल को हराकर स्वीडिश ओपन का खिताब अपने नाम किया है। बोर्गेस ने टूर्नामेंट के फाइनल में नडाल को 6-3, 6-2 से हराया। यह बोर्गेस के टेनिस कॅरियर का पहला एटीपी खिताब है। चोट के कारण लंबे समय बाद टेनिस कोर्ट में वापसी करने वाले नडाल को फाइनल में जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेनिक बोर्गेस ने फाइनल मैच में बेहतरीन खेल दिखाया और पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में भी नडाल लयहीन नजर आये।

टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए पेस और अमृतराज

न्यूपोर्ट, भारत के महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और प्रकाश अमृतराज को टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। पेस और अमृतराज इस सूची में जगह बनाने वाले एशिया के पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं।

लिएंडर पेस को हॉल ऑफ फेम के प्लेयर कैटेगरी में जगह दी गई है। वह भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी हैं। उन्होंने वर्ष 1996 के अटलांटा ओलंपिक खेलों में पुरुष एकल वर्ग में कांस्य पदक जीता है। वह ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले पहले भारतीय टेनिस खिलाड़ी हैं। टेनिस के युगल वर्ग में पेस विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने पुरुष युगल वर्ग में 8 और मिश्रित युगल वर्ग में 10 ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। पेस ने कई वर्षों तक डेविस कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया है।

प्रकाश अमृतराज ने भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्हें रिचर्ड इवांस के साथ कंट्रिब्यूटर्स श्रेणी

में हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। अमृतराज विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो बार क्वार्टर फाइनल में जगह बना चुके हैं।

- **लिएंडर पेस डेविस कप में भारतीय टेनिस टीम के कप्तान रह चुके हैं।**
- **पेस ने डेविस कप में एकल और युगल वर्ग में 93 मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाया है।**
- **पेस को वर्ष 1996 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार और वर्ष 2014 में पद्मभूषण सम्मान मिला है।**

आईसीसी ने छह देशों को दिया डेवलपमेंट अवॉर्ड

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी डेवलपमेंट अवॉर्ड विजेताओं की घोषणा कर दी है। आईसीसी ने एक वर्ष के भीतर बढ़िया प्रदर्शन करने वाले उभरते 6 देशों को इस अवॉर्ड के लिए चुना है, इनमें मैक्सिको, ओमान, नेपाल, स्कॉटलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और नीदरलैंड्स शामिल है। आईसीसी के महाप्रबंधक विलियम ग्लेनराइट ने कहा कि आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कारों का आईसीसी सदस्यों द्वारा उभरते हुए देशों में खेल के विकास के लिए किए गए काम को मान्यता देने का लंबा इतिहास है।

जेंडर शाफेल ने जीता ब्रिटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट

टून, अमेरिकी गोल्फर जेंडर शाफेल ने ब्रिटिश ओपन का खिताब अपने नाम किया है। शाफेल ने टूर्नामेंट के अंतिम राउंड में 65 का कार्ड खेलते हुए इंग्लैंड के जस्टिन रोस और अमेरिका के बिली हार्शेल पर दो शॉट की बढ़त के साथ जीत दर्ज की। यह शाफेल का इस वर्ष का दूसरा खिताब है।

हॉकी टीम के गोलकीपर श्रीजेश ओलंपिक के बाद लेंगे संन्यास

नई दिल्ली, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान पीआर श्रीजेश पेरिस ओलंपिक के बाद हॉकी से संन्यास लेंगे। 36 वर्षीय श्रीजेश ने घोषणा करते हुए कहा कि पेरिस ओलंपिक उनके कॅरियर का आखिरी टूर्नामेंट होगा। श्रीजेश अब तक तीन ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और पेरिस ओलंपिक उनका चौथा ओलंपिक होगा। वह टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्य थे। श्रीजेश ने वर्ष 2006 में साउथ एशियन गेम्स से अंतर्राष्ट्रीय

हॉकी में पदार्पण किया था। उन्होंने भारत के लिए 328 मैच खेले हैं। अपनी बेहतरीन गोलकीपिंग स्किल्स के लिए उन्हें 'द वॉल' के नाम से भी जाना जाता है।

अर्जेंटीना के फुटबॉलर एंजेल डि मारिया ने लिया संन्यास

ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के दिग्गज खिलाड़ी एंजेल डि मारिया ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। मारिया ने कोपा अमेरिका कप में अर्जेंटीना की खिताबी जीत के बाद संन्यास की घोषणा की। मारिया ने सितंबर 2008 में पैराग्वे के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में कदम रखा था। उन्होंने अर्जेंटीना के लिए 145 मैच खेले हैं और 31 गोल दागे हैं। मारिया वर्ष 2022 में फीफा फुटबॉल विश्वकप जीतने वाली अर्जेंटीना टीम के सदस्य हैं। मारिया अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी के साथ लंबे समय से फुटबॉल खेल रहे हैं।

केंद्रीय बजट

खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित

नई दिल्ली, जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने और नई प्रतिभाओं को उभारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई प्रमुख परियोजना खेलो इंडिया को एक बार फिर केंद्रीय बजट में सबसे अधिक राशि मिली। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट में खेल मंत्रालय के लिए 3442.32 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, इनमें से खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपये आवंटित किए गए है। यह राशि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान आवंटित की गई 880 करोड़ रुपये की राशि से 20 करोड़ रुपये अधिक है।

सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खेलो इंडिया में भारी निवेश किया है। यह कार्यक्रम देश के सभी हिस्सों से प्रतिभाओं को सामने लाने का काम करता है। खेलो इंडिया युवा खेलों की शुरुआत वर्ष 2018 में हुई थी, इसकी शुरुआत के बाद से ही सरकार ने इसमें और खेल आयोजनों को जोड़ना जारी रखा। खेल मंत्रालय ने वर्ष 2018 में खेलो इंडिया शीतकालीन गेम्स और वर्ष 2023 में खेलो इंडिया पैरा गेम्स शुरू किए गए थे। इन खेलों में देशभर के हजारों खिलाड़ियों ने अपने खेल का जौहर दिखाया। खेलो इंडिया गेम्स में खिलाड़ियों को अनुभवी प्रशिक्षकों से मार्गदर्शन और बेहतर खेल सुविधा मिल रही है, जिससे कई एथलीट पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने में सफल रहे हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण का बजट हुआ 340 करोड़ रुपये

बजट में राष्ट्रीय खेल महासंघों को मिलने वाली सरकारी सहायता में भी 15 करोड़ रुपये की वृद्धि की गई है। सरकार ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) का बजट भी 795.77 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 822.60 करोड़ रुपये कर दिया है। साई देशभर में अपने स्टेडियमों के रखरखाव के अलावा वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम (टॉप्स) योजना का प्रबंधन करता है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) को बजट में 22.30 करोड़ रुपये का आवंटन किया है, जबकि राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के लिए 22 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

हंगरीयन ग्रांप्री

ऑस्कर ने जीती फॉर्मूला-वन रेस

बुडापेस्ट, मैक्लेरेन के ऑस्ट्रेलियन कार रेसर ऑस्कर पिएस्त्री ने हंगरियन ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस का खिताब अपने नाम किया है। यह पिएस्त्री के फॉर्मूला-वन कॅरियर की पहली जीत है। रेस में पिएस्त्री के टीम साथी लेंडो नॉरिस ने पोल पोजिशन हासिल की, लेकिन पिएस्त्री ने नॉरिस को पछाड़कर रेस में बढ़त बना ली। पिएस्त्री ने 70 लैप की इस रेस में बेहतरीन प्रदर्शन किया और एक घंटा 38 मिनट 01.989 सेकेंड में रेस खत्म की। रेस में नॉरिस ने पिएस्त्री को जबरदस्त टक्कर दी और दूसरा स्थान हासिल किया। रेस में लुईस हैमिल्टन तीसरे, चार्ल्स लेकलर्क चौथे और मैक्स वर्स्टापेन पांचवें स्थान पर रहे। उल्लेखनीय है कि फार्मूला-वन चैंपियनशिप के इस सत्र में अब तक 13 रेस आयोजित हुई है, इनमें से 7 रेस मैक्स वर्स्टापेन ने जीती है।

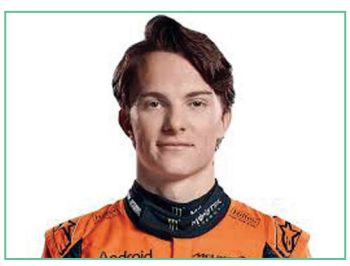

- **ऑस्कर पिएस्त्री ने वर्ष 2023 में बहरीन ग्रांप्री से फॉर्मूला-वन सर्किट पर रखा था कदम।**
- **इस वर्ष फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप में रेस जीतने वाले सातवें रेसर हैं पिएस्त्री।**
- **इस वर्ष ड्राइवर्स चैम्पियनशिप में मैक्स वर्स्टापेन 265 अंकों के साथ शीर्ष पर है।**

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

गरीब किसानों को समृद्धि की राह पर ले जाएगा बजट - प्रधानमंत्री

केंद्रीय बजट 2024-25 पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट देश को विकास की नई ऊंचाई पर ले जायेगा। उन्होंने कहा कि यह बजट समाज के हर वर्ग को शक्ति देगा", "यह गांवों के गरीब किसानों को समृद्धि की राह पर ले जाएगा।" प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बजट उनके सशक्तिकरण में निरंतरता जोड़ता है और रोज़गार के अनगिनत अवसर प्रदान करता है। बजट मध्यम वर्ग, जनजातीय समाज, दलित और पिछड़ों को सशक्त करने की मजबूत योजनाओं के साथ आया है। यह बजट महिलाओं की आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित करेगा और इससे छोटे व्यवसायों और एमएसएमई के लिए प्रगति का नया रास्ता मिलेगा।

संभावनाओं के नए द्वार खुलेंगे

रोज़गार और स्वरोज़गार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रोत्साहन योजनाओं से युवाओं के लिए रोजगार के करोड़ों नए अवसरों का सृजन होगा।

इंडियन ऑयल ने भारतीय नौसेना को हाइड्रोजन बस की भेंट

भारत सरकार की हरित पहल और राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तत्वावधान में भारतीय नौसेना और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रयास के परिणामस्वरूप आईओसीएल द्वारा परीक्षण और प्रदर्शन के लिए हाइड्रोजन ईंधन वाली बस भारतीय नौसेना को सौंपी गई। इसे सतत विकास और पर्यावरण प्रबंधन के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। स्वच्छ ईंधन के रूप में हाइड्रोजन की क्षमता का उपयोग करके भारतीय नौसेना सशस्त्र बलों में टिकाऊ परिवहन को अपनाने के एक नए युग का मार्ग प्रशस्त कर रही है। अनावरण की गई हाइड्रोजन चलित बस कार्बन को कम करने, वायु गुणवत्ता में सुधार और राष्ट्रीय पर्यावरण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आईओसीएल और भारतीय नौसेना के सामूहिक प्रयासों का प्रतिनिधित्व करती है।

आईओसीएल और भारतीय नौसेना के बीच हुए समझौते के तहत आईओसीएल ने भारतीय नौसेना को संचालन और परीक्षण उद्देश्यों के लिए हाइड्रोजन ईंधन बस प्रदान की है। भारतीय नौसेना द्वारा बस के संचालन से सार्वजनिक परिवहन प्रयोग के लिए ईंधन सेल बस के प्रदर्शन, स्थायित्व और परिचालन विश्वसनीयता के संदर्भ में व्यापक अध्ययन की सुविधा मिलेगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश किया केंद्रीय बजट 2024-25

युवाओं के लिए रोज़गार-कौशल और अन्य अवसरों के लिए प्रधानमंत्री की पांच योजनाओं की सौगात

केन्द्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने संसद में 'केन्द्रीय बजट 2024-25' पेश किया। वित्तमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में सार्वजनिक निवेश में वृद्धि के परिणाम स्वरूप भारत में स्वच्छता और जलापूर्ति सहित भौतिक और डिजिटल संपर्क तथा सामाजिक अवसंरचना में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई, जिससे लोगों के गुणवत्तापूर्ण जीवन में सुधार हुआ। प्रस्तुत हैं बजट के प्रमुख अंशः-

बजट अनुमान 2024-25

ऋण छोड़कर कुल प्राप्तियां	:	32.07 लाख करोड़ रुपये
कुल व्यय	:	48.21 लाख करोड़ रुपये
सकल कर प्राप्ति	:	25.83 लाख करोड़
वित्तीय घाटा	:	जीडीपी का 4.9 प्रतिशत

- सरकार का लक्ष्य घाटे को अगले साल 4.5 प्रतिशत से नीचे लाना है
- मुद्रास्फीति कम, स्थायी और 4 प्रतिशत के लक्ष्य की ओर जारी है
- कोर मुद्रास्फीति (गैर-खाद्य, गैर-ईंधन) 3.1 प्रतिशत
- बजट में रोजगार, कौशल, एमएसएमई और मध्य वर्ग पर विशेष ध्यान है

रोज़गार और कौशल पर केन्द्रित प्रधानमंत्री की पांच योजनाएं

4.1 करोड़ युवाओं के लिए पांच साल में रोज़गार- कौशल और अन्य अवसरों के लिए प्रधानमंत्री की पांच योजनाएं और पहल।

1. **योजना क- पहली बार वालों के लिए :** ईपीएफओ में पंजीकृत पहली बार रोज़गार पाने वाले कर्मचारियों को 15 हजार रुपये तक के एक महीने का वेतन जिसे तीन किस्तों में दिया जाएगा।
2. **योजना ख- विनिर्माण में रोज़गार सृजन :** कर्मचारी और नियोक्ता दोनों को सीधे विनिर्दिष्ट स्केल पर प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराना जो नौकरी के पहले चार साल में दोनों के ईपीएफओ योगदान पर निर्भर है।
3. **योजना ग- नौकरी देने वाले को मदद :** सरकार नियोक्ता को उसके ईपीएफओ योगदान के लिए दो साल तक हर अतिरिक्त कर्मचारी पर 3000 हजार रुपये प्रत्येक महीना भुगतान करेगी।
4. **कौशल के लिए नई केन्द्र प्रायोजित योजना**
   - अगले पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं का कौशल बढ़ाया जाएगा।
   - 1,000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन किया जाएगा।
   - पांच साल में एक करोड़ युवाओं को पांच सौ टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए नई योजना।

कृषि में उत्पादकता और अनुकूलनीयता - कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये का आवंटन। किसानों के लिए 32 कृषि और बागवानी फसलों की नई 109 उच्च पैदावार वाली और जलवायु अनुकूल किस्में जारी की जाएंगी। प्रमाण-पत्र और ब्रांडिंग व्यवस्था के साथ अगले दो वर्षों में पूरे देश में एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक कृषि से जोड़ा जाएगा। प्राकृतिक खेती के लिए 10,000 आवश्यकता आधारित जैव-आदान संसाधन केंद्र स्थापित किए जाएंगे। तीन साल में किसानों और उनकी जमीन को शामिल करने के लिए कृषि में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) को लागू किया जाएगा।

रोज़गार और कौशल प्रशिक्षण

प्रधानमंत्री पैकेज के भाग के रूप में 'रोज़गार संबद्ध प्रोत्साहन' के लिए 3 योजनाएं - पहली बार रोज़गार पाने वाले, विनिर्माण में रोज़गार सृजन, नियोक्ताओं को मदद।

कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए, औद्योगिक सहयोग से महिला छात्रावास और क्रेचों की स्थापना। महिला केन्द्रित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन। महिला स्वयं सहायता समूह उद्यम को बाजार तक पहुंच को बढ़ाना।

कौशल विकास

- प्रधानमंत्री के पैकेज के तहत पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं के कौशल विकास के लिए केन्द्र प्रायोजित नई योजना।
- 7.5 लाख रुपये तक के ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मॉडल कौशल ऋण योजना।
- सरकार की योजनाओं और नीतियों के तहत किसी लाभ के लिए पात्र नहीं होने वाले युवाओं को घरेलू संस्थानों में उच्चतर शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये तक के ऋण हेतु वित्तीय सहायता।
- समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय।

पूर्वोदय

- अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारे के साथ गया में औद्योगिक केंद्र का विकास।
- 21,400 करोड़ रुपये की लागत से विद्युत परियोजनाएं आरंभ की जाएंगी जिसमें पिरपैंती में 2400 मेगावाट का नया विद्युत संयंत्र शामिल।

आंध्र प्रदेश के लिए

- बहुपक्षीय विकास एजेंसियों के माध्यम से मौजूदा वित्त वर्ष में 15,000 करोड़ रुपये की विशेष सहायता।
- विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे में कोप्पार्थी क्षेत्र और हैदराबाद–बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे में ओरवाकल क्षेत्र में औद्योगिक केन्द्र।

महिलाओं का नेतृत्व विकास

- महिलाओं और लड़कियों के लिए संचालित योजनाओं के लिए कुल तीन लाख करोड़ रुपये का आवंटन।
- प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान।
- जनजातीय-बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में जनजातीय परिवारों का सामाजिक-आर्थिक विकास।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बैंक शाखाएं

- उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक की 100 शाखाएं खोलना।

विनिर्माण और सेवाएं

- विनिर्माण क्षेत्र में एमएसएमई ऋण गारंटी योजना।
- गिरवी या तृतीय पक्ष गारंटी के बिना मशीनरी और उपकरण की खरीद के लिए एमएसएमई को आवधिक ऋण की सुविधा देने के लिए ऋण गारंटी योजना।

संकट के दौरान एमएसएमई को ऋण सहायता

- एमएसएमई को उनके संकट अवधि के दौरान बैंक ऋण जारी रखने की सुविधा के लिए एक नई व्यवस्था।

मुद्रा लोन

- 'तरुण' श्रेणी के अंतर्गत मुद्रा ऋणों की सीमा को उन उद्यमियों के लिए 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये होगा, जिन्होंने पहले ऋण चुका दिया है।

ट्रेड्स में शामिल होने के लिए और अधिक संभावना

- खरीददारों को ट्रेड्स प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य रूप से शामिल करने के लिए कारोबार की सीमा को 500 करोड़ रुपये से घटाकर 250 करोड़ रुपये कर दिया गया।

फूड इरेडिएशन, गुणवत्ता और सुरक्षा परीक्षण के लिए एमएसएमई इकाइयां

- एमएसएमई क्षेत्र में 50 मल्टी-प्रोडक्ट फूड इरेडिएशन इकाइयां स्थापित करने वित्तीय सहायता दी जाएगी।

ई-कॉमर्स निर्यात केंद्र

- एमएसएमई तथा पारंपरिक कारीगरों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपने उत्पादों को बेचने में सक्षम बनाने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में ई-कॉमर्स निर्यात केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

महत्वपूर्ण खनिज मिशन

- घरेलू उत्पादन, महत्वपूर्ण खनिजों की रिसाइक्लिंग और विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज संपदा के अधिग्रहण के लिए महत्वपूर्ण खनिज मिशन की स्थापना होगी।

खनिजों का अपतटीय खनन

पहले से किये गए खोज के आधार पर खनन के लिए अपतटीय ब्लॉकों के पहले भाग की नीलामी शुरू होगी।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नये सर्वे

राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को कमला हैरिस देंगी कड़ी चुनौती

अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। ऐसे में रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेट्स की तरफ से कमला हैरिस मैदान में हैं। हालांकि यह निश्चित नहीं है लेकिन बहुत संभावना है कि भारतीय मूल की हैरिस अब नवंबर में पूर्व रिपब्लिकन राष्ट्रपति ट्रंप का सामना करने के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार होंगी। दोनों प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं।

एक सर्वे सामने आया है जिसमें भारतीय मूल की कमला हैरिस की ट्रंप पर बढ़त दिखाई गई है। हैरिस ने ट्रंप के ऊपर दो प्रतिशत की बढ़त हासिल की है। सर्वे जो बाइडन के राष्ट्रपति चुनावी अभियान से हटने की घोषणा के बाद किया गया है। इससे पहले राष्ट्रपति जो बाइडन ने चुनाव न लड़ने की घोषणा की थी। उल्लेखनीय है कि 27 जून को डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई बहस में खराब प्रदर्शन के बाद उनके ऊपर लगातार चुनाव न लड़ने का दबाव बना हुआ था।

हैरिस को मिला 44 प्रतिशत समर्थन

ताजा सर्वे में कमला हैरिस को 44% समर्थन हासिल है जबकि डोनाल्ड ट्रंप को 42% लोगों ने समर्थन किया। हैरिस को बढ़त दिलाने वाला नया सर्वे ऐसे समय में आया है जब उन्होंने डेमोक्रेटिक नामांकन के लिए जरूरी समर्थन हासिल कर लिया है। इसके पहले एक सर्वेक्षण में हैरिस और ट्रंप 44% पर बराबर थे और एक-दो जुलाई के सर्वेक्षण में डोनाल्ड ट्रंप एक प्रतिशत अंक से आगे थे।

भारत के हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण और ईस्ट नीति की आधारशिला है आसियान- जयशंकर

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर लाओस की राजधानी वियनतियाने में आयोजित दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन के साथ मिलकर भारत के राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि आसियान भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि आसियान के साथ मौजूदा राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग देश की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह उत्साहजनक है कि भारत-आसियान साझेदारी नया आयाम हासिल कर रही है। विदेशमंत्री ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष विंस्टन पीटर्स से मुलाकात कर शिक्षा, कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशांत द्वीप समूह और क्रिकेट पर चर्चा की।

यह है आसियान के सदस्य

आसियान के 10 सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया हैं।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- संदीप यादव, मुद्रक- संदीप यादव द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।